CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 31°C
न्यूनतम : 25°C

बरेली, सोमवार 21 जुलाई 2025 बरेली संस्करण: वर्ष 22 अंक 236 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com श्रावण कृष्ण पक्ष 10 विक्रमी सम्वत् 2082 25 मुहर्रम 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल गांधी का सरकार पर हमला पेज 2

शुभमन गिल के निशाने पर 19 साल पुराना रिकॉर्ड खेल टाइम्स

संसद में प्राइवेट मेंबर बिल: गंभीरता की गिरती रेखा व लोकतंत्र की अनदेखी सम्पादकीय

20 साल से सऊदी के 'सोते हुए राजकुमार' का निधन पेज़ 12

फ्लाइट की जल्दबाजी में पत्नी को भूले शिवराज सिंह

जूनागढ़, वार्ता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जूनागढ़ में एक दिलचस्प जल्दबाजी कर बैठे। वे पत्नी साधना सिंह को छोड़कर 22 गाड़ियों के काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट की ओर रवाना हो गए।

एक किलोमीटर दूर पहुंचे ही थे कि ख्याल आया पत्नी तो साथ में हैं ही नहीं। इसके बाद काफिला तुरंत यू-टर्न लेकर मूंगफली शोध केंद्र लौटा, जहां साधना सिंह वेटिंग रूम में बैठी थीं। दरअसल, शिवराज पत्नी के साथ गुजरात के धार्मिक व सरकारी दौरे पर थे। सोमनाथ

ज्योतिर्लिंग और गिर के सिंहदर्शन के बाद मूंगफली शोध केंद्र में किसानों व 'लखपति दीदी' योजना से जुड़ी महिलाओं से संवाद कार्यक्रम था। उन्हें रात 8 बजे राजकोट से फ्लाइट पकड़नी थी और रास्ता खराब होने के कारण वे

■ काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट निकले, एक किमी के बाद वापस लौटे फिर साथ गए केंद्रीय मंत्री

हड़बड़ी में थे। कार्यक्रम के मंच पर बार-बार घड़ी देखते रहे। खुद माइक से कहा कि राजकोट का रास्ता खराब है, अगली बार फुर्सत से आऊंगा। उन्होंने भाषण छोटा किया और तेजी से काफिले के साथ निकल गए। उधर, साधना गिरनार दर्शन के बाद लौट चुकी थीं और प्रतीक्षालय में बैठी थीं। शिवराज को ख्याल आया कि पत्नी, तो साथ में हैं नहीं। फिर फोन पर संपर्क साधा। इसके बाद काफिले संग लौटे और पत्नी को लेकर राजकोट निकले। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्नी साधना सिंह के साथ सासन-देवलिया सफारी पार्क घूमा था। उन्होंने कहा था कि सासन में हमने प्रकृति के राज को देखा। गिर की प्राकृतिक सुंदरता वाकई अद्भुत है। उन्होंने कहा था कि सफारी की पूरी अवधारणा और योजना अद्भुत है। यह सफारी अनुभव के अलग-अलग रंग प्रदान करती है।

थरूर के तीखे बोल: पहली वफादारी देश के लिए

नई दिल्ली। कांग्रेस के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं।

थरूर कोच्चि में शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी

■ कहा: दूसरे दलों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, इसे गद्दारी समझ लिया जाता है

दलों को मिलकर काम करना चाहिए। जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। राजनीति में मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए।

डॉन फिल्म के निर्देशक चंद्रा बारोट का निधन

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अभिनीत सुपरहिट फिल्म डॉन के निर्देशक चंद्रा बारोट का रविवार को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। चंद्रा बारोट कई सालों से अपने फेफड़ों का इलाज करा रहे थे। वह मुंबई के बांद्रा स्थित एक अस्पताल में भर्ती थे, जहां रविवार को उन्होंने आखिरी सांस ली। चंद्रा बारोट को वर्ष 1978 में प्रदर्शित अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म 'डॉन' का निर्देशन करने के लिए जाना जाता है। चंद्रा बारोट का जन्म और पालन-पोषण तंजानिया में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बैंक में नौकरी से की थी, लेकिन उनका दिल फिल्मों की ओर चला गया, जिसके बाद वे भारत आकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ गए।

राजस्थान के नागौर में सड़क पर मछलियां तैरीं, काशी में बाढ़

नई दिल्ली। राजस्थान में हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही हैं। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। यूपी में लगातार बारिश से गंगा, यमुना और मंदाकिनी जैसी नदियां उफान पर हैं। काशी में 84 घाट डूबने के बाद अब गंगा का पानी अस्सी घाट की सड़क तक पहुंच गया है। गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है। उधर बिहार की कई नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पटना में गंगा नदी उफान पर है। पटना डीएम ने जिले के 78 स्कूलों को 21 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है।

विदेशी मीडिया के झूठे कवरेज पर बरसे उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली। अहमदाबाद में बीते 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर चर्चा जारी है। इसी बीच केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने रविवार को एयर इंडिया 171 विमान हादसे को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि एएआईबी पूरी जिम्मेदारी से और अंतर्राष्ट्रीय नियमों के तहत जांच कर रही है। मंत्री नायडू ने एएआईबी रिपोर्ट को लेकर विदेशी मीडिया के दावों पर भी निशाना साधा। उन्होंने खासकर पश्चिमी मीडिया को आगाह किया कि वे अफवाहें फैलाने और बिना पुष्टि वाली खबरें छापने से बचें। नायडू ने कहा कि हमें एएआईबी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने ब्लैक बॉक्स को भारत में ही डिकोड कर एक बेहतरीन काम किया है। जब तक अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है।

प्रधानमंत्री से अपना नैतिक कर्तव्य निभाने की उम्मीद जताई

विपक्ष एकसुर: पहलगाम और ट्रम्प की हकीकत बताएं मोदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं ने रविवार को एक स्वर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद से देश को संबोधित करना चाहिए और बिहार में मतदाता सूची तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोपों पर जवाब देना चाहिए।

सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि इस सत्र में हम पहलगाम पर बात करेंगे। सीमा पर संघर्ष, प्रत्येक नागरिक के मतदान के अधिकार और बिहार में मतदाता पुनरीक्षण से संबंधित मुद्दे पर प्रधानमंत्री को संसद से राष्ट्र को संबोधित करना चाहिए। उम्मीद है प्रधानमंत्री अपना नैतिक कर्तव्य निभाएंगे। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने कहा कि उन्होंने बैठक में पहलगाम आतंकी हमला और

■ सर्वदलीय बैठक के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं ने एक स्वर में उठाई मांग, एकजुट हुआ विपक्ष

इसमें खुफिया विफलता, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के सैन्य कारवाई रोकने वाले बयान के साथ ही पांच जेट गिराए जाने संबंधी बयान, देश की विदेश नीति की विफलता का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि विदेश नीति की विफलता के कारण ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया के किसी देश ने हमारा साथ नहीं दिया। अन्नाद्रमुक के एम. थंबीदुरई ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में लगभग सभी दलों के नेताओं ने -शेष पृष्ठ दो पर

संसद सुचारू रूप से चलाना सबकी जिम्मेदारी: रिजिजू

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि संसद को सुचारू रूप से चलाना राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है और वैविचारिक विविधता के बावजूद सभी दलों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार की तरफ से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि सर्वदलीय बैठक में आज विभिन्न दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। यह बैठक बहुत सकारात्मक रही और सदस्यों ने सकारात्मक रूप से ही अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी दलों के नेताओं ने सुझाव दिए और सरकार ने उन सभी की सुझाव को नोट कर लिया है।

कांवड़ यात्रा में उपद्रव करने वालों के लगेंगे पोस्टर: योगी

उप्र के मुख्यमंत्री ने की कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के योगी सरकार ने पोस्टर चस्पा करने की चेतावनी दी है और यात्रा सम्पन्न होने के बाद उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। ये बातें खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में कही।

सीएम योगी इन घटनाओं को लेकर बेहद सख्त नजर आए और कहा कि सभी घटनाओं के सीसीटीवी हैं, जिन्होंने भी कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है, जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे हैं वो सब बेनकाब होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने आगाह करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में उत्साह और उमंग है। श्रद्धा और भक्ति है। वहीं इस उत्साह और श्रद्धा को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। सोशल मीडिया के साथ अन्य माध्यमों से इस धार्मिक यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया जा

■ मुख्यमंत्री ने लोगों को भी कराया उनकी जिम्मेदारी का अहसास

रहा है। ऐसे लोगों को अपने बीच में न घुसने दें। कांवड़ को खंडित करने और श्रद्धा से जो खिलवाड़ करता है। खुद कानून हाथ में न लें बल्कि उनके बारे में प्रशासन को सूचना दें। मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा के दौरान जहां कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। वहीं लोगों को उनकी जिम्मेदारी का भी अहसास कराया। सीएम योगी ने कहा कि शिव लोकमंगल के देवता हैं। वो आदिदेव महादेव हैं। पुलिस प्रशासन ने तो बेहतर व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें दूसरों की परेशानी समझनी होगी। सफाई कर्मचारी तो अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, लेकिन हमें भी अपना दायित्व समझना होगा।

जांच एजेंसियों के वकीलों को तलब करने पर SC ने लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों के वकीलों को तलब करने के मामले का स्वत: संज्ञान लिया है।

शीर्ष अदालत इस मामले में सोमवार को सुनवाई करेगी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ करेगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में वरिष्ठ वकील अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किया था। इसे लेकर ईडी ने कहा कि उसने अपने जांच अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने मुवक्किलों के खिलाफ चल रही जांच में किसी भी वकील को समन जारी न करें।

विधेयक मंजूरी मामले में संविधान पीठ कल करेगी विचार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 22 जुलाई को राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार करेगी कि क्या राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर विचार करते वक्त राष्ट्रपति की ओर से विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों से समय-सीमाएं निर्धारित की जा सकती हैं।

सिर्फ आर्य समाज मंदिर का प्रमाणपत्र विवाह का वैध सबूत नहीं: इलाहाबाद हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक महिला के अनुकंपा नियुक्ति के मामले में दिए अहम फैसले में कहा कि सिर्फ आर्य समाज मंदिर का प्रमाणपत्र विवाह का वैध सबूत नहीं माना जाएगा।

अदालत ने यह भी कहा कि महज स्टांप पेपर पर पति-पत्नी के बीच तलाक नहीं हो सकता

■ कहा: महज स्टांप पेपर पर पति-पत्नी के बीच तलाक नहीं हो सकता

है। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने महिला की अनुकंपा नियुक्ति पाने की याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश मनीष माथुर की एकल पीठ ने यह फैसला महिला की याचिका पर दिया। महिला ने अपने कथित पति की मृत्यु के बाद उसकी जगह खुद को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने का दावा किया था, जिसे कृषि विभाग ने बीते 5 अप्रैल को खारिज कर दिया था। दावे को खारिज करने के इसी आदेश को महिला ने याचिका में चुनौती दी थी।

एनआईए अदालत ने शमील की जमानत याचिका खारिज की

मुंबई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की यहां की एक विशेष अदालत ने प्रतिबंधित संगठन सिमी के कार्यकर्ता साकिब नाचन के पुत्र और आतंकवाद के आरोपी शमील नाचन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। शमील ने अपने पिता की मृत्यु के बाद विभिन्न क्रियाकलापों के लिए अदालत से अनुमति मांगी थी। उसके पिता की हाल ही में दिल्ली की तिहाड़ जेल में मृत्यु हो गई थी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि नमाज कहीं से भी अदा की जा सकती है और कब्रिस्तान में व्यक्तिगत उपस्थिति आवश्यक नहीं है। शमील ने अपने पिता की मौत के बाद विभिन्न क्रियाकलापों के लिए 20 दिनों की अंतरिम जमानत दिए जाने का आग्रह किया था। शमील के वकीलों, मोबिन सोलकर और ताहिरा कुरैशी ने तर्क दिया था कि मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार, कुरान ख्वानी की व्यवस्था की जानी चाहिए। मृत्यु के बाद 20 दिनों की अवधि के दौरान, नमाज अदा करने के लिए कब्रिस्तान में दिन में दो बार जाना होता है।

नैनीताल से विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम जुड़ेगा रोपवे से

अफज़ल हुसैन 'फौजी'

नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों और बाबा नीम करौली महाराज के अनन्य भक्तों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है।

नैनीताल से विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम तक की यात्रा अब न केवल बेहद सुगम होगी, बल्कि समय भी कम लगेगा। दरअसल, जिला पर्यटन विभाग ने नैनीताल के स्नो व्यू से कैंची धाम तक एक अत्याधुनिक रोपवे (केबल कार) परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेज दिया है। इस पहल

से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भीषण जाम और लंबी दूरी की थकावट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। फिलहाल, नैनीताल से कैंची धाम तक सड़क मार्ग से करीब 17 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। गर्मियों की छुट्टियों, पीक पर्यटन सीजन और विशेषकर हर वर्ष आयोजित होने वाले कैंची धाम मेले के दौरान इस मार्ग पर अक्सर घंटों का भीषण जाम लग जाता है, जिससे यात्रा बेहद असहज और थका देने वाली हो जाती है।

■ अब 20 मिनट में होंगे बाबा के दर्शन, जाम से मिलेगी मुक्ति
■ जिला पर्यटन विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव
■ श्रद्धालुओं-पर्यटकों को मिलेगी बड़ी राहत

स्नो व्यू से सीधे कैंची धाम तक उड़ान

जिलाधिकारी वंदना सिंह ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस रोपवे की मांग लंबे समय से की जा रही थी, खासकर स्थानीय होटल व्यवसायियों और पर्यटन कारोबारियों की ओर से। यह रोपवे नैनीताल के प्रसिद्ध स्नो व्यू प्वॉइंट से शुरू होकर सीधे कैंची धाम तक पहुंचेगा। उन्होंने आगे बताया कि सड़क मार्ग से यह दूरी 17 किमी है, जबकि रोपवे से यह महज 5-6 किलोमीटर रह जाएगी, जिसे लगभग 20 मिनट में तय किया जा -शेष पृष्ठ दो पर

संक्षिप्त समाचार

श्रीनिवासन व सुदर्शन वेणु से मिलकर खुशी हुई: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि टीवीएस मोटर कंपनी के श्री वेणु श्रीनिवासन और श्री सुदर्शन वेणु से मिलकर उन्हें अपार खुशी हुई। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आज एक पोस्ट में कहा कि मैं कच्छ की सुंदरता को दर्शाने और मोटरसाइकिल सवारों को वहां जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उनके प्रयास की सराहना करता हूं। दरअसल टीवीएस मोटर कंपनी के अध्यक्ष वेणु श्रीनिवासन और उनके पुत्र सुदर्शन वेणु ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री 'रण उत्सव 2025' कॉफी टेबल बुक भेंट की।

जनता ने 2017 में ही बूथ का भूत उतारा

देवरिया। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एसएन सिंह ने रविवार को यहां समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का बिना नाम लिए कहा कि प्रदेश की जनता ने 2017 में ही बूथ का भूत उतार दिया था और बची कसर 2027 जनता पूरी कर देगी। सिंह ने रविवार को यहां कहा कि सनातन को गाली, धर्मान्तरण और जेहाद का समर्थन के कारण ही उत्तर प्रदेश की जनता ने कई लोगों का बूथ का भूत उतार दिया है और बची खुची कसर जनता 2027 के विधान सभा चुनाव मे पूरा कर देगी। उन्होंने सपा मुखिया का नाम लिए बिना कहा कि इसलिए भूत की चिंता छोड़ दीजिए और इस बात की चिंता करिए कि यह देश रघुपति राघव राजा राम को मानते वाला है। ऐसी विचार धारा वाले देश में सनातन और हिन्दू संतों के खिलाफ जहर उगलने वाले लोगों को देश की जनता जवाब देना जानती है।

यूपीपीसीबी को क्षतिपूर्ति वसूलने का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

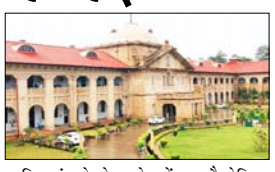

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कहा है कि औद्योगिक इकाइयों पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाने का कोई अधिकार नहीं है।

न्यायालय ने कहा कि यह क्षतिपूर्ति अधिरोपित करने की शक्ति सिर्फ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने यूपीपीसीबी द्वारा औद्योगिक इकाइयों पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाने के आदेशों को रद्द करके याचिकाएं मंजूर कर लीं। प्रदेश के आद्योगिक इकाइयों ने पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाने के आदेशों को चुनौती दी थी। न्यायाधीश एआर मसूदी और न्यायाधीश सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह फैसला 177 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करके दिया है। यह सभी याचिकाएं प्रदेश की अलग-अलग औद्योगिक इकाइयों की ओर से दाखिल की गई थीं। याचिकाओं में पर्यावरण को हानि पहुंचाने के आरोप में इन औद्योगिक इकाइयों पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लगाई गई क्षतिपूर्ति के आदेश को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने फैसले में कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल अधिनियम के तहत सिर्फ ट्रिब्यूनल को ही पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाने करने की शक्ति है। वहीं न्यायालय ने यह भी कहा कि जल प्रदूषण के सम्बंध में राज्य सरकार भी कानून बना सकती है, लेकिन प्रदेश में ऐसा कोई विधान लागू नहीं किया गया है। जबकि असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान त्रिपुरा व पश्चिम बंगाल राज्यों में जल प्रदूषण को लेकर कानून बने हुए हैं।

एएमयू में तिलक लगाकर ऑफिस आने पर आपत्ति

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एक बार फिर धार्मिक भेदभाव का मामला सामने आया है। जेएन मेडिकल कॉलेज में कार्यरत कर्मचारी नेता पंडित आशीष शर्मा ने असिस्टेंट फाइनेंस ऑफिसर समीर मुर्सिल खान पर तिलक लगाने को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। आशीष शर्मा ने फाइनेंस ऑफिसर को तत्काल निलंबित करने की मांग की है और चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। पंडित आशीष शर्मा पिछले सात वर्षों से एएमयू में कार्यरत हैं। इनका आरोप है कि फाइनेंस ऑफिसर समीर मुर्सिल खान द्वारा तिलक लगाने पर लगातार कमेंट किए जा रहे हैं। आशीष शर्मा ने बताया कि वे कहते हैं तुम तो नेता हो, काम कौन करेगा? तिलक लगाकर ऑफिस क्यों आते हो? यह मेरे आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने दावा किया कि धार्मिक प्रतीकों को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, साथ ही वेतनवृद्धि और पदोन्नति में भी भेदभाव हो रहा है। शर्मा ने कहा कि उनके विभाग में बाहरी व्यापारियों से मिलने पर पाबंदी लगा दी गई।

आगरा धर्मांतरण केस: मुक्त हुई सगी बहनों के पिता ने खोले चौंकाने वाले राज

आगरा, वार्ता

- ब्रेन वॉश कर शुरू करते हैं धर्मांतरण की कोशिश

धर्मांतरण गिरोह से मुक्त हुई सगी बहनों के पिता रविवार को मीडिया के सामने आए। उन्होंने कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यूपी पुलिस का धन्यवाद जताया। साथ ही धर्मांतरण गैंग के तरीकों पर भी चौंकाने वाले खुलासे किए।

पिता ने बताया कि मामले की शुरुआत वर्ष 2021 से हुई। बड़ी बेटी पीएचडी की कोचिंग ले रही थी। वहां उसके साथ जम्मू-कश्मीर की युवतियां भी पढ़ने आती थीं। इनमें से एक युवती ने बेटी को धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया। उस युवती ने बेटी की मां से भी फोन पर बात की। पिता ने बताया कि इस दौरान युवती की मंशा थी कि ब्रेनवॉश कर पूरे परिवार का ही धर्मांतरण करा दिया जाए। पिता ने बताया कि धर्मांतरण गिरोह के लोग टारगेट चुनते हैं। इसके बाद इंतजार करते हैं। नाबालिग की जगह बालिग को निशाने पर रखते हैं। इसके लिए गैंग को एक-दो साल का इंतजार करना पड़े तो करते हैं। जैसे ही 18 वर्ष की उम्र पूरी करते हैं, उस टारगेट पर गिरोह के सदस्य काम करना शुरू कर देते हैं। ब्रेन वॉश कर धर्मांतरण की कोशिश शुरू कर देते हैं। पिता ने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने समय रहते बेटियों को मुक्त कराने के लिए यूपी पुलिस की भी प्रशंसा की। पुलिस के अनुसार सदर बाजार स्थित पंजाबी परिवार की बड़ी बेटी एमफिल पास है। वर्ष 2020 में उसकी पहचान जम्मू-कश्मीर के उधमपुर निवासी साइमा उर्फ खुशबू से हुई थी। दोनों में दोस्ती हो गई। साइमा आगरा के लाइफ साइंस से पढ़ाई कर रही थी। वर्ष 2021 में साइमा अपने साथ बड़ी बहन को जम्मू कश्मीर ले गई थी। अचानक लैंड स्लाइड हो गया था। उनकी गाड़ी फंस गई। किसी तरह उन्हें निकाला गया। तब साइमा ने खुद को रिटायर इंस्पेक्टर की बेटी बताया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस की सूचना पर परिजन बेटी को वापस लेकर आए थे। बेटी के घर पहुंचने पर परिवार के लोगों को पता चला कि वह पूजा-पाठ करने से इन्कार कर रही है। वह इस्लाम को मानने लगी थी। वह कई लोगों से फोन पर बातचीत किया करती थी। डाक से उसके पास इस्लाम से संबंधित किताबें आया करती थीं।

पहलगाम से लेकर एसआईआर तक पीएम से मांगेंगे जवाब: गोगोई

संसद में पीएम मोदी को घेरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

- आज से संसद का मानसून सत्र, सर्वदलीय बैठक में बोली कांग्रेस

मानसून सत्र शुरू होने से पहले विपक्षी नेताओं ने बताया कि वह किन मुद्दों को उठाकर सदन में सरकार को घेरेंगे। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार का मुखिया होने के नाते पीएम सदन में उठे सभी सवालों के जवाब देंगे। लोकसभा का मानसून सत्र सोमवार को शुरू होने जा रहा है। इसी को लेकर विपक्षी दल के सभी नेताओं ने सदन में उठाए जाने वाले सवालों की लिस्ट बना ली है।

सर्वदलीय बैठक से पहले कई नेताओं ने मीडिया के सामने उनके द्वारा उठाए जाने वाले सवालों पर चर्चा की। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने मीडिया से कहा कि पिछले कुछ महीनों के महत्वपूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद संसद का सत्र शुरू हो रहा है। हमें उम्मीद है कि पीएम मोदी सदन में जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि जैसा कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने बताया कि पहलगाम हमला सुरक्षा चूक थी, तो सरकार को अपनी चूक पर बात रखनी होगी। गोगोई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय हमने अपनी सेना को समर्थन दिया, यह जरूरी है कि संसद में हम सेना के साथ एकजुट रहें।

गोगोई ने कहा जो बयान अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर बार-बार आ रहे हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने करवाया, वह भारत की गरिमा और सेना के शौर्य पर सवाल उठाता है। चुनाव आयोग को घेरते हुए उन्होंने कहा कि वोट देने का अधिकार हर नागरिक होता है, आज चुनाव आयोग राजनीतिक दलों से ठीक से बात करने में भी हिचकिचा रहे हैं। चुनाव आयोग की तरफ से किसी भी पार्टी को कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया रहा है।

रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल का सरकार पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एक रोजगार मेले में उमड़ी बेरोजगार युवकों की भारी भीड़ को लेकर राजग सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों की फेर में आने वाले नहीं है, बल्कि उन्हें रोजगार की गारंटी चाहिए और यह काम कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन ही कर सकता है। गांधी ने कहा कि बेरा. जगार युवकों यह भीड़ बताती है कि बिहार के काबिल युवाओं के लिए सरकार रोजगार मुहैया नहीं कराई पा रही है। बिहार का युवा भाषण नहीं रोजगार चाहता है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें रोजगार देने में विफल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि महारोज़गार मेला में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ़ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोज़गार से अपना भविष्य चाहता है। भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है।

एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ छेड़ना होगा युद्ध

जम्मू-कश्मीर के एलजी ने किया आह्वान

श्रीनगर, वार्ता

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि एकजुट होकर आतंकवाद, उसके पारिस्थितिकी तंत्र और नशे की लत के खिलाफ युद्ध छेड़ना होगा।

सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करना तथा युवाओं को कट्टरपंथी बनाने, हथियारों की आपूर्ति करने, धन उपलब्ध कराने और आतंकवादियों की सहायता करने के लिए जिम्मेदार पूरे नेटवर्क को नष्ट करना उनका दृढ़ संकल्प है। वह श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा आयोजित 'पेडल थ्रू पैराडाइज' साइकिल रेस-2025 के सम्मान समारोह में शामिल होने के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उपराज्यपाल ने विजेताओं को सम्मानित किया तथा प्रतिभागियों के उत्साह तथा एकता की भावना की सराहना की। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से 5500 से अधिक साइकिल चालकों ने हिस्सा लिया। सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में शांति एवं प्रगति सुनिश्चित करने में जम्मू-कश्मीर के बहादुर पुलिस कर्मियों के बलिदान, समर्पण और वीरता को सलाम किया।

सेंसेक्स 81757.73
निफ्टी 2496840

सोना रु. 98243
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 112700
प्रति किलो

वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई, वार्ता

लगातार तीन सप्ताह की गिरावट के बाद अगले सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने में घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक स्तर पर अमेरिका में स्टेबलकॉइन को लेकर बने नए कानून की अहम भूमिका होगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स' (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए जिसका असर सोमवार को बाजार खुलते ही दिखेगा। खासकर स्टेबलकॉइन जारी करने वालों के लिए शत-प्रतिशत रिजर्व रखने के प्रावधान से डॉलर और अल्पावधि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की मांग बढ़ेगी और ये मजबूत होंगे। इससे विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं।

अमेरिका द्वारा नए टैरिफ को लेकर अंतिम समझौते से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं और उनका यह रुख आगे भी जारी रहने की

संभावना है। सप्ताह के दौरान 21 जुलाई को इटरनल, 23 जुलाई को इंफोसिस और 25 जुलाई को बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज के परिणाम जारी होने हैं। आईडीबीआई, यूको बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा बैंक समेत कई बैंकों के परिणाम भी सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। निवेशकों की नजर सोमवार को जारी होने वाले आठ प्रमुख उद्योगों के आंकड़ों पर भी रहेगी। बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में जहां लगातार तीसरी साप्ताहिक गिरावट रही, वहीं मझौली और छोटी कंपनियों के निवेशक लाभ में रहे। बीएसई का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 मंगलवार और बुधवार को छोड़कर शेष तीन दिन लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 0.90 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट के साथ शुक्रवार को 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 0.72 प्रतिशत लुढ़ककर 24,968.40 अंक पर आ गया। यह दोनों का एक महीने का निचला स्तर है। निफ्टी.100 में 0.53 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी तरफ, मिडकैप और स्मॉलकैप में साप्ताहिक तेजी रही। निफ्टी मिडकैप.50 में 0.99 प्रतिशत का उछाल देखा गया और यह शुक्रवार को 16,645.40 अंक पर रहा। निफ्टी स्मॉलकैप.100 भी 1.04 प्रतिशत की बढ़त में 18,959.65 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने किया 5,939 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जुलाई में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 69.6 करोड़ डॉलर (5,939 करोड़ रुपए) का शुद्ध निवेश किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार महीने के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शेयरों में बिकवाली कर डेट खरीदे। इक्विटी में उन्होंने 64.3 करोड़ डॉलर की बिकवाली की जबकि 134.4 करोड़ डॉलर के डेट की लिवाली की। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में उन्होंने 4.6 करोड़ डॉलर लगाए जबकि हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट से पांच करोड़ डॉलर निकाले। इस महीने की शुरुआत में निवेशकों का रुख सकारात्मक था, हालांकि बाद में वे बिकवाल हो गए, खासकर पिछले सप्ताह। इससे पहले जून में एफपीआई निवेशक बिकवाल रहे थे। उन्होंने शुद्ध रूप से बाजार से 90.4 करोड़ डॉलर निकाले थे। पूरे कैलेंडर वर्ष के दौरान उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार से 682.2 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है।

सोनभद्र के जंगल में यूरेनियम का भंडार?

सोनभद्र। भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग ने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद में यूरेनियम खनिज की खोज शुरू कर दी है। म्योरपुर ब्लॉक के पूर्वी देव हार इलाके के घने चितपहरी जंगल में विभाग की एक टीम द्वारा गुपचुप तरीके से 1100 फीट गहरी खुदाई की जा रही है।

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस खुदाई का उद्देश्य क्षेत्र में यूरेनियम की उपलब्धता की जांच करना है। भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय की वैज्ञानिक टीम काफी समय से सोनभद्र के इस क्षेत्र में भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर रही थी। भू-गर्भीय संकेतों और रॉक सैंपल के परीक्षण में संभावनाएं मिलने के बाद यहां खुदाई का कार्य शुरू किया गया है। चितपहरी गांव के जंगलों में की

- परमाणु ऊर्जा विभाग की टीम ने शुरू की खुदाई

जा रही यह खुदाई पूरी तरह वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। टीम के पास अत्याधुनिक ड्रिलिंग मशीनें और सेंसर लगे यंत्र हैं, जिनकी सहायता से गहराई में मौजूद खनिज तत्वों की पहचान की जा रही है। खुदाई के शुरुआती स्तर पर वैज्ञानिकों को कुछ रेडियोधर्मी तत्वों के संकेत मिले हैं, लेकिन फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि वह शुद्ध यूरेनियम है या उससे जुड़ा कोई अन्य खनिज है। चूंकि खुदाई वन क्षेत्र के अंदर हो रही है, इसलिए वन्यजीवों और पर्यावरण पर असर को लेकर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। खुदाई स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है और आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

क्या है यूरेनियम और इसका महत्व?

यूरेनियम एक अत्यधिक महत्वपूर्ण रेडियोधर्मी खनिज है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से परमाणु ऊर्जा उत्पादन और सैन्य हथियारों में किया जाता है। भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार हैं और इसकी खोज की प्रक्रिया लगातार जारी है। अगर सोनभद्र में इसकी पुष्टि होती है, तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। सोनभद्र जिला पहले से ही अपनी खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध है। यहां बाक्साइट, मैग्नीज, आयरन, सिलिका आदि जैसे खनिज पहले से खनन किए जा रहे हैं। अगर यूरेनियम की पुष्टि होती है, तो यह इस जिले के खनन मानचित्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिला सकता है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

विपक्ष एकसुर.. कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सवालों का जवाब देने के लिए संसद से देश को संबोधित करना चाहिए। उनका कहना था कि सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची का मामला भी उठाया। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने कहा कि उन्हें कहीं अन्यत्र जाना था इसलिए और बैठक बीच में छोड़कर के आए, लेकिन उन्होंने बैठक में पार्टी की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के उन आरोपों पर सरकार का स्पष्टीकरण मांगा जिनमें पांच जेट विमानों को गिराने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि मैंने बिहार में मतदाता पर बुलडोज़र कार्रवाई और अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हमारे पायलटों को दोषी ठहराए जाने का मुद्दा उठाया। बीजू जनता दल के सस्मित पात्रा ने कहा कि ओडिशा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है और राज्य की भाजपा सरकार असहाय और विफल नजर आ रही है। उनका कहना था कि संसद सत्र के दौरान पार्टी इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी। तेलुगु देशम पार्टी के लावु श्रीकृष्ण देवरायलु ने कहा कि संसद के 21 दिन के दौरान सभी दलों को संसद का कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और संसद में कामकाजी घंटों का सही तरीके से उपयोग होना चाहिए।

नैनीताल से... सकेंगा। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस रूट को भौगोलिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टियों से उपयुक्त पाया गया है। प्रशासन जल्द ही तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम के साथ विस्तृत भू-सर्वेक्षण और साइट निरीक्षण शुरू करेगा, ताकि प्रस्ताव को और अधिक मजबूती मिल सके। पर्यटन उद्योग को मिलेगी नई ऊर्जा- यह परियोजना न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि नैनीताल के समूचे पर्यटन उद्योग को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। होटल, टैक्सी, खानपान, हस्तशिल्प और स्थानीय बाजारों से जुड़े व्यवसायों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पर्वतमाला योजना के तहत देशभर में रोपवे निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है और नैनीताल-कैंची धाम रोपवे इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार का एक अत्यंत सराहनीय निर्णय है, जो धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और हर साल कैंची धाम में लगने वाले भीषण जाम से लाखों श्रद्धालुओं को मुक्ति दिलाएगा।प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा नीम करौली महाराज के पावन दर्शनों के लिए कैंची धाम पहुंचते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विद. शी भक्त भी शामिल होते हैं। रोपवे उनके लिए न केवल एक सुविधाजनक माध्यम होगा, बल्कि यह उनके आध्यात्मिक अनुभव को भी और अधिक समृद्ध करेगा। स्थानीय लोगों, व्यापारियों और बाबा के भक्तों के बीच इस खबर को लेकर जबरदस्त उत्साह व्याप्त है। यदि यह परियोजना धरातल पर उतरती है, तो यह उत्तराखंड के धार्मिक पर्यटन के लिए एक ऐतिहासिक पहल साबित होगी। नैनीताल से कैंची धाम तक की यह रोपवे यात्रा निश्चित रूप से लोगों के लिए अध्यात्म और रोमांच का एक अविस्मरणीय संगम बन जाएगी।

बनारस में बरेका ने 2500वें विद्युत रेल इंजन का किया निर्माण

बनारस, वार्ता

- छह हजार एचपी क्षमता है, 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार

बनारस रेल इंजन कारखाने ने 2017 में दो विद्युत इंजन के निर्माण के साथ अपना सफर शुरू किया था और अब इसने 2500वें इंजन बनाने की ऐतिहा. सिक उपलब्धि हासिल कर ली है। कंपनी तकनीकी उत्कृष्टता और नवाचार की रोज नई ऊंचाइयों को छू रही है।

बरेका ने अब तक 10,822 लोकोमोटिव बनाए हैं, जिनमें 7498 डीज़ल इंजन और 2500 विद्युत इंजन शामिल है। इनमें से 641 गैर-रेलवे ग्राहकों के लिए, 174 निर्याातित डीज़ल इंजन, 01 ड्यूल ट्रैक्शन इंजन, 08 कन्वर्जन इंजन शामिल हैं। बरेका ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 472 इलेक्ट्रिक लोको का निर्माण किया है। यह बरेका की उत्पादन क्षमता, दृढ़ इच्छाशक्ति और तकनीकी सामर्थ्य को दर्शाता है। बरेका द्वारा निर्मित 2500वां विद्युत इंजन आधुनिक तकनीक से लैस डब्ल्यूएपी-7 श्रेणी का है, जिसमें 6000 एचपी क्षमता, वातानुकूलित कैब, रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग और 140 किलोमीटर/घंटा की रफ्तार की क्षमता है। यह इंजन दक्षिण- पश्चिम रेलवे के कृष्णराजपुरम शेड को भेजा जा रहा है। बरेका के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने 2500 वें लोकोमोटिव का लोकार्पण मीडिया की टीम की मौजूदगी में किया। कार्यक्रम की शुरुआत 'हॉल ऑफ फेम' में एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण से हुई, जिसमें बरेका के निर्माण इतिहास, निर्यात उपलब्धियों, स्वदेशीकरण, हरित ऊर्जा प्रयासों एवं तकनीकी नवाचारों को रेखांकित किया गया। इसके बाद रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने मीडिया टीम के साथ बरेका का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी परिषद् सदस्य और काफी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। शेष आठ इंजनों की आपूर्ति दिसंबर 2025 तक की जाएगी। बरेका मोज़ाम्बिक, तंजा. निया, वियतनाम, म्यांमार, माली, अंगोला, बंगलादेश, श्रीलंका, मलेशिया, नेपाल और सूडान डीजल इंजन की आपूर्ति करता है। गौरतलब है कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने अप्रैल 1956 में इस कारखाने का शिलान्यास किया था।

सावन के दूसरे सोमवार को आज होगा शिव का जलाभिषेक

पुलिस प्रशासन की रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। भगवान शिव की भक्ति को समर्पित पवित्र सावन माह में आज दूसरे सोमवार को कांवड़िए और स्थानीय भक्त भगवान शिव को जलाभिषेक करके अपनी मनोकामनाएं मांगेंगे। मंदिरों पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। रविवार को डाक कांवड़ो की भी काफी संख्या देखने को मिली।

बता दें कि गजरौला क्षेत्र में चाकीखेड़ा स्थित भगवान शिव के प्राचीन चाकेश्वर मंदिर है। यहां पर सबसे ज्यादा भक्त पूजा अर्चना के लिये पहुंचते हैं। वहीं 23 जुलाई को सावन माह की शिव. रात्रि है, इस अवसर पर भी भक्तों की काफी भीड़ देखने को मिलेगी। वहीं रविवार को पैदल चलने वाले कांवड़ियों सहित डाक

आस्था

कांवड़िए और स्थानीय लोग करेंगे भगवान शिव की पूजा

कांवड़े भी काफी संख्या में नगर से होकर गुजरीं। धनौरा बिजनौर मार्ग पर कांवड़ियों की संख्या अधिक होने के कारण बुधवार की शाम से ही जीरो ट्रैफिक चल रहा है। वहीं हाईवे पर शुक्रवार से भारी वाहनों का डायवर्जन करने के बाद शनिवार से एक लेन पर कांवड़िए और दूसरी लेन पर छोटे वाहन चलाए जा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने सावन के दूसरे सोमवार पर होने वाले जलाभिषेक के द्रष्टिगत मंदिरों पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। शहर के साथ साथ देहात के मंदिरों पर भी बीट आरक्षी भ्रमण करेंगे। सभी हल्का प्रभारियों व बीट आरक्षियों को इस बाबत दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। चाकेश्वर मंदिर के महंत लवकुश गिरि ने बताया कि सावन माह को भगवान शिव की पूजा अर्चना के लिये विशेष माह माना जाता है। चाक. `श्वर मंदिर पर सोमवार को तड़के से ही भगवान शिव का जलाभिषेक प्रारंभ हो जाएगा।

गजरौला। भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए हरिद्वार से जल भरकर लाते कांवरिये।

पुष्प वर्षा सेकिया कांवड़ियों का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता, नौगावां सादात। रविवार को नौगांवां सादात विधानसभा के भाजपा मंडलाध्यक्ष अमित शर्मा ने हरिद्वार से जल लेकर आ रहे कांवड़ियों का जोरदार स्वागत किया और उनको फल, फ्रूटी आदि भेंट कर उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान भगवान शिव के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजित हो उठा। उन्होंने बताया कि वे हर वर्ष कांवड़ियों की सेवा के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। इस मौके पर मंडलाध्यक्ष के साथ-साथ पूर्व मंडलाध्यक्ष सुभाष त्यागी, मंडल महामंत्री अजब सिंह चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर, मंडल उपाध्यक्ष परम सिंह सैनी, योगेंद्र त्यागी, वीर सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पालकी में दादी, कंधों पर धर्म और दिल में भोलेनाथ!

जब आस्था ने रिश्तों का थामा हाथ, 235 किलोमीटर की सेवा-भक्ति की मिसाल

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा को यूं तो भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति का पर्व माना जाता है, लेकिन इस बार उत्तर प्रदेश के हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र से जो दृश्य सामने आया, उसने इस यात्रा को मानवीय रिश्तों और सेवा भाव की नई ऊंचाई दे दी। गढ़मुक्तेश्वर के गांव आलमनगर के रहने वाले सात शिवभक्तख़ासोनू, अनुराग, अजय, अमित, रविन्द्र, अर्जुन और उनका भांजा अंशख़ने इस बार अपनी कांवड़ यात्रा को विशेष बना दिया। उन्होंने अपनी 93 वर्षीय दादी 'गौ मां' को कांवड़ यात्रा में पालकी में बैठाकर

शामिल किया, और इस नजारे ने हर देखने वाले का दिल छू लिया।

इन श्रद्धालुओं ने 14 जुलाई को हरिद्वार से गंगाजल उठाया। सबसे पहले वे अपनी वृद्ध दादी को हर की पौड़ी ले गए, जहां उन्हें गंगा स्नान कराया गया और प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए गए। इसके बाद पोते और भांजे ने मिलकर एक पालकी तैयार की, जिसके एक ओर पवित्र गंगाजल रखा गया और दूसरी ओर दादी गौ मां को बैठाया गया। इस अनूठे संतुलन के साथ वे अपनी 235 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा पर निकले। इस दृश्य ने जहां भी ये शिवभक्त पहुंचे, वहीं लोगों की आंखें नम हो गईं और श्रद्धा से सर झुक गया। 93 वर्ष की आयु में तीर्थ यात्रा का सौभाग्य पाने वाली गौ मां ने भावुक होकर कहा, "मेरे पोतों ने जो किया, वह आज के समय में कोई सोच भी नहीं सकता। इस उम्र में उन्होंने मुझे गंगा स्नान कराया, तीर्थ दर्शन कराए और अब कांवड़ यात्रा में मुझे अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं। भगवान सभी को ऐसे पोते दे।" गौ मां के ये शब्द न केवल पोतों के लिए आशीर्वाद थे, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा भी बन गए।

अमरोहा में भी देखे गये ड्रोन, दहशत

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। लोगों में दहशत का केंद्र बना ड्रोन शनिवार रात भी देखे जाने का दावा किया गया है। रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव हाफिजपुर, सदरपुर, धनौरी, रझौहा व शकरपुर के ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने आसमान में ड्रोन उड़ता देखा है। लोग रात को पहरा दे रहे हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के साथ ही अब ड्रोन की दहशत नगर क्षेत्र में भी है। शनिवार रात को मुहल्ला कोट के लोगों ने ड्रोन देखने का दावा किया है। लगभग 12 बजे यह ड्रोन लगभग तीन मिनट आसमान में उड़ता दिखाई दिया। उसके बाद ऊंचाई पर चले जाने के कारण लापता हो गया था। वहीं पुलिस भी लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। लोगों को समझा कर अफहावों पर ध्यान न देने की अपील की जा रही है।

त्रिशूल-डमरू से दमक उठे विद्युत पोल

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। कांवड़ियों के लिये पर्याप्त सुविधाओं आदि के लिये नगर पालिका के ईओ ललित कुमार आर्य ने शहर में भ्रमण करके कर्मचारियों को शौचालयों की स्वच्छता, जल व प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए, वहीं नगर में त्रिशूल व डमरू लगाकर विद्युत पोलों को सजाया गया। डीएम के निर्देशों का अनुपालन में ईओ ने नगर में स्थित सार्वजनिक शौचालयों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कांवड़ियों की बढ़ते आगमन और उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शौचालयों की स्वच्छता, जल व्यवस्था और प्रकाश की उपलब्धता हर हाल में दुरुस्त होनी चाहिए। ईओ ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का पर्व है, इसमें कोई भी श्रद्धालु असुविधा का शिकार न हो। ईओ ने

प्रयास

कांवड़ यात्रा को लेकर ईओ ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

कहा कि नगर को शिवमय रूप से सजाने के लिये एलईडी युक्त त्रिशुल व डमरू लगाए गए हैं। इस अवसर पर लिपिक ललित कुमार, मैट महेश, कर्मचारी बीरपाल, निशांत, महेश, पीतम सिंह आदि मौजूद रहे।

अवैध हॉस्पिटल संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ.शरद कुमार ने अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटल संचालक के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है।

जानकारी के अनुसार नोडल अधिकारी डॉ.शरद कुमार ने टीम सहित गजरौला हाइवे पर कांकाठेर के पास स्थित श्री हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान एक महिला व दो पुरूष उपचाराधीन थे। इन मरीजों का उपचार सर्जरी/एलोपैथी पद्धति से किया जा रहा था परन्तु मौके पर कोई भी अधिकृत सर्जन व एलोपैथिक उपस्थित नहीं था। अस्पताल में नौ बेड और ओटी आदि संचालित था। यहां पर मिले संचालक देवेन्द्र पुत्र चन्दर सिंह से जब उसके अभिलेख मांगे गए मगर संचालक ने कोई मानक अनुरूप अभिलेख नहीं प्रस्तुत किए। जिसके बाद नोडल अधिकारी ने अस्पताल पर सीज की कार्रवाई की, 19 जुलाई को संचालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के लिये तहरीर दी। पुलिस ने देवेन्द्र के विरूद्ध संबधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

कॉलोनी के सुरक्षा गार्ड के पैर में खुद से लगी गोली

घटना

पुलिस ने गार्ड से की पूछताछ, सीएचसी से हॉयर सेंटर रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। एक आवासीय कॉलोनी में निजी सिक्योरिटी गार्ड के पैर में खुद से गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। कॉलोनी के लोगों ने गार्ड को उपचार के लिये सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने यहां पहुंचकर गार्ड से पूछताछ की। वहीं घायल गार्ड को बेहतर उपचार के लिये हॉयर सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना

क्षेत्र चौपला चौकी क्षेत्र में आशियाना कॉलोनी का है। जहां रविवार सुबह 03:50 बजे यहां कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड नरेंद्र पुत्र रामपाल निवासी जानसठ जिला मुजफ्फरनगर कॉलोनी परिसर में राउंड पर था, उसी समय उसके पैर में गोली लग गई। आनन फानन में उसे कॉलोनी के लोग सीएचसी ले गए। जहां गार्ड ने बताया कि उसके तमंचे से ही उसे खुद की गोली लगी है। स्थानीय चिकित्सक ने उसे हॉयर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं सीओ अंजली कटारिया ने बताया कि निजी सुरक्षा गार्ड के गोली लगने की सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। जांच में सामने आया कि गार्ड सुरक्षा के मद्देनजर अपने पास एक तमंचा रखता था। उसी तमंचे से उसकी गलती से उसे गोली लग गई, फिलहाल उसका उपचार चल रहा है। उपचार के बाद गार्ड के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

एक नजर

परवेज ने किया स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो, अमरोहा। पूर्व एमएलसी परवेज अली ने नगर के मौ0 सराय कोहना में समीर फाउण्डेशन के तत्वाधान में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। पूर्व एमएलसी ने फाउण्डेशन के पदाधिकारियों द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की। कहा कि लोगों की सेवा करने से बड़ा कोई परोपकार नहीं है। हमें हमेशा गरीब, कमजोरों व जरूरतमंदो की सेवा के लिये तैयार रहना चाहिए। इस मौके पर डॉ.समीर अहमद, डॉ.इरशाद अहमद, डॉ.मेहरबान अली, डॉ. मौ. शाकिर, डॉ.जाबिर हुसैन, जुनैद आलम आदि मौजूद रहे।

प्रधान ने ग्राम पंचायत की जमीन पर कर दी प्लाटिंग

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। ग्रामीणों ने प्रधान व 2 अन्य माफियाओं पर ग्राम पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग किये जाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से शिकायत की है। रविवार को ब्लाक जोया की ग्राम पंचायत डिडोली के ग्रामीणों ने उप जिला अधिकारी को पत्र देकर कहा है कि गांव की ग्राम पंचायत की भूमि पर ग्राम प्रधान व उसके तो अन्य माफिया साथियों ने कब्जा कर उस पर प्लाटिंग करनी शुरू कर दी है। अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने एसडीएम से जांच करा कर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र पर चंद्रशेखर सोनू बृजपाल सिंह रतन सिंह परम सिंह रणजीत सिंह मनोज कुमार कमल सिंह पप्पू सिंह हरकेश आदि के हस्ताक्षर से थे

मन्दिर के दानपात्र से चोरी करने वाला पकड़ा

तीन सौ कैमरों की जांच से आया पकड़ में

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। मंदिर में देव प्रतिमाओं के आगे हाथ जोड़कर दानपात्र चोरी करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से दो हजार रुपये के अलावा घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन बरामद हुआ है। नशा का शौक पूरा करने के लिए उसने दोस्त के साथ मिलकर मंदिर से दानपात्र चोरी किया था। आरोपी युवक की पहचान के लिए पुलिस को लगभग 300 कैमरों की फुटेज खंगालनी पड़ी। आरोपी का एक साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

जानकारी के मुताबिक अमरोहा देहात थाना क्षेत्र में अतरासी मार्ग पर गांव इमली वाली मढैय्या में श्रीहनुमान मंदिर स्थित है। रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। बीती 16 जुलाई की दोपहर मंदिर में पहुंचे युवक ने पहले हाथ जोड़कर पूजा की थी। इसके बाद मौका मिलते ही वह मंदिर परिसर में रखा दान पात्र चोरी कर बाहर पहले से मौजूद अपने साथी की बाइक पर बैठकर फरार हो गया था। ये पूरी वारदात मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस तभी से आरोपी युवकों

की पहचान का प्रयास कर रही थी। सीओ अवधभान भदौरिया ने बताया कि चोरी का खुलासा करने में लगभग 300 कैमरों की फुटेज खंगाली गई। आरोपी का चेहरे का मिलान करते हुए संदिग्ध बाइक को भी ट्रेस किया गया। इसके बाद रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव फरीदपुर निवासी मनोज की गिरफ्तारी की गई। पूछताछ के दौरान मनोज ने मंदिर से दानपात्र चोरी करने की घटना स्वीकार कर ली। फरार साथी मुरादाबाद जिले के छजलैट थाना क्षेत्र के गांव रमपुरा निवासी सतेंद्र है। उसकी तलाश की जा रही है। रविवार को आरोपी मनोज को अदालत में पेश किया गया था, रिमांड मंजूर होने पर जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।उसके कब्जे से दो हजार रुपये व एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पूछताछ में सामने आया है कि मनोज व सतेंद्र को नशा करने की लत है, अपना इसी शौक को पूरा करने के लिए दोनों चोरी की घटनाएं अंजाम दे रहे थे।

बाइक की टक्कर से शिवभक्त घायल

हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। गजरौला मार्ग पर रविवार की शाम उस समय अफरा तफरी मच गई जब बृजघाट से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे शिवभक्त के बाइक सवार ने टक्कर मार कर घायल कर दिया। घायल शिव भक्त को उपचार के लिए नगर के एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जनपद संभल के गांव सैदपुर मूंगा निवासी प्रीत पुत्र नरदेव सिंह अपने साथियों के साथ गंगा धाम बृजघाट से जल लेकर अपनी मंजिल की ओर जा रहा था। जैसे ही वह गांव दीपपुर गेट के निकट पहुंचा तो एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे शिव भक्त प्रीत गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिव भक्त को निजी चिकित्सक के यहां उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां शिव भक्त की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। वही बाइक सवार जुनेद पुत्र खालिद निवासी गांव सिहाली जागीर घायल हो गया। जिसकी हालत गंभीर होने पर उसे भी रेफर कर दिया गया। क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह ने बताया कि बाइक की टक्कर से एक शिव भक्त घायल हो गया है। उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है

विवाहिता की तहरीर पर चार पर मुकदमा

कोर्ट मैरिज के बाद पीटकर घर से निकाला

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। युवक ने युवती को बहला फुसला कर उसके साथ कोर्ट मैरिज कर ली। उसके बाद उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने 4 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

थाना सैद नगली क्षेत्र के गांव ढक्का के मोहल्ला कुरैशीयान निवासी जीनत पुत्री साबिर को जनपद सम्भल के गांव सिसोना थाना एचोड़ा कम्बोह निवासी रईस पुत्र जहीर उसे घर से बहला फुसलाकर उसे घर ले गया तथा उसके साथ कोर्ट मैरिज की थी। 10 माह बाद उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। उसने जब मुकदमा दर्ज कराया तो ससुराल पक्ष के लोग उसके मायके आ गये तथा उसके साथ गाली गलोच करते हुए हाथ में चाकू मार कर उसे घायल कर दिया था। पुलिस ने जीनत की तहरीर पर पति रईस पुत्र साबिर, सद्दाम पुत्र भूरा, अकील प्रधान पुत्र खलील प्रधान, मोहसिन पुत्र तहजीब के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाकियू ने किया स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

हाईटेंशन की तार ऊंचे करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। भारतीय किसान यूनियन असली ने स्मार्ट मीटर लगाये जाने पर सवाल खड़े करते हुए नीचे लटके हाईटेंशन लाइन के तारों को ऊपर करके लगाये जाने की मांग की है।

रविवार को मंडी समिति के प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन असली की मासिक पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष चौधरी समरपाल सिंह ने कहा कि घरेलू कनेक्शन पर जो स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं उनको लगाये जाने से रोका जाये। उपभोक्ताओं को इससे काफी नुकसान हो रहा है। भाकियू इसे किसी भी कीमत बर्दाश्त नहीं करेगी। क्षेत्र में जहां-जहां हाई टेंशन लाइन के तार जमीन से 7 फीट की ऊंचाई पर है। उनको ठीक किया जाये। उन्होंने कहा कि गांव ईशापुर में किसानों की जान नीचे तार होने के कारण जोखिम में है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में में जो अशांति फैली हुई है कि ड्रोन कैमरे आसमान में घूम रहे हैं। और चोर

इसका संचालन कर रहे हैं यह हकीकत है या अफवाह है। इस पर प्रशासन गंभीरता से ध्यान दें। उन्होंने कहा कि बैंकों में काफी समय से अधिकारी एंट्री नहीं कर रहे हैं। किसानों को इससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैंकों में एंट्री व्यवस्था तुरंत चालू कराई जाये। उन्होंने कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं हैं उनका जल्द समाधान किया जाये। इस अवसर पर चौधरी समरपाल सिंह, शराफत अली, परम सिंह, अलीमुद्दीन, मुस्तकीम सैफी, गुलशेर, रणवीर सिंह, अबरार अली, नरेश, भूकन, कुलदीप आदि मौजूद थे।

ससुरालियों ने विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

पति समेत दो के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। मायके से दहेज लाने की खातिर विवाहिता को सुसरालियों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। महिला के ननदोईयों ने छेड़छाड़ कर अश्लील हरकतें भी की है। पुलिस ने दो अज्ञात समेत 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

नगर के मोहल्ला कायस्थान निवासी रियाज अहमद ने अपनी बेटी आलिया की शादी 11 जून 2025 को क्षेत्र के ही गांव हैबतपुर बंजारा निवासी राशिद पुत्र इमामी के साथ अपनी हैसियत से अधिक दान दहेज देकर की थी। रियाज ने अपनी बेटी की शादी में करीब 5 लाख रूपये खर्च किये थे। कुछ दिनों तक तो पति-पत्नी के बीच मामला ठीक-ठाक चलता रहा। लेकिन उसके बाद पति व ससुराल के लोग दहेज लाने के लिए आलिया को प्रताड़ित करने लगे। ससुराल पक्ष के लोग दहेज में मोटर साइकिल व 5 लाख नगद लाने की डिमांड करने लगे। विवा. हिता ने जब अपने पिता की हैसियत का वास्ता देकर समझाने का प्रयास किया तो आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ बुरी तरह से मारपीट करते हुए उसे धक्के देकर घर से बाहर निकाल दिया। आरोप है 6 जुलाई को सुसराल पक्ष के लोगों ने धारदार हथियार व पिस्टल दिखाते हुए जान से मारने के इरादा किया। उसके बाद वह उसके साथ मारपीट करने लगे। जिससे विवाहिता की यादाश्त कम हो चुकी है। पति राशिद के दो बहनोईयों ने उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए छेड़छाड़ भी की। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर आलिया की तहरीर पर पुलिस ने पति राशिद पुत्र इमामी, ससुर इमामी, सास फरीदा, देवर जाहिद, ननद फिरदौस व अफरोज व राशिद के दो बहनोईयों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुक. दमा दर्ज कर लिया है।

जनसमस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट घेरेगी कांग्रेस

शाह टाइम्स ब्यूरो,

अमरोहा। जिला कांग्रेस कमेटी अमरोहा के नौगावां सादात एवं अमरोहा विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों की संगठन सृजन अभियान की समीक्षा बैठक अमरोहा कैलसा बॉर्डर रोड पर स्थित एक विद्यालय में की गई। बैठक में

राजनीति

● प्रदेश सरकार पर किसान व जन विरोधी होने का आरोप

आगामी 22 जुलाई को जन समस्याओं के समाधान हेतु जिला कलेक्ट्रेट पर होने वाले विरोध प्रदर्शन की रणनीति भी तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के अमरोहा जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने कहा आने वाली 22 जुलाई को जन समस्याओं के समाधान के हेतु कांग्रेस पार्टी जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करेगी। कहा कि शासन और प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान हेतु गंभीर नहीं है। किसानों को यूरिया खाद नहीं मिल रही है, इस समय किसान को सबसे अधिक फसल के लिए यूरिया खाद की आवश्यकता है। कई कई घंटे बरसात में खड़े होने के बावजूद भी यूरिया खाद नहीं मिल रही है, इतना ही नहीं पर्याप्त मात्रा में बिजली नहीं आ रही है, सड़के टूटी हुईं है, आवारा पशुओं की समस्या भयंकर है। कानून व्यवस्था चौपट है और चोरों का आतंक है। मनरेगा मजदूरों को मनरेगा में काम नहीं मिल रहा है, और यदि काम मिल रहा है तो काम करने के बाद मजदूरी नहीं मिल रही है।बैठक में सर्वसम्मति से जिले में चल रहे संगठन सृजन अभियान की निगरानी समिति का गठन भी किया गया। निगरानी समिति के लिए वरिष्ठ नेता हाजी खुर्शीद अनवर, तारिक मोहम्मद खान, चौधरी सुखराज सिंह, मोमराज सिंह पवार, हरि सिंह मौर्य, अफसर अली वारसी, फैज आलम राईनी, अली इमाम रिजवी, फिरोज कमाल अब्बासी, डॉ.सिरा. जुद्दीन हाशमी, इंद्रपाल सिंह, डॉक्टर महेंद्र प्रताप शर्मा आदि को चुना गया। बैठक का संचालन राजकुमार अरूण ने किया।

रातों को जागकर पहरा दे रहे ग्रामीण

रात में ड्रोन उड़ने से लोगों में भय

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। आसमान में ड्रोन उड़ाकर निगरानी करने के बाद चोरी होने के डर से लोग रातों को जाग कर पहरा देकर घरों की रखवाली कर रहे हैं।

हसनपुर सर्किट क्षेत्र में इन दोनों ग्रामीण क्षेत्र के लोग भारी दहशत में है। दर्जनों गांवों में लोग रातों को जाकर पहरा दे रहे है। कई गांवों के ग्रामीणों का कहना है कि उनके गांव में आसमान में ड्रोन उड़ाये जा रहे हैं। ग्रामीणों का तर्क है कि ड्रोन उड़ाने वाला गिरोह यह देखता है कि कहा कौन जाग रहा है। किस घर के लोग छतों पर सो रहे है। ग्रामीण क्षेत्र के अलावा अब हसनपुर शहर में भी लोग आसमान में रात के समय ड्रोन उड़ाये जाने की बात कर रहे हैं। रात के समय आसमान में ड्रोन उड़ाये जाने को लेकर लोगों में दहशत फैली हुई है। लोग रातों को जाकर पहरा दे रहे है। लोग सोशल मीडिया पर भी ड्रोन के बारे में प्रचार प्रसार करने में लगे हुए हैं। नगर के मोहल्ला होली वाला, रहरा रोड, चामुंडा रोड के आलावा गांव करनपुर माफी, ढवारसी, सोहत, चंदनपुर समेत अन्य गांवों में भी आसमान में उड़ते हुए ड्रोन को देखे जाने का लोग दावा कर रहे हैं। जब के पुलिस इसे अफवाह मानकर चल रही है।

एक नजर

बीड़ी खरीदने जा रहे युवक पर हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। बीड़ी का बंडल खरीदने जा रहे युवक को घेरकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव ककराली की है। यहां रहने वाला राशिद शनिवार रात करीब नौ बजे गांव में ही दुकान से बीड़ी का बंडल खरीदने जा रहा था। आरोप है कि यामीन के घर के आगे से निकलते समय उसके बेटे वसीम व नदीम बेवजह गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने पिता यामीन के साथ मिलकर राशिद से मारपीट कर दी। हमले में वह गंभीर घायल हो गया। शोर सुनकर लोगों को जमा होते देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटें: सरजीत

शाह टाइम्स संवाददाता अमरोहा। रालोद के मंडल अध्यक्ष सरजीत सिंह ने कार्यकर्ताओं से पंचायत चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया। जोया ब्लाक के गांव गफ्फारपुर में पार्टी के सदस्यता अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रम में बोलते रालोद के मंडल अध्यक्ष सरजीत सिंह ने कहा कि पंचायत चुनाव अगले साल प्रस्तावित हैं। इस बार पार्टी जिला पंचायत के चुनाव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह चुनाव की तैयारी में जुट जाये। रालोद एक ऐसी पार्टी है जो हमेशा किसानों के हितों की लड़ाई लड़ती है। बाकी दल केवल किसानों का वोट लेने का काम करते हैं। बैठक में नेमपाल सिंह, राजीव सिंह, पतराम सिंह, मायाराम सिंह, ऋषिपाल सिंह, शोभित कुमार, सरदार राजवीर सिंह, बलवीर शर्मा, अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

आम की लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। वन विभाग ने मुखबिर की सूचना पर अवैध रूप से काटी गई आम की लकड़ी से लदी ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ लिया। वन विभाग मुक. दमा लिखे जाने की तैयारी कर रहा था। रविवार की सुबह वन विभाग ने मुखबिर की सूचना पर गांव बावनखेड़ी में छापा मार कर अवैध रूप से काटी गई आम की लकड़ी से भरे ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ लिया। चालक टीम को देखकर ट्रैक्टर ट्राली को छोड़कर मौके से फरार हो गया। हसनपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आम के हरे-भरे बागों को वन विभाग की बिना अनुमति के रातों रात काटा जा रहा है। हरियाली को तहस नहस करने वाले माफिया चंद रूपयों के लालच में हरियाली को मैदान में तब्दील कर रहे हैं। वन क्षेत्राधिकारी नरेश कुमार ने बताया सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने आम की लकड़ी से लदी ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा है। जांच की जा रही है आम की लकड़ी किसकी है। वन विभाग कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

धूमधाम से मनेगा शिक्षक दिवस का कार्यक्रम

शाह टाइम्सब्यूरो,

अमरोहा। मान्यता प्राप्त विद्यालय प्रबंधक समिति की बैठक में आगामी 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस का कार्यक्रम उल्लास के

■ मान्यता प्राप्त विद्यालय प्रबंधक समिति की बैठक हुई

साथ मनाएजाने को लेकर विचार विमर्श किया गया।

रविवार को बैठक का आयोजन नगर के मुरादाबादी गेट स्थित तैयब जूनियर हाई स्कूल में हुआ। समिति के सदर कमर नकवी ने कहा कि, संगठन को मजबूत करने की बात कहते हुए 05 सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों ने उनके इस प्रस्ताव का समर्थन किया। श्री नकवी ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा प्रबंधक इस कार्यक्रम से जुड़ें। कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में 05 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वह भारत के दूसरे राष्ट्रपति और एक महान शिक्षक थे। यह दिन शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान को पहचानने और सराहना का द्योतक है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री इकबाल हैदर, निरंजन सिंह, आसिम सिद्दीकी, शाहजेब उद्दीन, फराज सिद्दीकी, परवेज सिद्दीकी, राकेश मनारिया, सैफ सिद्दीकी, नईम उद्दीन, कमर आलम, समर अयाज, आबाद अहमद, दिनेश यादव मौजूद रहे।

संगठन के दम पर सपा बनाएगी सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हसनपुर। कांठ विधायक एवं सपा राष्ट्रीय सचिव कमाल अख्तर ने कहा कि इस बार पार्टी संगठन के दम पर प्रदेश की सत्ता पर काबिज होगी।

रविवार को पूर्व मंत्री कमाल अख्तर ने लियाकत अंसारी को सपा अल्पसंख्यक सभा का जिला सचिव व खालिद अंसारी को हसनपुर के नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपते उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान श्री अख्तर ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकारों से तंग आ चुकी है। भाजपा राज में विकास पूरी तरह ठप हो गया है। धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ाया जा रहा है। रोजगार न मिलने से लोग आत्महत्या करने को मजबूर हैं। 2027 में पार्टी संगठन

खालिद अंसारी बने हसनपुर को नगर अध्यक्ष

के दम पर सत्ता पर काबिज होगी। इस मौके पर आरिफ अख्तर, युसुफ कुरैशी, विक्की अब्बास, इकबाल हामिद, शुऐब चौधरी, मोहसिन अंसारी, चुन्नू अंसारी आदि मौजूद रहे।

पुलिस से हाथापाई, युवक का शांतिभंग में चालान!

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, खाकी के इकबाल को चुनौती

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। सोशल मीडिया पर एक वीडियो ने तहलका मचा दिया है, जिसमें मोहल्ला महादेव की एक गली में दो वर्दीधारी पुलिस कर्मियों के सामने एक युवक खुलेआम गाली-गलौच और हाथापाई करता नजर आ रहा है। करीब 45 सेकंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक पहले पुलिसकर्मियों से बहस करता है और फिर अचानक एक वर्दीधारी से हाथापाई पर उतर आता है, जबकि दूसरा पुलिसकर्मी तमाशबीन बना खड़ा रहता है। सबसे हैरानी की बात यह रही कि दोनों पुलिसकर्मी इस पूरे घटनाक्रम में न तो कोई सख्ती दिखाते हैं, न ही प्रतिरोध करते हैं, बल्कि मूकदर्शक बने रहते हैं।

वीडियो के वायरल होते ही आमजन में पुलिस की निष्क्रियता को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आम जनता जरा सी भी लापरवाही करे तो पुलिस तुरंत सख्ती दिखाती है, लेकिन जब कोई खाकी की मर्यादा को सरेआम रौंद दे, तब भी पुलिस सिर्फ तमाशा देखती रहे ख यह बेहद शर्मनाक है। कई लोगों ने सवाल उठाए कि क्या खाकी का डर अब खत्म हो चुका है, या पुलिस की नई कार्यशैली में सब्र ही सबसे बड़ा हथियार बना दिया गया है? हालांकि, मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक का मात्र शांति भंग में चालान किया है, जो पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए बेहद हल्की कार्रवाई मानी जा रही है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक पुलिस पर इस तरह क्यों भड़का और पुलिसकर्मियों ने प्रतिक. ार क्यों नहीं किया। चर्चा है कि युवक नशे की हालत में था, लेकिन सवाल ये भी उठता है कि नशे में होने का मतलब यह तो नहीं कि कोई कानून से ऊपर हो जाए? फिलहाल मामला जांच के दायरे में बताया जा रहा है, मगर जिस तरह से पुलिसकर्मियों ने खाकी की गरिमा को बिना किसी प्रतिरोध के लुटने दिया, उसने पुलिस की साख और सख्ती दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमजन भी अब सोचने को मजबूर हैंख़जब वर्दीधारी ही खुद को नहीं बचा पा रहे, तो जनता किससे सुरक्षा की उम्मीद करे? इस पूरे मामले में सीओ अंजलि कटारिया से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नही हो सका

सावन में धनौरा बना शिवधाम, खम्भों पर दमक रहा डमरू

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। सावन की शुरूआत के साथ ही पूरा नगर शिवमय हो उठा है। कांवड़ यात्रा की रौनक के बीच नगर पालिका ने इस बार धार्मिक आस्था को तकनीक के साथ जोड़ते हुए एक अनोखी पहल की है। नगर के प्रमुख मार्गों पर लगे विद्युत पोल अब साधारण नहीं रहे, ये त्रिशूल और डमरू से सुसज्जित होकर हर शाम शिवभक्ति की रोशनी से दमक रहे हैं। जैसे ही सूरज ढलता है, एलईडी लाइटों से सजे ये खंभे 'हर-हर महाद. व' की भावना को जीवंत कर देते हैं।

नगर पालिका द्वारा लगाए गए ये विशेष प्रकाश संयोजन सिर्फ एक सजावट नहीं, बल्कि श्रद्धा, सांस्कृतिक गरिमा और आधुनिकता का सुंदर संगम हैं। इन विद्युत पोलों पर सजे त्रिशूल और डमरू सावन में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को एक दिव्य अनुभूति प्रदान कर रहे हैं। रात के समय जब ये एलईडी लाइटें जलती हैं तो लगता है जैसे शिव स्वयं अपने वाहन नंदी पर नगर भ्रमण कर रहे हों।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने बताया, हमारा प्रयास यही है कि धनौरा में आने वाला हर शिवभक्त एक दिव्य वातावरण में श्रद्धा से ओतप्रोत अनुभव करे। शिव की महिमा को नगर के कण-कण में महसूस किया जा सके, यही उद्देश्य लेकर विद्युत पोलों पर त्रिशूल और डमरू की सजावट करवाई गई है। यह सौंदर्यीकरण हमारे नगर की पहचान भी बनेगा।" अधिशासी अधिकारी अवधेश वर्मा ने बताया, श्रद्धालुओं की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सफाई, शुद्ध जल और रात के समय पर्याप्त रोशनी के लिए सभी कर्मचारियों को अलर्ट किया गया है। हमने शिवभक्तों के स्वागत में कोई कमी नहीं छोड़ी है। डमरू-त्रिशूल की एलईडी सजावट से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया है। इस अलौकिक साज-सज्जा को देखकर स्थानीय लोग ही नहीं, कांवड़िए भी भावविभोर हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इन शिवमय विद्युत पोलों की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और नगर पालिका की इस सराहनीय पहल की खूब तारीफ हो रही है। सावन में धनौरा अब सिर्फ एक नगर नहीं, एक जीवंत शिवधाम का अनुभव बन गया है ख़ जहां हर मोड़ पर त्रिशूल चमकता है, और हर दिल से 'बोल बम' की गूंज सुनाई देती है।

हादसों को दावत दे रहें कांवड़ मार्ग पर लटके एलटी के तार

सरधना। पुरा महादेव मंदिर जल चढ़ाने जा रहे शिवभक्तों को हादसे के जद से होकर गुजरना पड़ रहा है, मगर बिजली विभाग का इस तरफ ध्यान नही जा रहा है। जिससे लोगों में काफी गुस्सा फैला हुआ है।

सरधना ईकड़ी मार्ग से होकर हर वर्ष शिवभक्त पुरा महादेव मंदिर पर जल चढ़ाने के लिए जाते है, जिनके लिए गांव- गांव में शिविरों का आयोजन किया जाता है। नानू बिजली घर से संचालित इस मार्ग समेत दर्जनों गांवों की बिजली आपूर्ति चालू होती है। कई लोगों करीब एक माह पूर्व लटके हुए एलटी के तारों के बारे में सूचना दी थी।

जानी थाना प्रभारी ने शिव भक्तों को पिलाई शिकंजी

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर कांवड़ियों का आगमन तेज हो गया है। जेसे ही शिवभक्त अपनी मंजिल के करीब है वेसे ही कांवड़ मार्ग भरभराकर चल रहा है। वहीं जानी थाना प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह राठौर ने रविवार को शिवभक्तों को शिकंजी वितरित की और उनका हाल चाल पूछा कांवड़ियों की सेवा भी की जानी थाना प्रभारी निरीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और भारी वाहनों का प्रतिबंध लगा दिया है जरूरत मंदो को ही एंट्री दी जा रही है जेसे एंबुलेंस दूध वाली सब्जीन्ल वगैरा वाले ही गाड़ी कढ़ी सुरक्षा में ही निकाली जा रही है क्योंकि न 58 और कांवड़ मार्ग पर हादसे कांवड़ियों के साथ हो चुके हैं भोला झाल से निवाड़ी जानी बार्डर तक थाना प्रभारी निरीक्षक हर मोमेंट पर नजर बनाए रखे हैं।

शोभित विश्वविद्यालय के बाहर गूंजा हर-हर महादेव

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ के शोभित विश्व. विद्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर मुख्य राजमार्ग पर शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री का आगमन विवि परिसर स्थित हेलीपैड पर हुआ, जहां शोभित विश्वविद्यालय के चेयरमैन शोभित कुमार ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. वी.के. त्यागी, वासु शोभित, अभिनव शोभित, एवं वंश शेखर मुख्य रूप से मौजूद रहे। मुख्यमंत्री द्वारा की गई पुष्प वर्षा ने श्रद्धालुओं के उत्साह और आस्था को नई ऊंचाइया दीं। शोभित विश्वविद्यालय के लिए यह क्षण गौरव और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

राष्ट्रीय लोक दल के जिला महासचिव नियुक्त हुए सुधीर चौ.

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय लोक दल मेरठ के जिला अध्यक्ष मतलूब गौड़ की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह तोमर के निवास स्थान पर किया गया। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती एवं विस्तार पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विचार-विमर्श के उपरांत संगठन के सक्रिय, कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ता सुधीर चौधरी को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय लोक दल, मेरठ का जिला महासचिव नियुक्त किया गया। सुधीर चौधरी की संगठन के प्रति दीर्घकालिक निष्ठा, अनुशासन एवं जनसंपर्क कौशल को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर

जिला अध्यक्ष मतलूब गौड़ ने कहा कि संगठन को सशक्त और जनहितकारी दिशा में आगे ले जाने हेतु युवा, जुझारू एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

आशा कार्यकर्ता की गोली मारकर की हत्या

परिजनों ने जताई महिला के साथ दुष्कर्म करने की आशंका, पुलिस कर रही पूरे मामले की जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बड़ौत कोतवाली क्षेत्र में एक आशा कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। मृतका अंजलि 40 वर्षीय की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव को बोरे में बंद कर निर्माणाधीन मकान के कमरे में छिपा दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम में लिए बागपत भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

अंजलि शनिवार सुबह 9 बजे बागपत के सरकारी अस्पताल में आई थी। दोपहर 2 बजे उसने अपने बेटे सक्षम को फोन कर बताया कि

मृतका का फाइल फोटो

भूपेंद्र से 4 हजार रुपए लेने जा रही है। शाम 5 बजे के बाद उसका फोन बंद हो गया। कॉल नहीं मिलने पर परिजनों को चिंता होने लगी। रात 11 बजे पुलिस को निर्माणाधीन मकान से उसका शव मिला। आरा. `पी भूपेंद्र गन्ना क्रय केंद्र में लिपिक

का काम करता है। अंजलि पिछले 10 वर्षों से आशा कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही थी। उसकी शादी 23 वर्ष पहले हुई थी और उसके तीन बेटे हैं। राजपुर खानपुर गांव निवासी मृतका के पति चश्मवीर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मृतका के बेटे सक्षम का कहना है कि भूपेंद्र ने पैसों के लेनदेन को लेकर उसकी मां की हत्या की है। परिजनों ने दुष्कर्म की भी आशंका जताई है। पुलिस आरा. `पी की तलाश कर रही है और मामले की जांच कर रही है। बड़ौत कोतवाली प्रभारी मनोज चहल ने मृतक महिला के पति की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जल्दी आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

हाईटगेज की रस्सी में फंसने से कैंटर से गिरे 6 कांवड़िए एक की हालत नाजुक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। गाजियाबाद के लोनी से हरिद्वार जा रहे कांवड़ियों को बागपत में हादसे का सामना करना पड़ा। कैंटर में सवार 35 कांवड़िए हरिद्वार की यात्रा पर निकले थे। पुसार तिराहे पर पुसार-बराल मार्ग पर प्रशासन द्वारा लगाई गई हाईटगेज की रस्सी में कैंटर फंस गया। इस दौरान कैंटर पर बैठे 6 कांवड़िए सड़क पर गिर गए।

दोघट पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को बड़ौत अस्पताल ले गई। घायलों में से अमन महेश का पुत्र की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। अन्य दो घायल कांवड़िए शनि और पारस का उपचार करने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। कांवड़ियों ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि रास्ते में गटर लगे होने के कारण वे घायल हुए। सीओ बड़ौत ने फोर्स के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। दोघट इंस्पेक्टर बच्चू सिंह के अनुसार, सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कांवड़िए की स्थिति अब स्थिर है। घटना के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। हाईटगेज के पास बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं और पुलिस टीम तैनात कर दी गई है। अब वाहनों को रोक. कर ही आगे जाने दिया जा रहा है।

कांवड़ यात्रा के कारण कई रूटों पर बस बंद होने से बढ़ी परेशानी

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। नगर निगम की रोडवेज बसों के पहिए थम जाने से कांवड़ यात्रा के कारण मेरठ, मुजफ्फरनगर व शामली समेत कई रूटों पर बस बंद हो गई हैं। इससे करीब 60 बसों के पहिए थम गए हैं, जो डिपो में खड़ी कर दी गई हैं। इससे लोगों के सामने आवागमन में परेशानी बढ़ गई है।

लोगों को निजी वाहनों में डबल किराया देकर अपनी मंजिलों को पार करना पड़ रहा है। छोटे-मोटे वाहनों से लिफ्ट लेकर सफर करना पड़ रहा है। कांवड़ यात्रा के चलते कांवड़ियों की सुविधा व सुरक्षा के लिए शामली, मेरठ व मुजफ्फरनगर समेत कई रूटों पर बसों को बंद कर दिया गया है। इन पर चलने वाली करीब 60 बसों के पहिए थम गए। बसों के नहीं चलने से लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग निजी वाहनों से अधिक पैसा खर्च करके आने-जाने को मजबूर हैं। किसी के पास निजी वाहन नहीं हैं तो वह दूसरों से लिफ्ट लेने के लिए घंटों तक खड़ा रहता है। इस तरह बसें बंद होने से दूर जाने वाले लोगों के लिए परेशानी ज्यादा बढ़ गई है। हाईवे पर चलने वाले छोटे वाहन चालकों ने यात्रियों से डबल किराया वसूलना शुरू कर दिया है। मजबूरी में यात्री तीन गुना किराया तक देकर अपना सफर तय कर रहे है।

डीएम व एसपी ने किया हेलीकॉप्टर से कांवड़ मार्गो का हवाई सर्वेक्षण व पुष्प वर्षा

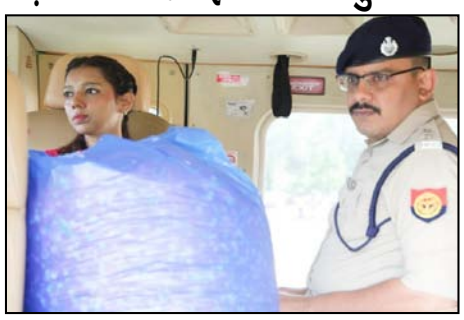

बागपत। रविवार को जिला. धिकारी अस्मिता लाल व पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने हेलीकॉप्टर द्वारा कावड़ यात्रा मार्ग का हवाई सर्वेक्षण करते हुए और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और कावड़ यात्रियों, शिव भक्त श्रद्धालुओं पर पर पुष्प वर्षा की। परशुरामेश्वर महादेव मंदिर पूरा पर श्रावण मास की महाशिवरात्रि पर प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक मेला 21 जुलाई 2025 से 24 जुलाई 2025 तक लगाया जा रहा है, जिसमे काफी संख्या में शिव श्रद्धालु कावड़िया हरिद्वार एवं विभिन्न स्थानों से पैदल पवित्र गंगाजल लेकर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं जिसमें पूरा महादेव मंदिर की मान्यता और प्राचीनता मानी जाती है और श्रद्धालु अपने गंतव्य स्थानों को प्रस्थान बागपत से ही करते हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने शिवरात्रि से पूर्व जनपद के समस्त कावड़ मार्गो पर शिव भक्त श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की और उनका अभिवादन व स्वागत किया।

एक नजर

23 जुलाई को महाशिवरात्रि के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करेंगे गंगाजल भेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सावन के पवित्र महीने में हरिद्वार से एक विशेष कांवड़ यात्रा शुरू हुई है। यह यात्रा गौ माता की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय कानून की मांग को लेकर निकाली गई है। बागपत के पानीपत के तीस हजारी कोर्ट में अधिवक्ता नवीन कुमार के नेतृत्व में 16 जुलाई को यह यात्रा हर की पौड़ी से शुरू हुई। यात्रा में कांवड़िए गंगाजल लेकर पैदल चल रहे हैं। एक विशेष रथ पर गाय माता की प्रतिमा को स्थापित किया गया है। नवीन कुमार घनघस ने बताया कि वे 23 जुलाई को महाशिवरात्रि के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गंगाजल भेंट करेंगे। उनका कहना है कि देश में गायों की स्थिति ठीक नहीं है। गौशालाओं में चिकित्सा और आहार की उचित व्यवस्था नहीं है। हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के छात्र नेता आशु मलिक भी इस अभियान में शामिल हुए हैं। यात्रा बड़ौत-बुढ़ाना मार्ग से होते हुए दिल्ली की ओर जा रही है। कांवड़िए इस संकल्प के साथ चल रहे हैं कि भोलेनाथ की पूजा के साथ गौमाता की रक्षा भी उनका धर्म है। बागपत के दाहा गांव में स्थानीय लोगों ने यात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने यात्रा की सफलता की कामना की।

फैक्टरी में काम करते हुए करंट लगने से मजदूर की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। लोहड्डा गांव निवासी मजदूर दीपक कुमार 40 वर्षीय की हरियाणा के सोनीपत में एक फैक्टरी में काम करते हुए करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों ने फैक्टरी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। दीपक तीन महीने से सोनीपत की फैक्टरी में लिंटर डलाने का काम करता था। शुक्रवार की शाम काम के दौरान करंट लग गया। मृतक के भाई संजीव ने बताया कि दीपक शुक्रवार शाम लिंटर डलाने के कार्य पर गया हुआ था, जहां अचानक करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि फैक्टरी प्रबंधन ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे, जिससे यह हादसा हुआ। मृतक के परिवार में पत्नी सरिता, तीन बच्चे आशीष, लक्की व मयंक के अलावा भाई संजीव व पिता किशन हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन सोनीपत थाना पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की।

प्राथमिक विद्यालयों का विलय होने पर सपाइयों ने जताया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। गूंगाखेड़ी गांव के प्राथमिक विद्यालय नंबर दो का विलय होने पर सपा नेताओं ने पहुंचकर विरोध जताया। कहा कि प्रदेश सरकार विद्यालयों का विलय कर बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। जिला पंचायत वार्ड 10 के सदस्य प्रविंद्र तोमर व पूर्व सभासद आशुतोष तोमर गूंगाखेड़ी गांव में पहुंचे और लोगों के साथ बैठक की। बताया कि यह विद्यालय काफी पुराना है और फर्नीचर भी सही है। विद्यालय का विलय होने के कारण बच्चों को स्कूल के लिए काफी दूर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिले में जहां-जहां विद्यालय बंद हुए, वहां पर सांसद व संबंधित विधायक के नाम का बोर्ड लगना चाहिए ताकि चुनाव के समय लोगों को पता चले कि उनके कार्यालय में यह विद्यालय बंद हुए। अर्जुन अवार्डी पहलवान शौकेंद्र तोमर ने कहा कि प्रदेश सरकार शराब की दुक. नें खोलने पर अधिक ध्यान दे रही है क्योंकि दुकानों से राजस्व अधिक प्राप्त होता है। इस दौरान पूर्व प्रधान संजीव तोमर, हरपाल सिंह, ब्रिजेंद्र, सुखपाल सिंह, अजय वीर, राजपाल, विनोद व पप्पू आदि मौजूद रहे।

फायरिंग के आरोपी पर एसपी ने किया 25 हजार का इनाम घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बड़ौत की आवास विकास कॉलोनी में मकान पर फायरिंग करने व महिला पर जानलेवा हमला कर फरार चल रहे आरा. `पी अजीत पर एसपी सूरज कुमार राय ने 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए कई स्थानों पर दबिश दी। बड़ौत कोतवाली पर अमरेश ने आठ जून को मुक. दमा दर्ज कराया था। आरोप था कि उसके घर पर तीन युवक पहुंचे थे और युवकों ने गाली गलौज करनी शुरू कर दी थी। विरोध किया तो उसके ऊपर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गई, जिसमें वह बाल-बाल बच गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। इस मामले में कई आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था, जबकि एक आरोपी अजीत फरार चल रहा है। एसपी सूरज कुमार राय ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उन्होंने बताया कि फरार आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चारों तरफ उमड़ा कांवड़ियों का जनसैलाब, हो रही बम-बम की जय जयकार

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। एनसीआर क्षेत्र के बडौत बुढ़ाना बरनावा दाहा पुसार कान्हड़ बिजरोल रोड पर रविवार को पूरा मार्ग केसरिया रंग में रंग गया। सड़क पर चारों तरफ बोल बम के जयकारे लगाते हुए हरिद्वार से गंगाजल कावड़ लाने वाले शिव भक्त मस्ती में घूमने लगे हैं। भंडारों में रुक रुक कर आराम फरमाते हुए भोजन ग्रहण करते हुए अपना उपचार करते हुए कांवड़ियों का आवागमन बड़ी संख्या में होता दिखाई दे रहा है। कांवड़ियों का जनसैलाब उमड़ता चारों तरफ दिखाई दे रहा है। कांवड़िया बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए धीरे-धीरे अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। लंबा सफर तय करने के बाद भी कांवड़ियों के चेहरे पर थकान नजर नहीं आ रही है। नंगे पैरों में छम छम डमरू की चारों

तरफ आवाज गूंज रही है। एक से बढ़कर एक इस समय गंगाजल की कावड़ सड़कों पर दिखाई दे रही है। 151 लीटर से लेकर 500 लीटर तक की गंगाजल कावड़ यात्रा में आ रही है। हरियाणा पंजाब सोनीपत पानीपत झज्जर दिल्ली में सावन माह में गंगाजल लेकर अपने-अपने शिवालयों की तरफ जा रहे हैं। 23 जुलाई को सभी शिव भक्त अपने-अपने शिव मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। जनपद बागपत की श्रद्धालु गंगाजल कावड़ लेकर आने वाले शिव भक्तों की सेवा में दिन-रात मेहनत करते हुए अपने-अपने शिविरों में सभी प्रकार की मदद शिव भक्तों के लिए कर रहे हैं। श्रद्धा भाव स्मरण के साथ श्रद्धालु सभी प्रकार की मदद करने में अपना पूरा सहयोग दे रहे हैं। यही नहीं पुलिस प्रशासन भी जनपद बागपत में अपनी पूरी मदद के साथ चप्पे चप्पे पर तैनात है। जब कुछ बोले रास्ते में थक जाते हैं तो पुलिस प्रशासन भी उनकी पूरी मदद कर रहा है। जिलाधिकारी द्वारा कावड़ियों की सेवा में जो कावड़ मोबाइल फैंटम लगाई गई थी वह भी पूरी मदद करने में जुटी हुई है। बडौत कोतवाली पुलिस प्रभारी मनोज कुमार चाहल सीओ बडौत विजय चौधरी ने कहा कि बड़ौत क्षेत्र में कांवड़ियों के साथ पुलिस भी मदद करने में पीछे नहीं है। शिव भक्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पुलिस बल भी कार्यरत है। किसी भी कीमत पर कावड़ियोंको कोई भी समस्या पैदा नहीं होने दी जाएगी। पुलिस बल हर समय उनके साथ रहेगा। शहर के प्रत्येक चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस भी कावड़ियाओं की सेवा में जुटी हुई है।

कांवड़ यात्रा व पुरा महादेव मंदिर से जुड़े अपने अनुभव और विचारों को साझा कर सकेंगे नागरिक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। श्रावण मास में आयोजित कांवड़ यात्रा जहां करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होती है, वहीं इससे जुड़े कई सामाजिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक आयाम भी होते हैं।

जनपद बागपत से होकर गुजरने वाली यह यात्रा हर वर्ष नई कहानियां, नए अनुभव और नई चुनौतियां लेकर आती है। इन अनुभवों को सहेजने और बागपत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग बागपत ने 'कांवड़ यात्रा आपकी दृष्टि से' डिजिटल अभियान की शुरुआत की है।

इस अभियान के अंतर्गत जनपद बागपत से गुजरने वाले कांवड़ यात्रियों, स्थानीय नागरिकों, पुरा महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं तथा मेले में शामिल होने वाले लोगों से उनके अनुभव, विचार, चित्र एवं वीडियो आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त कंटेंट को विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित किया जाएगा।

26 जुलाई को मनाया जाएगा संविधान मान-स्तंभ स्थापना दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर संगठन पदा. धिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष रविंद्र देव यादव ने बैठक की अध्यक्षता की। प्रदेश उपाध्यक्ष मजदूर सभा महबूब मलिक ने बैठक का संचालन किया।

बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष रविंद्र देव यादव ने बताया कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 26 जुलाई 2025 को प्रदेश के सभी जनपदों में संविधान मान-स्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। बागपत जनपद में यह कार्यक्रम बालैनी में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व सांसद यशवीर धोबी मुख्य अतिथि

होंगे। प्रदेश सचिव व बागपत विधानसभा बूथ प्रभारी संजीव त्यागी ने कार्यक्रम का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि 26 जुलाई को ही छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की सोच पर आधारित आरक्षण व्यवस्था को कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। बाद में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से यह व्यवस्था संविधान का मूल सिद्धांत बनी। बैठक में प्रदेश सचिव समा. जवादी शिक्षक सभा नगेन्द्र सिंह, चिराग, राहुल यादव, शाहरुख, कविता गिरी समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने की हेलीकॉप्टर से पुरा महादेव मंदिर पर पुष्प वर्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बागपत स्थित पुरा महादेव परशुरामेश्वर मंदिर का हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलीकॉप्टर से मंदिर परिसर और कावड़ मार्ग पर पुष्प वर्षा की।

श्रावण मास में इस ऐतिहासिक मंदिर पर इस वर्ष लगभग 25 लाख शिव भक्तों के आने की संभावना है। प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों की व्यवस्था की गई है। कावड़ मार्गों पर विशेष पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर को देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल था। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज

उठा। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना की है।

23जुलाई को महाशिवरात्रि पर भोले बाबा का जलाभिषेक कर करेंगी अपनी मन्नत पूरी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। कान्हड़ गांव में एक मां की भक्ति और ममता का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। दिल्ली खुर्द गांव की 58 वर्षीय राकेश अपने बेटे के साथ हरिद्वार से कांवड़ लेकर पहुंची। उन्होंने चार साल पहले अपने बेटे अंकित डबास की नौकरी के लिए भोले बाबा से मन्नत मांगी थी।

राकेश के तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा सरकारी स्कूल में अध्यापक है। मंझला बेटा अंकित डबास दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन में डिपो मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। सबसे छोटा बेटा दीपक डबास दिल्ली हाईकोर्ट में एडवोकेट हैं। उनके पति रंजीत सिंह स्टील फैक्ट्री में काम करते हैं। राकेश ने बताया कि अंकित इसरो की परीक्षा में चूक गए थे। कई अन्य परीक्षाओं में भी असफल होने के बाद उन्होंने भोले बाबा से मन्नत मांगी थी।

उन्होंने प्रण लिया था कि बेटे को नौकरी मिलने पर हरिद्वार से कांवड़ लाकर जलाभिषेक करेंगी। अब जब अंकित को डिपो मैनेजर की नौकरी मिल गई है, तो वह अपनी मन्नत पूरी करने आई हैं। उनके साथ छोटा बेटा दीपक भी कांवड़ लेकर आया है। 23 जुलाई को महाशिवरात्रि पर भोले बाबा का जलाभिषेक कर वह अपनी मन्नत पूरी करेंगी।

नीशु ने खाटू श्याम के सपने में मिले आदेश को सच मानकर की कांवड़ तैयार

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। श्रावण मास की आस्था के बीच बागपत के बड़ौत में एक अनोखी भक्ति की कहानी सामने आई है। सोनीपत के परचून दुक. नदार नीशु ने खाटू श्याम के सपने में मिले आदेश को सच मानकर न सिर्फ एक खास कांवड़ तैयार की, बल्कि हरिद्वार जाकर गंगाजल लेकर पैदल यात्रा भी शुरू कर दी।

नीशु बताते हैं कि पिछले एक महीने से लगातार खाटू श्याम उनके सपनों में आ रहे थे। हर बार श्याम बाबा यही कहते, कांवड़ बनाओ, जल चढ़ाओ। शुरुआत में उन्होंने इसे एक सामान्य सपना समझा, लेकिन जब यह सिलसिला रोज़ चलने लगा तो उन्होंने इसे दैवी संकेत मान लिया। नीशु ने पारंपरिक प्लास्टिक या बांस की जगह लकड़ी से कांवड़ बनाने का निर्णय लिया।

उन्होंने खुद इसकी डिजाइनिंग की और 18 दिनों में इसे सजाकर तैयार किया। रंग-बिरंगे कपड़े, सजावटी लाइट और धार्मिक प्रतीकों से सजी यह कांवड़ हर किसी का ध्यान खींच रही है। नीशु ने कहा- यह सिर्फ कांवड़ नहीं, मेरी श्रद्धा है। इसे बनाते समय मैंने कोई जल्दी नहीं की, हर कील, हर रंग में मेरी भक्ति जुड़ी है। नीशु की यह यात्रा न किसी अखाड़े का हिस्सा है, न ही किसी प्रचार का हिस्सा। वे अकेले चल रहे हैं, सिर्फ श्याम बाबा के नाम पर हाथ में कांवड़, कंधे पर आस्था और मन में समर्पण। हरिद्वार से जल लेकर वे पैदल रवाना हो चुके हैं। उनका उद्देश्य है - जल को खाटू श्याम के चरणों में समर्पित करना। नीशु की यह अनूठी कांवड़ यात्रा जहां भी पहुंच रही है, लोग रुककर उनकी कांवड़ को देख रहे हैं, फोटो खींच रहे हैं और उनकी श्रद्धा को सलाम कर रहे हैं। कई श्रद्धालु यह भी कह रहे हैं कि ये यात्रा भक्ति का नया आयाम है।

देवरनियां के गांव में कई घरों में चोरी, दहशत

एक घर में नकब लगाया और दूसरे घरों में दरवाजे के ताले तोड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। कोतवाली क्षेत्र के हल्का नम्बर चार के गांव बसुधरन जागीर में चोर एक घर में नकब लगाकर व एक घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवर व नकदी लेकर फरार हो गये। कोतवाली क्षेत्र में अभी कुछ दिन पूर्व हुई ज्वैलर्स की लूट का खुलासा नहीं हो पाया। ताजा मामले में अज्ञात चोरों ने दो घरों में धावा बोलकर लाखों के जेवर और नकदी चोरी कर ली। घटना 19 जुलाई की रात्रि लगभग 1 बजे की है। जब कोतवाली देवरनियां क्षेत्र के गांव बसुधरन में दो घरों को निशाना बनाया गया।

बसुधरन गांव निवासी अली पुत्र शकील अहमद के घर में नकब लगाकर अज्ञात चोरों ने घर खंगाला। वहाँ से चोर सोने की झुमकी, अंगूठी, दो तब्बीज, दो पायल और 40 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। वहीं, नाजमा बेगम पत्नी स्वर्गीय मोहब्बत शाह के घर से चोरों ने चांदी की कैधानिया, एक लौंग और एक पायल 36 हजार रुपये नगद चोरी कर लेकर फरार हो गये। उधर चोरों ने तारिक पुत्र जलील अहमद के घर का ताला तोड़ा, चोरी का प्रयास कर रहे थे कि तब तक खुट खुट की आवाज होने पर परिजनों ने शोर शराबा कर दिया। तारिक ने बताया कि ताला तोड़ने की आवाज सुनाई दी, तभी घर की छत पर तुरन्त पहुँचे, और शोर मचा दिया था। गली में खड़े दो चोर भागते हुए जंगल की तरफ भाग गये, और तभी पीआरवी 112 डायल को लगभग 2 बजे सूचना दी थी। पीआरवी 112 डायल वाले आये, और सूचना नोट कर ले गये। मगर कोतवाली पुलिस सुबह आई, और जंगल में जो कपड़े व सामान फैला पड़ा था। इकट्ठा कराकर घर में रखवा गई। गाँव वाले दहशत में पूरी रात्रि सोए नहीं और घरों की छतों पर बैठकर जागते रहे।

पुलिस जांच में जुटी पुलिस ने घटना स्थल पहुँचकर मामले की जानकारी कर जांच शुरू कर दी है। अभी गृह स्वामियों ने कोई तहरीर नहीं दी है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस तहरीर का इंतजार कर रही है। पुलिस द्वारा तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कोतवाली प्रभारी अशुतोष द्विवेदी ने बताया कि सुबह चार बजे सूचना मिली थी। घटना स्थल पर पहुँचकर मौका मुआयना किया गया। अभी तक किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है। तहरीर आने पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया जायेगा। आला अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। जल्द चोरी का खुलासा कर चोरों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

इंटर स्कूल चेस चैंपियनशिप 26 जुलाई से

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। बरेली शतरंज एसोसिएशन तृतीय इंटर स्कूल चेस चौंपियनशिप का माधवराव सिंधिया पब्लिक स्कूल शिव गार्डन ब्रांच में 26 जुलाई तक आयोजन करेगा। इसके लिए इच्छुक स्कूल अपनी एंट्री 23 जुलाई तक भेज सकते हैं। बरेली

शतरंज एसोसिएशन के सचिव रामकिशोर ने बताया कि दो दिवसीय चैंपियनशिप अंडर-19, अंडर -13 और अंडर- 9 आयु वर्ग में होगी। हर वर्ग के टॉप 10 खिलाड़ियों को इंडिविजुअल ट्रॉफी से पुरस्कृत किया जाएगा। हर वर्ग में दो-दो बालिकाओं के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. सौरभ कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता का ब्राशर सभी स्कूलों में भेजा जा चुका है।

किन्नर को दफनाने को लेकर विवाद

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद हुआ दफीना

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। नगर के मोहल्ला अब्बास नगर में शनिवार को एक किन्नर की मौत के बाद कब्र खोदने को लेकर स्थानीय निवासियों और मृतक के साथियों के बीच विवाद की स्थिति बन गई।

मृतक भोला किन्नर को दफन करने के लिए जब कब्र खोदी जा रही थी, तो मोहल्ले के कुछ लोगों ने इसका विरोध करते हुए कब्रिस्तान में दफनाने से इनकार कर दिया। मोहल्ले वालों का कहना था कि बाहरी लोग जब इस इलाके में आकर बसे थे, तभी उन्हें स्पष्ट कर दिया गया था कि इलाके में कब्रिस्तान की जगह सीमित है, ऐसे में वे अपनी ओर से कब्रिस्तान की वैकल्पिक व्यवस्था करें। रात में जब परिवार के लोग मृतक भोला

को लेकर उसके गांव जोखनपुर लेकर गये थे, तब गांव जोखनपुर के स्थानीय लोगों ने भी भोला किन्नर को कब्रिस्तान में दफन होने का विरोध किया, जिसको लेकर परिवार के लोग वापस अपने घर अब्बास नगर आ गये थे। इसके बाद पुनः विरोध शुरू हो गया। मामला गरमाता देख पुलिस मौके पर पहुंची, और लोगों से बातचीत कर आपसी सहमति से कब्र के लिए जगह उपलब्ध कराई, और शांति पूर्वक दफन की प्रक्रिया पूरी कराई।

मृतक किन्नर के शव को दफन करा दिया गया है। अब मामल शांत है।

संजय तोमर
कोतवाल बहेड़ी

भोला किन्नर की मौत पर उसके साथी किन्नरों में शोक की लहर है।

वहीं मोहल्ले के लोगों ने प्रशासन से मांग की कि इस तरह के मामलों को लेकर पहले से ही स्पष्ट दिशा-निर्देश हों, ताकि भविष्य में कोई असमंजस की स्थिति उत्पन्न न हो।

एक नजर

सावन का दूसरा सोमवार आज, शिव मंदिरों में भक्त करेंगे जलाभिषेक

शाह टाइम्स संवाददाता

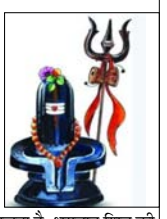

देवरनियां। सावन के दूसरे सोमवार को क्षेत्र के शिव मंदिरों में शिव भक्त जलाभिषेक करेंगे। नगर पंचायत देवरनियाँ के सेमीखेड़ा व सिंगतरा शिव मंदिर को फूलों से सजाया गया है। सावन मास में श्रद्धालु श्रद्धा के साथ भगवान शिव से आराधना करते हैं। सुबह से ही मन्दिरों में पूजा अर्चना शुरू हो जाती है, जो देर शाम तक शिवालयों में चलती रहती है। भक्तों में जलाभिषेक व पूजा अर्चना का भाव देखने को मिलता है, भगवान शिव की आराधना में महिलाएं भी सबसे आगे रहती हैं। मान्यता है कि सावन माह में भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से मनोकामना पूर्ण होती है। भगवान शिव को बेलपत्र धतूरा भांग दूध शहद आदि अर्पित कर पूजन किया जाता है। इसके अलावा कछला व हरिद्वार से भी पैदल चलकर भक्तजन कांवड़ध में जल लेकर आते हैं, और जलाभिषेक करते हैं। सुबह तीन बजे से ही भक्तगण स्नान आदि के बाद शिवालय पहुंचते हैं, जहां जल चढ़ाकर भगवान शिव से सुख समृद्धि की कामना करते हैं। सावन के दूसरे सोमवार पर भी मन्दिरों में तैयारी पूर्ण कर ली गई है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स को जगह-जगह लगाया गया है, बैरिकेडिंग भी लगाई गई है। मंदिरों को फूलों की झालरों से सजाया गया है, और रंग बिरंगी रोशनी भी लगाई गई है। महादेव को प्रसन्न करने के लिए शिव मंदिर सेमीखेड़ा व शिव मंदिर सिंगतरा पर भक्तों की भीड़ रहती है।

दो लाइनमैन के हवाले है शीशगढ़, कैसे मिलेगी बिजली

दूर के गांवों के लाइनमैन करते है ड्यूटी
रात में हो गया फाल्ट तो अंधेरे में गुजरती हैं रातें

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। कस्बे की बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाए जाने के उद्देश्य से बिजली विभाग ने विभिन्न मोहल्लों में छोटे बड़े बीस ट्रांसफार्मर तो लगवा दिए, लेकिन इनकी देखरेख केवल दो संविदा लाइन मैन के हवाले कर रखी है। दोनों ही लाइन मैंन दूर दराज के गांवों के रहने वाले है रात को अपने घरों को चले जाते है यदि रात में कोई फॉल्ट हो भी जाए तो फिर अंधेरे में रहना पड़ता है। यह क्रम पिछले चार, पांच महीने से चल रहा है।

कस्बे के लोग बिजली की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। भीषण गर्मी में बिजली को लेकर हाइबिल्ला मची हुई है, लेकिन बिजली विभाग के अफसरों को इसकी कोई परवाह नहीं है। बताते चलें कि शीशगढ़ कस्बे की आबादी करीब पचास हजार है। इस आबादी में बीस ट्रांसफार्मर भी लगे है कस्बे में बिजली कनेक्शन के हिसाब से बिजली के बिलों की वसूली तो खूब होती है, लेकिन उपभोक्ताओं को सुविधाएं मयस्सर नहीं हो पा रही है। इतनी बड़ी आबादी के कस्बे में केवल दो लाइन मैन से काम लिया जा रहा है, वह भी बाहरी गांवों से बुलाकर स्थानीय लाइन मैन को हटाकर दूर दराज के गांवों के लाइन मैन लगाए।

बिजली विभाग के कर्मचारियों ने कस्बे के निवासी लाइन मैन शमशाद को हटाकर पड़ोसी गांव मदनापुर में तैनात कर दिया है, जबकि बल्ली निवासी वीरेंद्र को शेरगढ़ बिजलीघर भेज दिया गया। ग्राम बैरम नगर निवासी गुड्डू एवं बकैनिया निवासी राजेंद्र को शीशगढ़ में लगाया गया है। बाहरी लाइन मैन होने के कारण दोनों को कस्बे में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं के लिए भी नई मुसीबत पैदा हो गई है। भीषण गर्मी में बिजली की आपूर्ति रोज रोज बाधित हो रही है , लेकिन बिजली विभाग के अफसरों को कस्बे के लोगों की कोई परवाह नहीं है।

काम के बोझ से बाहरी लाइनमैन भी परेशान

कस्बे में लगाए गए बाहरी लाइनमैन भी परेशान हैं। इनकी फरियाद भी कोई सुनने वाला नहीं है। बेरम नगर निवासी लाइनमैन गुड्डू जो वर्तमान में शीशगढ़ कस्बे में तैनात है का कहना है कि ड्यूटी की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। रात दिन ड्यूटी करनी पड़ती है। इधर बिजली अफसरों का काम करने का दबाव उधर परिवार की जिम्मेदारियां भी है, लेकिन वह घर परिवार को भी नहीं देख पा रहे है, लेकिन अफसरों के सामने कुछ कहने का साहस भी किसी में नहीं है। वह बैरमनगर वापसी के प्रयास में है, लेकिन कौन सुनेगा इन बेबस लाइमैन की फरियाद।

चेयरमैन ने कस्बे में लाइनमैन बढ़ाने की उठाई मांग

कस्बे में लगातार बिजली आपूर्ति खराब रहने का मुख्य कारण है लाइनमैन की कमी। इसी कारण से बिजली आपूर्ति लगातार बाधित रहती है। बीस ट्रांसफार्मर केवल दो लाइनमैन के हवाले कर देने से बिजली की आपूर्ति कैसे हो पाएगी। यह एक बड़ा सवाल है, लेकिन विभाग के अफसरों को इसकी कोई परवाह नहीं है। रात को फाल्ट हो जाए तो सभी को अंधकार में रहना पड़ता है क्योंकि बाहरी लाइन मैन अपने घरों को चले जाते है रात की ड्यूटी के लिए भी लाइनमैन होना चाहिए। इस मामले में हमने अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर स्थानीय लाइनमैन शमशाद को शीशगढ़ में लगाने एवं लाइनमैन की संख्या बढ़ाए जाने की मांग भी की है।

नीलोफर
चेयरमैन
नगर पंचायत शीशगढ़

अधिशासी अभियंता, एसडीओ के आदेश का नहीं हो रहा पालन

कस्बे के लोगों की एवं चेयरमैन नीलोफर की मांग को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अभियंता चमन प्रकाश ने लाइनमैन शमशाद को पुनः शीशगढ़ कस्बे में तैनात किए जाने हेतु आदेश एसडीओ को दिए थे। एसडीओ विशाल कंसल ने अवर अभियंता संतोष कुमार शर्मा को अधिशासी अभियंता के आद.श का अनुपालन किए जाने का आदेश भी जारी किया, लेकिन अवर अभियंता संतोष कुमार शर्मा ने शमशाद को शेरगढ़ से हटाकर शीशगढ़ के बजाय ग्राम मदनापुर में तैनात कर दिया। इससे कस्बे के लोगों को कोई लाभ नहीं हुआ समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ युवक को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

तमंचा लहराते हुए वीडियो हुअर था वायरल

फतेहगंज पश्चिमी। थाना परिसर के अंदर बनाई गई वीडियो वायरल करने के प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध तमंचा और कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को यह सफलता मुखबिर की सटीक सूचना पर मिली, जिसके आधार पर रहपुरा अंडरपास बाईपास के पास घेराबंदी कर अभियुक्त को दबोचा गया।

इरिश खान उर्फ बाबा पुत्र कलीम खान है जोकि मोहल्ला सराय वार्ड नंबर 15 कस्बा व थाना फतेहगंज पश्चिमी बरेली का रहने वाला है। इसके कब्जे से एक 12 बोर का नाजायज तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस को पूछताछ में इरिश खान ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने का शौकीन है और पहले भी अवैध तमंचे के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुका है। उसने यह भी स्वीकार किया कि बरामद तमंचा उसने कुछ महीने पहले भिटौरा रेलवे स्टेशन के पास किसी अज्ञात व्यक्ति से छीना था। मोबाइल की जांच में यह पुष्टि हुई है कि अभियुक्त ने थाना परिसर में बैठकर एक वीडियो बनाया और उसे अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर पोस्ट कर वायरल किया था जिसके संबंध में थाना फतेहगंज पश्चिमी में पहले से ही आईटी एक्ट की धारा 72 के तहत एक मुकदमा दर्ज है।

अभियुक्त के खिलाफ अब तक दो मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह चौकी प्रभारी अनूप सिंह हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह हेड कांस्टेबल विपिन कुमार शामिल रहे।

कोटे का चुनाव हमारे पक्ष में नहीं हुआ तो घर में घुसकर मारेंगे

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रामीणों ने कहा दबंगों को नजर बन्द किया जाए

नवाबगंज। तहसील क्षेत्र के गांव मुड़िया भीकमपुर में 22 जुलाई को राशन कोटे की दुकान का चुनाव होना है, गांव की महिला प्रधान सहित कई ग्रामीणों ने कोटे की दुकान के चुनाव में दबंगों द्वारा विवाद किए जाने की आशंका जताते हुए एसएसपी को शिकायती पत्र भेजकर इन्हें नजर बंद किए जाने की मांग की है।

ग्राम की महिला प्रधान भूपा देवी के साथ ही शान्ति पाल, उमेश, सोमपाल, धर्मपाल, गौरव, हेमराज, सूरज पाल, सत्यपाल, रामभरोसे, राहुल आदि ने एसएसपी को भेजे शिकायती पत्र में कहा है कि उनके गांव की राशन कोटे की दुकान का चुनाव 22 जुलाई को होना है, आरोप है कि ग्राम के आधा दर्जन दबंगों ने खुले आम धमकी दी है कि चुनाव उनके पक्ष में नहीं हुआ तो वह घर में घुसकर मारेंगे। ग्रामीणों ने चुनाव के दौरान झगड़ा किए जाने की आशंका जताते हुए इन दबंगों को नजर बन्द किए जाने की मांग की है, जिससे चुनाव शान्ति पूर्ण ढंग और निष्पक्ष रूप से हो सके। मालूम हो क्षेत्र के गांव चौखंडी और ब्लॉक नवाबगंज के गांव रिछोला किफायतुल्ला में हुए राशन कोटे के चुनाव में धांधली किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीण दोनों ग्रामों में हुए चुनाव को निरस्त किए जाने की मांग डीएम और एसडीएम से कर चुके हैं।

हुजूर ताजुश्शरिया के विसाल को सात साल पूरे होने पर फातिहा व लंगर का किया गया एहतिमाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। ताजुश्शरिया मुफ्ती अख्तर रजा कादरी अजहरी मियां का विसाल आज से ठीक सात साल पहले 20 जुलाई 2018 को हुआ था। आज अंग्रेजी तारीख के विसाल के मौके पर दरगाह ताजुश्शरिया पर महफिल का एहतिमाम किया गया। दरगाह ताजुश्शरिया के सज्जादानशीन व काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजाख्वां कादरी असजद रजा कादरी की सरपरस्ती व सदारत में हुआ।

जमात रजा मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान मियां की निगरानी में अदा हुई। फरमान मियां ने कहा कि उलेमाओं की खुसूसी तकरीर हुई, जिसमें उन्होंने हुजूर ताजुश्शरिया की जिन्दगी पर रौशनी डाली व आपको दीनी खिदमात के बारे में बताते हुए कहा कि आपने अपनी जिन्दगी को सिर्फ खिदमते दीन के लिए वक्फ कर दिया, आपने बहुत सी किताबे लिखीं, जिनमें आपका नातिया दीवान व फतावा ताजुश्शरिया मशहूर हैं। आपने अपने तकवे और परहेजगारी की बुनियाद पर मसलक ए आला हजरत में एक अलग पहचान बनाई। जो अवाम के शरई मसले हल कर दे उसे मुफ्ती कहा जाता है और जो उलेमा व मुफ्तियों के मसले हल कर दे उसे अपने वक्त का ताजुश्शरिया कहा जाता है। आपने मसलक के प्रचार-प्रसार के लिए सारी दुनिया का दौरा कर सुन्नियत को फरोग देने का काम किया। फातिहा 7 बजकर 14 मिनट पर हुई, उसके बाद काजी-ए हिंदुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजाख्वां काछ्दरी की खुसूसी दुआ हुई। सभी को लंगर तकसीम किया गया। इस मौके पर सैयद अजीम उद्दीन, मौलाना गुलजार, मौलाना निजामुद्दीन, मौलाना बिलाल, मोइन खान, शमीम अहमद, बख्तियार खान आदि लोग मौजूद रहे।

गंगा जल लेने शिव भक्त गढ़मुक्तेश्वर रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। रविवार को भोले की आर्मी बरेली कैंट की 30 लोगों का जत्था ग्रीन फार्म रिसोर्ट्स पीलीभीत बाईपास रोड से गंगाजल भरने के लिए गढ़मुक्तेश्वर ब्रज घाट रवाना हुआ। सद्भाव समाज सेवा समिति परिवार के सुनील सक्सेना, मिलन एवं महेन्द्र राठौर ने सभी को इस दौरान माला पहनाकर विदा किया। सोमवार सुबह पांच बजे श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को बरेली नाथनगरी में बाबा महाकाल भोलेनाथ का सभी जलाभिषेक करेंगे। यात्रा में मनोज पाण्डेय, प्रवेश कुमार, दिवाकर आर्य, आर एस शर्मा, स्वदेश कन्नोजिया, आचार्य ललित जोशी, अमित सती, विपिन, उदित, शंकर सिंह बोहरा, चारु सति, संजीव कुमार आदि शामिल हैं।

शिक्षक रजनीश के समर्थन में उतरी कुर्मी क्षत्रिय सभा

साजिश बताकर निष्पक्ष जांच की मांग
कुर्मी समाज के जनप्रति. निधियों ने साधी चुप्पी!

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। शिक्षक रजनीश गंगवार के वायरल वीडियो प्रकरण को लेकर रविवार को कुर्मी क्षत्रिय सभा ने एकजुटता दिखाते हुए इसे सुनियोजित साजिश करार दिया है। आयोजित बैठक में सभा पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जा रहा है। जबकि शिक्षक की मंशा केवल शिक्षा को बढ़ावा देना मात्र था, न कि किसी यात्रा को ठेस पहुंचाना। लेकिन उनका भाव किसी ने न समझा, और यह पूरा मामला दुर्भावनापूर्ण सोच का नतीजा है। सभा के उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार व प्रेम शंकर गंगवार ने कहा कि शिक्षक बच्चों को समझा रहे थे, लेकिन कुछ संगठनों ने इसे बेवजह तूल देकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। कोषाध्यक्ष आलोक गंगवार ने आरोप लगाया कि वीडियो पहले से रिकॉर्ड कर वायरल किया गया, जबकि शिक्षक रजनीश पूरी ईमानदारी से अपना कार्य कर रहे थे। महामंत्री आर.सी. लाल व मूलचंद गंगवार ने निष्पक्ष जांच की मांग की। सभा के आडीटर एड. मनोज बाबू गंगवार ने एफआईआर को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियों और धमकी भरे संदेश भेजने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सभा ने चेताया कि यदि प्रशासन ने समय रहते उचित कदम नहीं उठाया तो कुर्मी सभा प्रदेश स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगी। बैठक में उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार, उपाध्यक्ष प्रेम शंकर गंगवार, महामंत्री/व्यवस्थापक आर.सी. लाल, महामंत्री मूलचंद गंगवार, कोषाध्यक्ष आलोक गंगवार, आडीटर एड. मनोज बाबू गंगवार, मीडिया प्रभारी देश दीपक गंगवार, सदस्य अरविंद पटेल, सदस्य एड. मुनेन्द्र सिंह गंगवार, सदस्य अमित गंगवार, सदस्य खेमेन्द्र पाल सिंह, वीरेश कुमार गंगवार, सदस्य तेज पाल गंगवार, सदस्य भद्रपाल गंग. वार आदि मौजूद रहे।

जिला प्रशासन की अनूठी पहल

समस्त तहसीलों में आयोजित भंडारों में शिव भक्तों को किया गया प्रसाद वितरण

ग्राम नितोई एवं रामगंगा में कांवड़ियों का माल्यापर्ण कर किया स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। डीएम अविनाश सिंह ने रविवार को आंवला के ग्राम नितोई एवं रामगंगा में कांवड़ियों का माल्यापर्ण कर आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर कांवड़ यात्रियों के लिये लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में डीएम ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्रावण मास के प्रत्येक रविवार तथा सोमवार को बरेली जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ से भंडारा कराया जा रहा है, जो सभी शिव भक्तों को समर्पित है, जहां शिव भक्त प्रसाद ग्रहण कर सकते हैं तथा विश्राम भी कर सकते हैं, कांवड़ियों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल कैम्प भी लगाए गये हैं।

इस अवसर पर डीएम ने कहा कि यह सावन का महीना चल रहा है, जिसमें हमारे भक्तगण कांवड़ लेने जाते हैं, कुछ लोग कछला एवं कुछ लोग हरिद्वार से भी जल लेकर आते हैं, और भगवान भोले नाथ को अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भी कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री से प्रेरणा लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा बरेली जनपद की प्रत्येक तहसीलों में कांवड़ यात्रियों के ठहरने, उनके भोजन करने तथा स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल कैंप की भी पूर्ण व्यवस्था की गई है, जिससे यदि कोई यात्री यात्रा के दौरान बीमार हो जाता है तो उसका उपचार किया जा सके।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, उपजिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह, तहसीलदार सदर सहित अन्य अधिकारीगण व शिव भक्त उपस्थित रहे।

होमगार्ड को पांच किलोमीटर बोनट पर टांग भगाई कार

गाड़ी लेकर कांवड़ मार्ग में घुस गया था आरा. पी, गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। चौपुला चौराहे पर ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड अजीत कुमार को कार के बोनट पर टांगकर पांच किलो मीटर तक घसीटने वाले चालक सुभाषनगर के करगैना निवासी दक्ष श्रीवास्तव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। टीएसआई गजेंद्र सिंह की ओर से

आरोपी के खिलाफ कोतवाली में सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, लापरवाही से वाहन चलाने और जानलेवा हमले की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। दक्ष के साथ कार में बैठे दूसरे साथी की पहचान शिवेंद्र यादव के रूप में हुई है।

शनिवार रात 11:30 बजे टीएसआई गजेंद्र सिंह के साथ होमगार्ड अजीत कुमार चौपुला पुल के पास ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान आई तेज रफ्तार कार ने रॉन्ग साइड से वन-वे रूट में घुसने की कोशिश की। मार्ग से काफी संख्या में कांवड़िये भी गुजर रहे थे। होमगार्ड अजीत ने कार को रोकने की कोशिश की तो चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। जान बचाने के लिए अजीत कार के बोनट पर चढ़ गए। इसके बावजूद चालक ने कार को नहीं रोकी। होमगार्ड को बोनट पर टांगकर कार दौड़ाता रहा। उसने होमगार्ड को जान से मारने की धमकी भी दी। इसकी सूचना वायरलेस पर प्रसारित की गई तो पुलिस महकमे में खलबली मच गई।

आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रयास, शासकीय कार्य में बाधा और सार्वजनिक स्थान पर लाप. रवाही से वाहन चलाने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।

आशुतोष शिवम
सीओ प्रथम

रात में ही इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के जरिये कार के नंबर को ट्रेस किया गया। इंस्पेक्टर कोतवाली अमित पांडेय ने बताया कि सुभाषनगर थाना क्षेत्र के करगैना में सावित्री स्कूल के पास रहने वाले आरोपी कार चालक दक्ष श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में सामने आया है कि घटना के दौरान आरोपी और उसके साथ कार में बैठा शिवेंद्र यादव दोनों नशे में थे।

पांच लाख की मांग को लेकर विवाहिता से मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र के गांव अली नगर के पुरषोत्तम ने अपनी पुत्री मानसी की शादी एक साल पहले क्षेत्र के गांव जिगनियां के रहने वाले राम बहादुर के पुत्र चरन सिंह के साथ की थी, जिसमें उसने अच्छा खासा दान दहेज दिया था।

आरोप है कि ससुराल के लोग इससे खुश नहीं थे, और आए दिन विवाहिता को तरह-तरह से प्रताड़ित करते रहते थे। गुजरी 19 जुलाई की रात विवाहिता के तहेरे जेठ अमित और चचिया ससुर रमेश उसके घर में दीवार फांदकर घुस आए, और उसे जान से मारने की नियत से दबोच लिया। आरोप है कि रमेश विवाहिता पर गलत नजर रखता है। किसी तरह अपने आप को भागकर विवाहिता ने बचाया।

विवाहिता का आरोप है कि पति चरन सिंह, सास मायावती और ननद प्रीती उससे पांच लाख रुपये लाने की जिद करते हैं, और उसे मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की। घटना की तहरीर पुलिस को दिए जाने के साथ ही विवाहिता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

शाह टाइम्स आपके साथ....

हमें बताएं अपने इलाके की समस्या

प्रिय पाठक, शहर में यदि आपके घर के आसपास या इलाके में सड़क टूटी होने, कूड़ा न उठने जैसी कोई ऐसी समस्या है जो तमाम लोगों को परेशान कर रही है तो फोटो के साथ हमें लिख भेजें। हम आपकी समस्या को प्रमुखता से अपने अगले अंक में प्रकाशित करेंगे। शाह टाइम्स के व्हाट्सएप नंबर 9720775874 पर अपनी समस्या आप हमें भेज सकते हैं।

समाचार एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
मो. इरफान मुनीम जिला प्रभारी (बरेली)
मो0- 9456212547 8077380691
Email: irfanggnewslive@gmail.com

किशोर पीढ़ी को भारत की वैज्ञानिक परंपरा से अवगत कराया

पीलीभीत। समाधान आईएपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में बेनहर गुरुकुल टनकपुर रोड कैंपस में महान खगोल वैज्ञानिक जयंत विष्णु नार्नीलकर जयंती के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर आओ करके सीखे भौतिक विज्ञान के अंतर्गत विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से निहित सिद्धांतों पर चर्चा की गई। समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ निर्मल कौर द्वारा महान खगोल वैज्ञानिक जयंत विष्णु नार्नील. कर के चित्र का अनावरण कर उनको नमन, स्मरण और वंदन ज्ञापित किया गया व बताया कि खगोल विज्ञान में करियर बनाने के लिए खगोल भौतिकी, खगोल विज्ञान या भौतिक में बीएससी, एमएससी, पीएचडी डिग्री की आवश्यकता होती है। विश्व. विद्यालय, अनुसंधानों या निजी कंपनियों में अनुसंधान पदों पर कार्य मिलता है, विज्ञान संग्रहालय एवं तारामंडल मैं कार्य करने का अवसर मिलता है, ब्रह्मांड की उत्पत्ति, विकास और संरचना समझने में, उपग्रह, जीपीएस और सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास में, मानव ज्ञान के विस्तार में, हमें अपने स्थान और ब्रह्मांड में हमारी भूमिका के बारे में अधिक जानने में खगोल विज्ञान महत्व पूर्ण है।महान वैज्ञानिक ने विज्ञान को सरल भाषा में प्रस्तुतीकरण पर जोर दिया। वायरस, वमन द एडवेंचर, अंत. रातील भस्मासुर,धूमकेतु आदि अनेक कथाओं द्वारा उन्होंने विज्ञान को सहज किया। चार नगरांतले मजे विश्वः उनकी आत्मकथा है जिसे साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित किया गया। आपको पदम भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। बल, वायुदाब, तरंगगति, प्रकाश का वर्ण विक्षेपण, न्यूटन की गति के नियम आदि को सरल प्रयोग द्वारा दर्शाया गया। सिद्धांतों पर चर्चा की गयी। चर्चा में श्रेष्ठ प्रतिभाग के लिए आदित्य सिंह बिष्ट, तान्या सैनी, एवं फातिमा को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतिपुष्टि में कार्यक्रम को ज्ञान वर्धक, प्रेरणादायक और भौतिक विज्ञान की राह सुगम करने वाला बताया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अध्यापक गुरसेवक सिंह द्वारा किया गया।

रविंद्र सिंह को व्यापार मंडल मंडी समिति का चुना गया अध्यक्ष

पीलीभीत। नगर के ठाकुर रविंद्र सिंह को व्यापार मंडल यूनियन फल व सब्जी मंडी समिति पीलीभीत का अध्यक्ष चुना गया है। आपको बता दें ठाकुर रविंद्र सिंह राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष पद पर कार्यरत है और इनके कई व्यापार जैसे ठाकुर साहब एंड कंपनी महाराणा प्रताप एंड कंपनी के अध्यक्ष भी है मंडी के थोक व्यापारियों ने एक सभा का आयोजन कर ठाकुर रविंद्र सिंह पर भरोसा जताते हुए व्यापार मंडल यूनियन पीलीभीत का अध्यक्ष चुना गया। ठाकुर रविंद्र सिंह ने भी किसी भी व्यापारी भाई के साथ अन्याय नहीं होने देंगे और मंडी में जो बंद पड़ी नालियां जिसमें मंडी समिति में रोड डालकर बंद कर दी है नालियों को खोलकर उन पर पत्थर डालने का काम भी अध्यक्ष महोदय द्वारा किया जाएगा। मंडी सचिव ने ठाकुर रविंद्र सिंह के मुख्य बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर कई व्यापारी मौजूद रहे, जिनमें मोहम्मद अयूब, संदीप सक्सेना, मोहम्मद तहसीम, शुभम मौर्य, मोहम्मद मेहरबान, ओम प्रकाश मौर्य, सुधीर मौर्य, मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद हसीब, अलीम, मोहम्मद सनवर, यूनुस अली, चांद चूना आदि शामिल थे। ठाकुर रविंद्र सिंह का यह प्रयास व्यापारियों और किसानों के हितों की रक्षा और मंडी की समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर उन्होंने व्यापारियों के हितों की रक्षा और मंडी की समस्याओं के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।

बेनहर पब्लिक स्कूल, इंटर हाउस कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन

शीह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बेनहर पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस आउटडोर गेम्स के क्रम में कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 9 वीं से 12 वीं के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इंटर हाउस हुई इस प्रतियोगिता में प्रत्येक हाउस के ब्वॉयेज और गर्ल्स की टीमें शामिल रहीं। एक्टिविटीज इंचार्ज रोशनी बग्गा ने खेल का कोआर्डिनेशन कराया। खेल शिक्षक देव सिंह, राजेंद्र मौर्य, त्रिलोक चंद्र और अमन सिंह रेफरीज़ की भूमिका में उपस्थित रहे। मैचेज से पूर्व मैदान पर पहुंचकर विद्यालय की प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी, हेडमिस्ट्रेस निर्मला शर्मा एवं एक्टिविटीज़ इंचार्ज रोशनी बग्गा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट की शुरुआत की। इस अवसर पर सभी हाउसेज के इंचार्जेज सईदा अमन, उज्जवल गुप्ता, रजत जोशी और संस्कृति कश्यप व अन्य शिक्षक, खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन के लिए उपलब्ध रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन अरावली हाउस के शौर्य अरोड़ा, कार्तिकेय अग्रवाल, परमवीर सिंह, अरमान संधू, रनजोद सिंह, अनय जायसवाल, दिव्यांश अग्रवाल तथा अक्षय छेत्री ने किया। अरावली गर्ल्स की टीम में विम्मी प्रजापति, इंशा रहमान, पाखी शर्मा, सिद्धि गुप्ता, कनक वर्मा, प्राची सिंह अनन्या, तय्यबा फातिमा और गार्गी ने अच्छा प्रदर्शन करके अपनी टीम को प्रथम स्थान दिलाया। टूर्नामेंट में दोनों ब्वॉयेज और गर्ल्स टीमों की तरफ से प्रथम स्थान अरावली हाउस ने हासिल किया। ब्वॉयेज की टीमों से विंध्या हाउस ने द्वितीय स्थान और हिमालया हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया गर्ल्स की टीमों की तरफ से सतपुरा हाउस ने दूसरा और हिमालया हाउस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

केएम विश्वविद्यालय परिवार निकला दूसरी तूफानी डाक कांवड़ यात्रा पर

मथुरा। मथुरा के पालीडूंगरा स्थित केएम विश्व. विद्यालय का परिवार के सदस्य विवि के कैम्पस से प्रथम तूफानी डाक कांवड़ यात्रा लेकर निकला है, जिसमें विवि और केएम मेडीकल हॉस्पिटल का स्टाफ शिव की भक्ति में नाचते, झूमते, गाते दुपहिया वाहनों से मां गंगाजी लेने गए। सोमवार एकादशी पर विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी की अगुवाई में कैम्पस स्थित महादेव मंदिर में भोले बाबा का जलाभिषेक किया जाएगा। प्रथम तूफानी डाक कांवड़ यात्रा का सुबह कैम्पस में जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पूजा अर्चना की और डाक कांवड़ यात्रा को भगवाध्वज दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उनके साथ केएम विवि के प्रशासनिक अधिकारी देवी सिंह (डीएम), रजिस्ट्रार डा. पूरन सिंह, सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल आदि मौजूद रहे। बाबा भोले नाथ की भक्ति में सराबोर भक्तों का आस्था का सैलाब सौंख रोड पर देखने को मिला।

भक्ति के लिए हर समय समर्पित कोसी वासी

कोसीकलां। भगवान भोले की भक्ति में मग्न होकर कांवड़िये आस्था, जुनून और जोश के साथ अपनी मंजिल की तरफ तेजी से बढ़ रहे है। शिव नाम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो गया है। रविवार को कांविड़यों से सड़कें केसरिया रंग में रंग गईं। इनकी सेवा के लिए जगह-जगह शिविरों का भी शुभारंभ हुआ। शिवरात्रि नजदीक आते ही बड़ी संख्या में कांवड़िये हरिद्वार से जल उठाकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। इस बार कलश वाली कांवड़ का ट्रेंड बढ़ा है। कुछ कांवड़िये अकेले ही पग पर चलते दिखाई दिए तो कहीं भोले समूह में जाते नजर आए। कांवड़ के साथ ही तिरंगा और धार्मिक ध्वज भी लेकर चल रहे हैं। बम बम भोले, हर हर महाद. व और बोल बम के जयकारों से शहर का वातावरण शिवमय हो रहा है। युवा समाजसेवी और पूर्व सभासद कैलाश चंद पिन्टू के सानिध्य में अग्रसेन वाटिका में कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में विश्राम स्थल, स्वच्छ पेयजल, भोजन, प्रसाद, और प्राथमिक चिकित्सा सुविधा जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। स्थानीय शिवभक्त मिलकर कांवड़ियों की सेवा करते हैं। पिन्टू नेता ने बताया की कोसी में रविवार को एक बड़ा ग्रुप भी कैम्प में आकर विश्राम के लिए रुका जोकि वैष्णो देवी यात्रा

तेज धूप ने बढ़ाई गर्मी, लोग परेशान

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। जिले में मौसम के साथ तापमान में उतार-चढ़ाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कभी आसमान में बादल छा रहे हैं तो कभी तेज धूप गर्मी बढ़ा रही है। बारिश के बाद धूप का असर तेज होने से हाल-बेहाल हो रहा है। रविवार को दिन भर मौसम बदलता रहा। सुबह से ही धूप-छांव का मौसम रहा। दोपहर के समय गर्मी में लोग पसीनों से भीगे रहे। न्यूनतम तापमान एक डिग्री गिरावट के बाद 26 पर पहुंचा। जबकि अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस महीने मौसम बिगड़ा रहेगा। बारिश की संभावना बनी रहेगी। पिछले कुछ दिनों से दोपहर तक धूप-छांव और शाम के समय बारिश का मौसम बन जाता है। इससे कभी गर्मी का अहसास तो कभी बारिश से मौसम सामान्य होने पर राहत मिल जाती है। रोजाना यही सिलसिला चल रहा है। जिससे गर्मी में राहत नहीं मिल पा रही है। रविवार को सुबह से आसमान में बादलों की आवाजाही रही। दोपहर के समय धूप से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके बाद फिर बादलों की उमड़-घुमड़ होती रही।

एक्सीलेटर दबने से कार तालाब में गिरी

शाह टाइम्स संवाददाता

कोसीकलां। तेली पाड़ा में पार्किंग करते समय एक कार तालाब में गिर गई। कार में सवार चालक तैर कर निकल आया। ट्रैक्टर की मदद से कार को निकाला गया।शनिवार की देर शाम करीब 8 बजे डॉ. प्रहलाद अपने क्लीनिक से आने के बाद कार को पार्किंग कर रहे थे। अचानक ध्यान भटक जाने के कारण ब्रेक नहीं लग पाए और एक्सीलेंटर दब जाने के कारण कार तालाब में गिर गई। डॉक्टर ने अपनी सूझबूझ से काम लेते हुए कार का शीशा खोला और तैर कर बाहर निकल आए। कार पूरी तरीके से पानी में डूब गई। सूचना मिलने के बाद वहां काफी भीड़ एकत्रित हो गई। रात्रि में कार को निकालने की मशक्कत की जाने लगी, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। रविवार को सुबह कार को खोजने का काम शुरू किया गया। करीब दो घटें की खोजबीन के बाद कार को तालाब से खोज लिया गया। युवकों ने ट्रैक्टर के सहारे रस्सी से खींच कर कार को बाहर निकला।

युवक की हत्या, गड्ढे में मिला शव

शाह टाइम्स संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपैरा में एक दलित युवक की हत्या का मामला प्रक. श में आया है। गांव की सीमा पर स्थित एक खंडहर में 32 वर्षीय संजय पुत्र वासुदेव सिंह का शव जमीन में दफनाया हुआ मिला। बताया कि संजय 17 जुलाई से लापता था। घटना की सूचना मिलते ही एसपी देहात डॉ0 तेजवीर सिंह घटना सील पर पहुंचे। उनके साथ सीओ अनूपशहर रामकरन सिंह और थाना प्रभारी रामफल सिंह भी मौके पर पहुंचे। जांच में सामने आया कि हत्यारों ने जमीन में गड्ढा खोदकर युवक के शव को दफना दिया था। ग्रामीणों के मुताबिक संजय जुआ खेलने का शौकीन था। घटना वाले दिन भी कई लोगों ने उसे जुआ खेलते देखा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। पुलिस मामले को गहन जांच कर रही है। शव की शिनाख्त गांव के ही संजय के रूप में हुई, जो 17 जुलाई की शाम 4 बजे से लापता था। जिसकी परिजनों ने गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी थी। जिसके बाद पुलिस और परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे थे। एसपी देहात ने कहा कि पुलिस को जांच अहम सुराग मिले है जल्द ही हत्याकांड का खुलासा होगा। कोतवाली प्रभारी रामफल सिंह ने बताया कि 20 जुलाई को तलाशी अभियान के दौरान पुलिस जब गांव के बाहरी इलाके में एक खंडहरनुमा मकान के पास पहुंची, तो वहां से तेज दुर्गंध आने लगी। इस घर का मालिक एक वाल्मीकि है, जो अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहता है। सूत्रों के अनुसार संजय को आखिरी बार इसी खंडहर की ओर जाते देखा गया था। गांववासियों का कहना है कि

कांवड़ियों पर होगी हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने अनूठी पहल की है। जिला प्रशासन सोमवार को हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करेगा। डीएम श्रुति और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह सुबह 10 से 11 बजे के बीच हेलीकॉप्टर से तीन प्रमुख शिव मंदिरों पर पुष्पवर्षा कराई जाएगी। जिसमें राज राजेश्वर मंदिर बुलंदशहर, बबस्टरगंज अनूपशहर मार्ग और अंबकेश्वर महादेव मंदिर आहार पर की जाएगी।

पेड़ लगाकर संतान जैसी हो उसकी रक्षा, चेयरमैन

कोसीकलां। श्री हरिदास शीतल छाया ट्रस्ट के तत्वाधान में रविवार को पौधरोपण किया गया। गांव सुरवारी के समीप श्री हरिदास शीतल छाया ट्रस्ट द्वारा करीब 3 एकड़ भूमि में वृद्ध आश्रम का निर्माण कराया जा रहा है। इस आश्रम में चारों तरफ प्रकृति की रक्षा और हरियाली हेतु पौधरोपण किया गया। नगर पालिका चेयरमैन चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने कहा कि मानव जीवन के लिए पेड़ संजीवनी का कार्य करता है। पेड़ लगाकर उसकी रक्षा भी अपनी संतान जैसी होनी चाहिए। पूर्व चेयरमैन रोशन लाल सौखियां ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य मानव सेवा करना है। जिसमें सैकड़ो बुजुर्गों का जीवन रक्षा के साथ उनका पोषण करना प्राथमिकता है। इस मौके पर जमुना प्रसाद मिश्रा, धर्मचंद सीमेंट वाले, गोपाल प्रसाद बंसल, संजय बृजवासी, शोभित अग्रवाल, ताराचंद, महेश जाविया, कपिल खंडेलवाल, राकेश अग्रवाल, चेतराम आदि मौजूद रहे।

योजनाओं को समयबद्ध व लक्ष्य के अनुरूप करें पूर्ण: जिलाधिकारी

ihyhHkkrA जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान सिंचाई, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी/ग्रामीण, एम्बुलेंस, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मुख्यमंत्री आवास योजना, फैमिली आईडी, 15वों वित्त आयोग ग्राम पंचायत, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2, राज्ययोजना, निपुण परीक्षा आंकलन, आपरेशन कायाकल्प, नई सड़कों का निर्माण, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, सामाजिक वनीकरण, परड्राप मोर क्राप, मनरेगा, भवन निर्माण, दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति आदि की विभागवार समीक्षा करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को योजनाओं को समयबद्व व मानक के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिये।

किसान बोले बरका ड्रेन व साइफन को साफ कराए प्रशासन

कोसीकलां। नगर के पूर्वी छोर के आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण बरका ड्रेन एवं उसकी साइफनों की सफाई न होने से परेशान हैं। आशंका है कि बरसात में जलनिकासी न होने से यहां धान ही नहीं वरन गेहूं तक की फसल की बुवाई प्रभावित हो जाती है। जिससे किसानों का बडा नुकसान होता है। उन्होंने पत्र भेजकर मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को पत्र भेजकर समस्या के निराकरण की मांग की है।

दरअसल बरसाती दिनों में यमुना की तलहटी की ओर बसे ये गांव डूब क्षेत्र में आते हैं। हरियाणा एवं यमुना की ओर से आने वाला पानी बुखरारी, बरका, खरौट, सुपाना आदि गांवों के जंगल में एकत्रित हो जाता है। जल निकासी की व्यवस्था दुरूस्त न हो तो हालात यहां भीषण हो जाते हैं। इस जलभराव से निपटने के लिए बरका ड्रेन काफी हद तक सहायक होती है। जिससे इन इलाकों में भरा पानी समय रहते निकल जाता है और फसलें बच जाती हैं। लेकिन इस बार ड्रेन की साइफन पूरी तरह चौक हैं। ड्रेन के भी हालात ठीक नहीं है। ग्राम पंचायत फालैन के प्रधान कैलाश चौधरी ने तो इस मामले को लेकर अपनी ग्राम पंचायत के गांव ही नहीं वरन आसपास के गांवों के ग्रामीणों से चर्चा की है।

बारिश के मौसम में सांस के मरीज परेशान

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। जिले में पिछले कई दिनों से हो रही कभी बारिश, नमी, धूप और तापमान में उतार-चढ़ाव सांस मरीजों पर भारी पड़ रहा है। सांस की नलियों में सूजन आ रही है। जिसके चलते सांस खींचने में दिक्कतें होने लगी हैं। वहीं बुखार, टाइफाइड समेत खांसी-जुकाम के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसमें सबसे ज्यादा इन बीमारियों के मरीज रहे। सुबह से ओपीडी में मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। पर्चा-दवा काउंटर, डॉक्टरों के कक्ष के बाहर भीड़ उमड़ी रही।

आम आदमी पार्टी ने आयोजित किया जिला कार्यकर्ता सम्मेलन

मथुरा। आम आदमी पार्टी ने जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं को संगठित करने और मजबूत करने के लिए जिला स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मथुरा में भी सम्मेलन किया गया। मथुरा में पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन धौलीप्याउ स्थित कार्यालय पर आयोजित हुआ। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्रज प्रांत के उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अश्विनी मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी का लक्ष्य भ्रष्ट व्यवस्थाओं में जकड़ी भारत माता को आजाद कराना है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि देश के प्रत्येक नागरिक को उसके मौलिक अधिकार स्वतंत्र रूप से प्राप्त हों और प्रत्येक बच्चे को राज्य की ओर से मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। सभी बच्चों को उनके घर से एक किलोमीटर के दायरे में अच्छे सरकारी स्कूल मिलें लेकिन वर्तमान सरकार शिक्षा के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही बल्कि पुराने स्कूलों को भी बन्द किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम भी अपने संगठन को मजबूत करके शिक्षा के मंदिरों की लड़ाई हेतु सड़क पर उतरा।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन की दहशत, लोगों में खौफ

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जनपद में रात में उड़ते ड्रोन का मामला चर्चा की विषय बनकर रह गई है जिससे जिले में दहशत का माहौल बना हुआ है। जिसमें पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने इस मामले को सिर्फ अफवाह बताकर ऐसे किसी भी मामले की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की बात कही है।

बताते चलें कि रामपुर जनपद में चार दिन से एक मामला तेजी से बढ़ता जा रहा है जिससे लोगों में दहशत फैल रही है। जी हां मामला रात के अंधेरे में उड़ते हुए ड्रोन का है जो रात होते ही चार दिन से लगातार जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में उड़ते हुए दिख रहे हैं जिनकी कुछ जगह वीडियो भी बनाई गई है।

लेकिन अहम बात यह है कि रामपुर पुलिस इस मामले को सिर्फ एक अफवाह बता रही है। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने मीडिया को जारी अपने बयान में कहा है कि यह अफवाह है और कुछ नहीं अगर किसी को

कुछ भी संदिग्ध दिखाई दे तो तुरंत 112 पर कॉल करें और सतर्क रहें।

उन्होंने कहा कि हमारी सम्मानित और जिम्मेदार लोगों से बराबर बात चल रही है पुलिस विभाग में सिपाही से लेकर मैं स्वयं पेट्रोलिंग कर रहा हूं। अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान नहीं दें अगर कोई संदिग्ध वस्तु दिखती है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। जबकि लोगों ने कहा है कि रातों को घरों की छत पर बैठकर

रात गुजारना पड़ रही है पहले ड्रोन नीचे आता है जब पीछा किया जाता है तो ऊपर को चला जाता है।

लोगों कहना है कि यह चोरों का ग्रुप है जो यह काम कर रहा है क्योंकि उसे दिन पहले कोतवाली टांडा क्षेत्र, थाना शहजादनगर के धमोरा और मिलक में चोरियां हुई थी। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

चोरों की आहट और ड्रोन से क्षेत्र में दहशत

मिलक /रामपुर। कोतवाली क्षेत्र के नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में रात के समय चोरों की आहट और ड्रोन कैमरों की उड़ान से लोगों में दहशत है। लोग रात को जहां जागकर पहरा दे रहे हैं, वहीं पुलिस भी पूरी तरह चौकसी बरत रही है। शनिवार की रात्रि मे नगर के नसीराबाद रेलवे लाइन के किनारे की आबादी में चोरों की आहट और ड्रोन की उड़ान से लोग दहशत में आ गए हैं ।लोगों ने पूरी रात्रि जागकर पहरेदारी की वहीं नसीराबाद के कुछ लोगों ने रेलवे लाइन के किनारे संदिग्ध लोगों को भी देखा और इसकी सूचना लोगों को जगा कर दी लोगों ने संदिग्ध लोगों का पीछा भी किया और फिर सूचना पुलिस को भी दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों से सतर्क रहने का और अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा माही नगर के बिलासपुर रोड स्थित शाहू जी नगर में पुलिस को भैंस चोरी होने की सूचना मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर जंगल से भैंस को बरामद किया। लेकिन चोर हाथ नहीं लग पाए पिछले कई दिनों से क्षेत्र में चोरों की सक्रियता से नागरिकों में दहशत का माहौल है। लोग सुरक्षा के मद्देनजर रातों को जागकर गांव में टोली बनाकर पहरा दे रहे हैं। पुलिस भी पूरी तरह निगरानी में जुटी है।

बीती रात क्षेत्र के ग्राम नवादिया और जालिफ नगला सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में चोरों की आहट व ड्रोन कैमरों की उड़ान से गांव में हल्ला मचा गया। गांव के पूरब की ओर चोरों के मौजूद होने और ड्रोन कैमरों के जरिए मकानों की टोह लिए जाने की खबर पर लोग उस ओर दौड़ पड़े। पुलिस क्षेत्र में लगातार गश्त कर लोगों को सुरक्षा का अहसास दिला रही है।

बेरुआ गांव में लकड़ी के पुल पर चलने वाले राहगीर परेशान, पक्के पुल की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी /रामपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम बेरुआ से चंद्रपुरा खुर्द गांव को जाने वाले मार्ग पर बना पक्का पुल टूटने के कारण बांस फंटी द्वारा लकड़ी का अस्थाई पुल बना दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि आने जाने वाले राहगीरों व स्कूली बच्चों को भारी कठिनाइयों का सामना करते हुए जानजोखिम में डालते हुए आना जाना पड़ रहा है। बहुत से लोगो को इस अस्थाई पुल पर ही चलने से डर भी लगता है। दोपहिया वाहन चलाने पर पूरा पुल डगमगाने लगता है वहीं ग्रामीणों ने स्थाई व पक्के पुल जल्द से जल्द बनवाने की मांग की है और कहा कि एक बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है।

मानपुर उत्तरी में 100 के.बी. का ट्रांसफार्मर फुंका, लोग बेहार

- रात के अंधेरे में चोरों का ग्रामीणों को सता रहा है डर

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। क्षेत्र के मानपुर उत्तरी में 100 के बी का ट्रांसफार्मर फुक जाने से ग्रामीणों को रात अंधेरे में काटनी पड़ रही है जिससे उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और रात के अंधेरे में ग्रामीणों को चोरों का भय भी बना हुआ है।

मानपुर उत्तरी में पिछले दो दिनों से 100 के बी का ट्रांसफार्मर फुका हुआ है जिसे बदलने के लिए बिजली विभाग गंभीर नहीं है रात के समय गांव में अंधेरा रहने से ग्रामीणों को

चोरों का भय सता रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी पनबडिया स्थित बिजली घर पर ट्रांसफार्मर न होने का बहाना बनाकर टाल रहे हैं। अपना दल एस के युवा नेता शकील अंसारी ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शीघ्र ही फूका ट्रांसफार्मर न बदले जाने पर विभाग के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है युवा नेता का कहना है की बिजली आपूर्ति के अभाव में रात के अंधेरे में ग्रामीणों को बदमाशों के आतंक से जूझना पड़ रहा है शिकायत के बाद भी बिजली विभाग इस और ध्यान नहीं दे रहा है।

उधर ऑफर अभियंता मोहन सिंह राजपूत ने बताया कि शीघ्र ही फूंका ट्रांसफार्मर बदलवा दिया जाएगा।

मसवासी क्षेत्र में थमने का नाम नहीं ले रहा है बदमाशों का आतंक

मध्य रात्रि से पूर्वी गांव में शुरू हो जाती है फायरिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। नगर सहित क्षेत्र में बदमाशों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। मध्य रात्रि से पूर्व ही गांव में बदमाश घुसने की आवाज आने लगते हैं और फायरिंग शुरू हो जाती है जिससे तमाम ग्रामीण दहशत में है पुलिस को अभी तक किसी गांव से भी बदमाश पकड़ने में सफलता नहीं मिली है। मसवासी नगर समेत आसपास के गांवो में शाम ढलते ही ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो जाती है मध्य रात्रि से पूर्व ही गांव में फायरिंग और पटाखे छोड़ने की कवायद शुरू हो जाती है। और रात्रि बारह बजे से पूर्व ही गांव में मारा और घेरों की आवाज शुरू हो जाती है। इस मामले से महिलाएं और बच्चे दहशत में है रातों-रात शोर कटने से ग्रामीणों की रात की नींद हराम हो गई है आसपास के गांव में से भी यही शोर सुनाई देता है। जिससे दहशत और बढ़ जाती है जबकि पुलिस और चौकीदार भी लगातार गश्त कर रहे हैं लेकिन बदमाशों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र के मानपुर उत्तरी बिजारखाता भूबरा मोतीपुरा खोद खानपुर उत्तरी लोहार इनायत गंज मजरा हसन शिकारपुर शिवनगर बब्बरपुरी धर्मपुर उत्तरी सेमरा लाडपुर रहमतगंज कुंदनपुर अलीगंज सीतारामपुर घोसीपुरा मुकुंदपुर हसनपुर उत्तरी मिलक नो खरीद गागन नंगली नन्हे का मजरा काजी का मजरा किशनपुर मौलागढ़ आदि गांव में बदमाशों का आतंक बना हुआ है दिन ढलते ही इन गांवों के संपर्क मार्ग सूने हो जाते हैं और ग्रामीण घरों से निकलने में कतराते हैं उधर पुलिस का कहना है की इस मामले में ग्रामीणों से अफवाहों पर ज्यादा ध्यान न देने और अपने घरों पर सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

रातों में आकाश में घूम रहे ड्रोन से डरे बच्चे, दहशत

शाह टाइम्स संवाददाता

पटवाई। रातों में आकाश में घूम रहे ड्रोन से छोटे बच्चे व परिवार डरा हुआ है। ब सोने को मजबूर हैं। रातों में आकाश में घूम रहे ड्रोन जो लाल कलर बत्ती सी जल रही है। जैसे कि एक एरोप्लेन में नीचे की तरह लाल लाइट जलती है इसी तरह ड्रोन आकाश में घूमता दिखाई दे रहा है। जिससे परिवार में छोटे बच्चे उसे देखकर डर रहे हैं रातों में सो नहीं पा रहे। वही परिवार के लोग लाठी डंडे लेकर गांव में घूम रहे हैं। ड्रोन की अफवाह यह तीन से चार दिन से गांव में अफवाह फैल रही है।

गांव में मंदबुद्धि अनजान व्यक्ति को गांव में घुसने भी ग्रामीण लोग नहीं दे रहे हैं इतना डर ड्रोन से परिवार के लोगों को हो गया है। बही ग्रामीण क्षेत्र में चर्चा है कि इन ड्रोनो से चोरियां हो रही हैं। पटवाई क्षेत्र के बकेनिया मिश्रीनगर लालपुर सूपा मदारपुर मथुरापुर , हरदासपुर , सैकड़ो गांव में ड्रोन आकाश में घूमता दिखाई दिया। तो कहीं गांव के लोगों ने आकाश में घूम रहे ड्रोन का वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वही रामपुर एसपी विद्यासागर मिश्र का कहना है कि यह

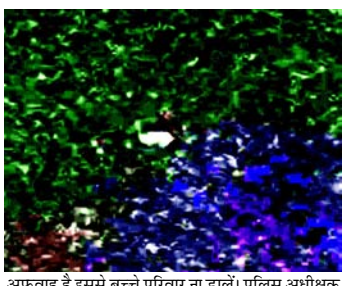

अफवाह है इससे बच्चे परिवार ना डालें। पुलिस अधीक्षक साहब ने कहा है कि सभी थाना प्रभारी चौकी इंचार्ज डायल 112 पुलिस को निर्देश दे दिए गए हैं के गांव में भ्रमण करें। अगर किसी ग्रामीण को संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है तो पुलिस की सहायता लें। स्वयं कदम ना उठाएं। वहीं उन्होंने कहा है कि इससे ना घबराए इसको पकड़ने ब खोजबीन मै पुलिस जुटी हुई है।

टांडा मार्केट के मामले में प्रशासन दिखाए सहानुभूति : डॉ. आजम

शाह टाइम्स संवाददाता

टांडा/रामपुर। सामाजिक कार्यकर्ता और यूथ आइकॉन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर आजम ने टांडा की मार्केट को बचाने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है। रविवार को ग्राम परशुपुरा में लोगों की समस्याएं सुनने पहुंचे डॉक्टर आजम ने ग्रामीणों की बात सुनी और उनके दुख-दर्द को प्रशासन तक पहुंचाने का वादा किया।

परशुपुरा में आयोजित जनसुनवाई में ग्रामीणों ने अपनी परेशानियां उन्हें गिनाईं। जलभराव, टूटी सड़कें, बिजली कटौती आदि समस्याओं से अवगत कराया।डॉक्टर आजम ने हर शिकायत को गौर से सुना और भरोसा

दिलाया कि आपकी हर बात प्रशासन तक पहुंचेगी, और समाधान के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा।

टांडा मार्केट को लेकर डॉक्टरआजम ने कहा कि यह मार्केट सिर्फ दुकानों का ठिकाना नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की रोजी-रोटी का सहारा है। अतिक्रमण के नाम पर दुकानें तोड़ना ठीक नहीं। इससे व्यापार ठप होगा, लोग बेरोजगार होंगे।उन्होंने प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि दुक. ानदारों के साथ हमदर्दी का रवैया इख्तियार करते हुए उनकी रोजी-रोटी बचाने के लिए मुनासिब कदम उठाया जाए। डॉक्टर आजम ने वादा किया कि वे जल्द ही जिले के दूसरे गाँवों में भी जाएंगे और लोगों की समस्याओं को सुनकर प्रशासन तक उनकी आवाज पहुंचाएंगे। इस अवसर पर मतलूब सैफी, विकास सिंह, मोहसिन कैफ, अब्दुल बक्र, मोहम्मद नावेद आदि मौजूद रहे।

गांव-गांव घूम कर सांसद ने सुनी जनसमस्याएं

- संगठित रहे और बच्चों को शिक्षित जरूर करें: नदवी

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने सैदनगर क्षेत्र के गांवो का भ्रमण कर लोगों की जनसमस्याएं सुनी और लोगों का आहवान करते हुए कहा कि अपने हकों के लिए संगठित रहे और अपने बच्चों की शिक्षा पर जोर दे।

सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने सैदनगर क्षेत्र के लालपुर, रूद्रपुर आदि गांवो का भ्रमण किया और लोगों की समस्याएं सुनी।

गांव रूद्रपुर में आसिफ अली और लालपुर में मौलाना यामीन अंसारी के आवास पर बैठक हुई और जनसमस्याए सुनी और लोगों ने गांव में सीसी रोड, खड़ंजा बनवाने और सोलर लाइट लगवाने की मांग की।

सांसद ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी पहली

प्राथमिकता है। क्षेत्र में अच्छे स्कूल हो, अस्पताल हो और सड़क हो, उसके लिए हमेशा प्रयास करते रहते हैं। लेकिन भाजपा लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। गरीब बच्चों को रोजगार नहीं दे रही है। जिस कारण क्षेत्र का विकास पिछड़ रहा है। सांसद के भ्रमण के दौरान रामपुर जिला पंचायत के सदस्य मुस्तफा हुसैन, नसीम मियां, मौलाना यामीन अंसारी, आसिफ अली, अरशद पाशा एडवोकेट, मास्टर अख्तर अली, नासिर अली, हाफिज नूरी, महबूब अली, डॉ. मकतूब अली, उसमान पाशा, अब्दुल्ला तुर्की, जमील अहमद, जुबैर अली, इंतखाब खां आदि लोग साथ रहे।

नाला निर्माण मानक के अनुरूप न होने पर ग्रामीणों में नाराजगी, डीएम से की शिकायत

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। क्षेत्र के बिजारखाता में अतिक्रमण ध्वस्त करने के बाद सड़क के किनारे बनाए जा रहे नाले का निर्माण मानक के अनुरूप नहीं हो रहा है नाम मात्र को ही नाला बनाया जा रहा है और उसमें भी मानक के अनुरूप सम गिरी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है।

बिजारखाता में स्वार बाजपुर मार्ग पर एक सप्ताह पूर्व अतिक्रमण ध्वस्त किया गया था। इसके बाद मार के दोनों और नाली बनाए जाने का प्रावधान है लेकिन नाले का निर्माण संकरा तरीके से किया जा रहा है। जिससे बरसात के मौसम में पानी की जल निकासी समुचित रूप से नहीं हो पाएगी और गांव में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। जिससे ग्रामीणों के मकान और दुकानों के लिए जल भराव खतरा बन जाएगा। लोक निर्माण विभाग नाले का निर्माण औपचारिक तरीके से कर रहा है जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है नाले का निर्माण भी मनमाने ढंग और विलंब पूर्वक किया जा रहा है जिससे आसपास के दुकानदारों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। दुकानदारों का कहना है कि आईसीसी का नाला कमजोर बनाया जा रहा है जिससे बरसात में पानी झेलने की क्षमता नहीं होगी और बरसात का जल भराव इधर-उधर बाहर हो जाएगा।

ग्रामीण राजू कुमार चमन मौर्य नरेश कुमार मुकेश कुमार पप्पू दिवाकर मदन कुमार गुलशन सिंह रूप किशोर महिपाल गौरव चंद्र हरि सिह आदि ने जिलाधिकारी से नाले का निर्माण गुणवत्ता पूर्वक कराई जाने की मांग की है।

कुन्डेसरा में पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला, रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

टाण्डा/रामपुर। क्षेत्र के ग्राम कुन्डेसरा में क्रिकेट मैच के पुराने विवाद के चलते शनिवार को एक युवक पर गाँव के ही कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम कुंडेसरा निवासी मोनू ने पुलिस को बताया कि वह शनिवार की रात करीब 8 बजे अपनी स्कूटी से घर जा रहा था। इसी दौरान गाँव के ही आरिफ पुत्र छुट्टन, उसके भाई अजीम उर्फ बबलू, छुट्टन पुत्र अल्लाह वक्श और शकीला पत्नी छुट्टन ने रास्ते में उसका रास्ता रोक लिया। पीड़ित के अनुसार, आरिफ के साथ उसका क्रिकेट मैच को लेकर पुराना विवाद था, जिसके चलते आरोपियों ने पहले से घात लगाकर हमले की योजना बनाई थी।

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू की और फिर लाठी, डंडों व खतरनाक पाठल से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। आरिफ के हाथ में पाठल थी, जिसके वार से वह बाल-बाल बचा, लेकिन उसे गंभीर चोटें आईं।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पीड़ित को आरो. पियों के चंगुल से बचाया। हमलावर उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित को उपचार हेतु 108 एम्बुलेंस के जरिए स्थानीय सरकारी अस्पताल लाया गया। पीड़ित ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि हमलावरों ने जानबूझकर उसकी जान लेने की कोशिश की।

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरिफ, अजीम उर्फ बबलू, छुट्टन और शकीला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्थानीय थाना प्रभारी ने कहा, हमने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संकल्प शाखा की तीज क्वीन बनी करिश्मा चाँदीवाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। संकल्प शाखा के अध्यक्ष सी.ए. सजल अग्रवाल ने बताया शाखा, ने तीज के उपलक्ष्य मे झूला महोत्सव का आयोजन किया जिसका शुभारंभ माँ भारती के समक्ष दीप प्रजवल्लन और मलायर्पण करके किया गया।

कार्यक्रम मे झूला मुख्य आकर्षण का केंद्र था जिसपर सभी सदस्यों ने झूलकर आनंद लिया और झूला महोत्सव मनाया। तत्पश्चात बच्चों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग मुस्कान और उनकी टीम ने दी। कार्यक्रम में शाखा द्वारा कराई जाने वाली शिव तांडव स्त्रोत और राधा कृपा कटाक्ष के

इश्लोक की प्रतियोगिता के बारे मे भी बताया गया। वही कविता गायन प्रतियोगिता मे प्रतिभाग करने वाले 18 बच्चों और 5 सदस्यो को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रति सक्सेना और संजना खनेजा ने किया। शाखा की महिला सदस्यो ने मनमोहक नृत्य भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम मे तीज क्वीन का चयन एक गेम के माध्यम से किया गया जिसकी रनर अप शुभांगी अग्रवाल और तीज क्वीन करिश्मा चाँदीवाला रही। तीज क्वीन को तीज बेंड और क्राउन पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सी.ए. काव्या अग्रवाल, सी.ए. अंकुर मदान, वत्सल अग्रवाल, सी.ए. शलभ अग्रवाल, पूनम पाण्डेय, कृति अग्रवाल, हेमा मदान, नेहा मित्तल, रूपल अग्रवाल, कन्नगी गुप्ता, स्वाति अग्रवाल, इंदु अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, अंशिका अग्रवाल, अंकिता बंसल आदि लोग मौजूद रहे।

हत्यारी नदी का होगा पुनरुद्धार, डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने कराया सीमांकन

- सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण
- नदी क्षेत्र के पुनरुद्धार से करीब 200 किसानों को मिलेगा लाभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। तहसील बिलासपुर के ग्राम मनिहार खेड़ा और डिबडिबा के किसानों को हत्यारी नदी के उफान की वजह से उनकी फसलों में अनावश्यक जल भराव की समस्या से निजात मिलेगा। जिलाधिकारी को तहसील बिलासपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान मनिहार खेड़ा क्षेत्र में हत्यारी नदी होने के बारे में जानकारी मिली थी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र के साथ स्थलीय निरीक्षण किया था।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा किसानों की इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुए एसडीएम बिलासपुर सहित पूरी राजस्व टीम को समाधान के लिए निर्देशित किया गया था।

नदी क्षेत्र पर अतिक्रमण और एनएचएआई द्वारा बनाए गए वाटरपास की वजह से बारिश के दौरान खेतों में अनावश्यक जल भराव की समस्या संज्ञान में आई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम बिलासपुर और बीडीओ बिलासपुर द्वारा राजस्व टीम और ग्राम पंचायत की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर राजस्व अभिलेखों के अनुसार हत्यारी नदी का सीमांकन कराया।

एसडीएम ने बताया कि नदी क्षेत्र का पुनरुद्धार कराया जायेगा ताकि भारी बारिश में खेतों से पानी नदी के माध्यम से प्रवाहित हो सके और किसानों की फसलें सुरक्षित रह सकें।

उन्होंने बताया कि करीब 200 किसानों की 400 एकड़ भूमि इस समस्या से प्रभावित हो रहा है और जिलाधिकारी के निर्देश पर नदी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के बाद इस समस्या का समाधान हो सकेगा।

सर्विस सेंटर में चोरी का खुलासा, कर्मचारी सहित चार गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना पिलखुवा पुलिस ने 8 दिन पूर्व थाना क्षेत्र के ओम साई मोटर्स में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 4 चोरों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है।

एएसपी विनीत भटनागर ने रविवार को मेरठ रोड पर स्थित रिज़र्व पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि 8 दिन पूर्व चोरों द्वारा थाना क्षेत्र के ओम साई मोटर्स में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई थी। रविवार को पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए ओम साईं मोटर्स में काम करने वाले एक कर्मचारी मोईन पुत्र आश मौहम्मद निवासी पटना मुरादपुर थाना हापुड़ देहात जनपद हापुड़, वसीम खां पुत्र

भूरे निवासी कोटला समर गार्डन थाना हापुड़ देहात जनपद हापुड़, सुमित पुत्र कन्हैया निवासी मोहल्ला सोटावाली सोनपुर थाना हापुड़ देहात जनपद हापुड़ और साहिल पुत्र महबूब निवासी पटना मुरादपुर थाना हापुड़ देहात जनपद हापुड़ को मसौता रोड, रेलवे लाइन के पास से गिरफ्तार किया गया है। चोरों के कब्जे से चोरी की 8 बैटरी, ट्रक के 4 टायर रिम सहित, 5 रिम, बोल्ट खोलने वाली एक मशीन व घटना में प्रयुक्त बुलेरो पिकअप बरामद की है। पुलिस पूछताछ में ओम साई मोटर्स में काम करने वाले आरोपी मोईन ने बताया कि वह टाटा सर्विस सेन्टर में काम करता था और वह और उसके साथी शराब पीने के आदी है। आरोपी ने बताया कि अपने शौक पूरे करने के लिए कुछ दिन पहले अपने साथियों के साथ मिलकर टाटा सर्विस सेंटर नियर रामा अस्पताल पिलखुवा से यह सारा सामान चोरी किया गया था। फिलहाल पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की घटना का खुलासा कर दिया है।

एएसपी ने कांवड़ शिविर का किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पुलिस ने श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए एक और कदम उठाया है। जिसके चलते थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के साइलो-2 चौकी पर एक विशेष कांवड़ शिविर शुरू किया गया है।

श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में, थाना हापुड़ देहात क्षेत्र की साइलो-2 चौकी पर कांवड़ियों की सेवा के लिए एक शिविर का उद्घाटन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने फीता काटकर किया। शिविर का उद्घाटन करने के बाद एएसपी विनीत भटनागर ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और सभी श्रद्धालुओं की मंगल यात्रा व सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचने की कामना की। उन्होंने

पुलिसकर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिवभक्तों की सेवा को सबसे ऊपर रखा जाए। कांवड़ियों को हर संभव सहायता जैसे चिकित्सा सुविधा, जल वितरण और विश्राम की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। हापुड़ पुलिस द्वारा लगाए गए इस शिविर में हर दिन बड़ी संख्या में शिवभक्त आ रहे हैं, जिन्हें जलपान, प्राथमिक उपचार और आराम की सुविधाएँ मिल रही हैं। हापुड़ पुलिस का यह प्रयास न केवल उनकी प्रशासनिक तत्परता को दर्शाता है, बल्कि श्रद्धालुओं के प्रति उनके मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण को भी उजागर करता है।

दो पक्षों में हुई मारपीट के मामले में आठ आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना देहात क्षेत्र के गांव असौड़ा में पिछले कई दिनों से चल रही दो पक्षों की लड़ाई शनिवार रात को फिर भड़क उठी जिसके बाद जमकर संघर्ष हुआ। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

थाना हापुड़ देहात पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने धनौरा कट के पास से आठ आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरो. पियों के पास से लोहे की रॉड और तीन डंडे बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी असौड़ा गांव के मोहल्ला पीर वाला के रहने वाले हैं, जिनकी पहचान जुल्फिकार, चांद, सरताज, अफजाल, आसिफ, चांद, सलमान

और हारून के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार इन आरोपियों ने शनिवार रात को एक घर में घुसकर पीड़ित के मकान में रखे फ्रिज, कूलर आदि में तोड़फोड़ की और परिवारजनों के साथ मारपीट भी की थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में आठ आरो. पियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल बने डॉक्टर यूनुस व रेहान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। श्रावण मास की सबसे पवित्र और विशाल धार्मिक यात्राओं में से एक कांवड़ यात्रा है जिसमें लाखों शिवभक्त हरिद्वार से जल लेकर पैदल चलते हुए अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हैं। ऐसे समय में जब भीषण गर्मी और थकावट भक्तों को परेशान करती है तब कुछ लोग बिना किसी धार्मिक भेदभाव के सिर्फ इंसानियत के नाते उनकी सेवा में लग जाते हैं।

हापुड़ के थाना हाफिजपुर क्षेत्र अंतर्गत सोना पेट्रोल पंप पर ऐसा ही एक दृश्य देखने को मिला जहां मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले डा. यूनुस खान और डा. रेहान खान ने निरूस्वार्थ भाव से शिवभक्तों की सेवा करके हिंदू-मुस्लिम एकता की एक बेहत. रीन मिसाल पेश की। दोनों डॉक्टरों द्वारा लगाए गए चिकित्सा शिविर में श्रद्धालुओं को मुफ्त प्राथमिक उपचार, मरहम-पट्टी, दर्द निवारक दवाइयाँ, थकावट दूर करने वाले स्प्रे व अन्य जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। डा. यूनुस का कहना है कि हम शिवभक्तों की सेवा को अपना सौभाग्य मानते हैं। यह केवल चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि एक आत्मिक शांति का अनुभव है। जब हम थके हुए भक्तों को राहत देते हैं और उनके चेहरे पर संतोष की मुस्कान देखते हैं, तो लगता है कि इंसानियत का असली मतलब यही है। डा. रेहान ने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ इलाज देना नहीं, बल्कि यह भी दिखाना है कि यह देश मोहब्बत और भाईचारे से चलता है। शिवभक्तों की सेवा

करके हम सांप्रदायिक सौहार्द का एक छोटा सा प्रयास कर रहे हैं। इन दोनों डॉक्टरों की पहल की स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और आम नागरिकों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। मुस्लिम डॉक्टरों द्वारा शिवभक्तों की सेवा इस बात का प्रतीक है कि जब सेवा, करुणा और समर्पण को धर्म से ऊपर रखा जाता है, तो समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव अपने आप जन्म लेता है।

महर्षि कश्यप संस्था ने कांवड़ शिविर का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। महर्षि कश्यप निषाद युवा जागृति संस्था ने कांवड़ शिविर का आयोजन किया। महर्षि कश्यप निषाद युवा जागृति संस्था के पदा. धिकारियों ने बुलंदशहर रोड स्थित अपने कार्यालय पर एक कांवड़ शि. विर का उद्घाटन किया। इस शिविर का शुभारम्भ समाजसेवी महावीर सिंह आर्य ने किया।

एडवोकेट विनीत कश्यप ने बताया कि यह शिविर कई वर्षों से लगता आ रहा है और यहां शिवभक्तों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहती है। इन सुविधाओं में मेडिकल सहायता ठहरने की व्यवस्था और प्रसाद शामिल हैं, जो शिवभक्तों के लिए हर समय मौजूद रहती हैं। समाजस. वी महावीर सिंह आर्य ने इस

अवसर पर कहा कि शिवभक्तों की सेवा करने में बड़ा आनंद आता है और यह शुभ कार्य सभी के सहयोग से संपन्न होता है। इस मौके पर विनीत कश्यप, डा. हरीश कश्यप, पवन कश्यप, बुद्ध प्रकाश कश्यप, दीपक, राहुल त्यागी, अनिल कश्यप, जय भगवान कश्यप, हरिदत्त शर्मा, अशोक गोड, दिनेश सैनी, प्रणव कौशिक गौरी, विवेक मूलचंद शर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अपना घर आश्रम में मनाया डा. चंद्रपाल शर्मा का जन्मदिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुवा। नगर के अपना घर आश्रम में प्रख्यात साहित्यकार डा. चंद्रपाल शर्मा के 88वें जन्मदिवस पर साहित्यिक गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर उनके पुत्र विकास शर्मा द्वारा भारतीय काव्य पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन किया गया, जो उन्होंने अपने पिता को समर्पित की है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनानाथ ने की जबकि मंच संचालन अंशुल मित्तल और रामावतार शर्मा ने किया। वक्ताओं ने डा. शर्मा के व्यक्तित्व, उनके साहित्यिक योगदान और सामाजिक दृष्टिकोण पर विचार रखे। अंशुल मित्तल ने कहा कि डा. शर्मा का जीवन नगर की सांस्कृतिक धरोहर है। विकास शर्मा ने उनके सादगीपूर्ण जीवन और चिंतनशीलता को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में वंदना शर्मा सहित परिजन व अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एक नजर

युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना धौलाना पुलिस ने धारदार हथियार से जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कैंची बरामद की है।

थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि थाना धौलाना पुलिस ने युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे आरोपी आसिफ पुत्र आरिफ निवासी मोहल्ला काजीवाडा कस्बा व थाना धौलाना जनपद हापुड को गन्ना समिति के पास से गिरफ्तार किया है जिस पर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दलित किशोरी का अपहरण करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने दलित किशोरी का अपहरण करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज बालियान ने बताया कि दो दिन पूर्व थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति द्वारा थाने पर मुकदमा दर्ज कराया गया था कि गांव का ही रहने वाला एक युवक उसकी नाबालिग पुत्री को शादी करने के बहाने बहला फुसलाकर उसका अपहरण कर ले गया। संबंधित मामले में पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई थी। रविवार को पुलिस ने दलित किशोरी का अपहरण करने के मामले में फरार चल रहे हैं आरोपी शहबू पुत्र रहीस कुरैशी निवासी कस्बा व थाना बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ को उसके मस्कन से गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अवैध तमंचे के साथ संदिग्ध युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अन्तर्गत थाना बाबूगढ पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा स्थाना रोड़ रसूलपुर नहर पटरी के पास चेकिंग की जा रही थी तभी पुलिस को एक संदिग्ध युवक आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस उसे थाने ले आई। पुलिस के मुताबिक संदिग्ध युवक की पहचान निशान्त कुमार पुत्र जयभगवान निवासी मोहल्ला आजमतारा थाना बीबीनगर जनपद बुलन्दशहर को गिरफ्तार किया गया है। संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बना किशोरी को प्रेम जाल में फसाकर अश्लील फोटो वीडियो बनाकर की वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। सोशल मीडिया पर छात्रा से दोस्ती कर हैक कर ली आईडी, पीड़िता के अश्लील फोटो तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल किए। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी पुत्री उम्र करीब 14 वर्ष कक्षा नौ में पढ़ाई कर रही है। पुत्री अपनी पढाई फोन के माध्यम से भी करती है। पुत्री ने इंस्टाग्राम आईडी पर करीब सात दिन पूर्व किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपनी इंस्टाग्राम आई डी दोस्ती करने के लिए मैसेज भेजा। उनकी पुत्री ने उसकी दोस्ती को स्वीकार कर ली। अज्ञात व्यक्ति ने अपना नाम बताया दोनों बाते करने लगे। इस दौरान आरोपी ने उसकी बेटी को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उसको बहला फुसला कर अश्लिल बाते करने लगा। उसके बाद आरोपी उसकी बेटी से मिलने को लेकर ब्लेक मैल करने लगा। उनकी बेटी ने मिलने से मना किया तो आरोपी ने उसकी आईडी हैक करकेनोटो व विडियो चोरी की ली। उसके बाद अश्लिल फोटो व विडियो बनाकर वायरल कर दी है। विरोध करने पर आरोपी ने उनको परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

चक्कर आने पर कांवड़िए के सिर में लगी चोट, चौकी प्रभारी ने कराया इलाज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र के साइलो प्रथम चौकी प्रभारी ने कावड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त मदन को चक्कर आने से सिर में चोट लगने के बाद उनकी सहायता कर मानवता का परिचय दिया है।

जानकारी के अनुसार बुलंदशहर के ककोड़ थाना क्षेत्र के ग्राम वहर निवासी कांवड़िया मदन अपने साथी टिंकू के साथ गंगाजल लेकर अपने गांव लौट रहे थे। हापुड़ की आवास विकास कॉलोनी में मंदिर के पास अचानक उन्हें चक्कर आ गया और वह गिर पड़े जिससे उनके सिर में चोट लग गई। घटना की सूचना मिलते ही साइलो प्रथम चौकी प्रभारी आशीष रस्तोगी उपनिरीक्षक लीलाराम मीणा और हेड कांस्टेबल रवीश तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बिना देर किए घायल मदन को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ। उपचार के बाद पुलिस ने मदन को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए निजी वाहन की व्यवस्था की। चौकी प्रभारी आशीष रस्तोगी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह तत्पर है। इस घटना ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता को उजागर किया है।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी तीर्थ नगरी, उमड़ी भक्तों की भीड

रोबिन शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर। रविवार की सुबह से गंगानगरी में कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। गंगा पार के जनपदों से शिवभक्तों का पहला बड़ा आगमन हुआ। कांवड़ियों की संख्या को बढ़ता देख कर गंगा नगरी और आस पास की सुरक्षा व्यवस्था को भी दुरुस्त कर दिया गया है।

गंगा पार के बरेली, मुरादाबाद, संभल, बहजोई व अन्य जिलों से हजारों शिवभक्त ब्रजघाट पहुंचे। हाईवे से लेकर गंगा नगरी का कोना-कोना भोले के जयकारों से गूंज उठा। हाईवे से लेकर कांवड़ पटरी पर शिवभक्तों का कारवां अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा है। रंगबिरंगी कांवड़ को देखने के लिए हाईवे के दोनों तरफ लोगों की भीड़ जुट रही है। गंगा की नगरी में भक्ति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। हर कोई भोले की भक्ति में लीन होकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा है। वहीं, हाईवे पर कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए पुलिस भी चप्पे-चप्पे पर तैनात है। दोपहर बाद कांवड़ियों की वापसी भी शुरू हो गई। कांवड़ यात्रा के समापन में अब केवल पांच दिन शेष रह गए हैं। परिणामस्वरूप दूर जाने वाले कांवड़ियों की वापसी अगले दो दिनों में हो जाएगी। उसके बाद केवल आस पास के जनपदों के कांवड़िए शेष रह जाएंगे। सोमवार को जलाभिषेक के लिए नगर के नक्का कुआं, कल्याणपुर के कल्याणेश्वर, दत्तियाना के भूतेश्वरलाल शिव मंदिर के साथ ही ग्रामीण अंचलों के विभिन्न मंदिरों

की समितियों ने तैयारी पूरी कर ली हैं। ताकि मंदिर आने वाले शिवभक्तों को कोई परेशानी न हो। गढ़ पुलिस शिव भक्त कांवड़ियों को सुरक्षा देने के साथ साथ उनकी सेवा भी करती नजर आ रही है। कोतवाली प्रभारी नीरज कुमार ने कहा कि सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस ने कनमानियों की सेवा करके एक नई शुरुआत की है। कावड़ यात्रा को चेक कुशल संपन्न करवाने के लिए पुलिस कर्मचारी दिन-रात प्रयासत हैं।

ड्रोन उड़ने के बाद घरों से नकदी व जेवर ले गए बदमाश

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। सिंघावली थाना क्षेत्र के के गांव माधापुर में चार घरों से लाखों के जेवर नगदी पर बदमाशों ने हाथ साफ कर दिया। इस दौरान दो मकानों में जाग होने पर शोर मचाने पर आरोपी ने दो वृद्ध महिलाओं पर हमला कर दिया। आरोपी मकान पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गए।

ग्रामीणों के अनुसार घटना से पहले घटना स्थल के आस पास ड्रोन उड़ाए गए थे, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने से पहले ड्रोन से निगरानी की गई है। पीड़ित लोगों ने थाने पहुंच कर घटना की तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सिंघावली के माधापुर निवासी रामकुमार त्यागी ने बताया कि वह यूपी पुलिस से मार्च माह में रिटायर हुआ हैं। उनके परिवार में उनकी पत्नी मुनीश त्यागी और चिंकू त्यागी शनिवार की रात को सोए हुए थे। शनिवार की रात को चोरों ने मकान के ऊपर के हिस्से में चोर ताला काट कर सेफ से सोने चांदी के जेवर समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। इस दौरान उनकी पत्नी की आंख खुली तो आरोपी कमरे में झाड़ू से हमला कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि उनके अलावा मनोज त्यागी के घर से करीब सवा लाख की नकदी समेत लाखों रुपये कीमत के जेवर ले लिए। इस दौरान उनकी ताई जागी तो राजबाला पर हमला कर फरार हो गए। जबकि मूलराज और सुरेंद्र के घर से लाखों रुपये कीमत के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीण स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे और जानकारी के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने एकत्र होकर थाने पहुंचने पर पुलिस से घटना का पर्दाफाश करने की मांग करते हुए बताया कि पहले आस पास में ड्रोन कैमरों को उड़ाया गया था। इसको देखकर ग्रामीण भी दंग रह गए जिसके कुछ घंटों के बाद ही इस प्रकार की घटना हो गई। उन्होंने शीघ्र ही घटना का पर्दाफाश न होने पर घेराव की चेतावनी दी है। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। पुलिस दिन रात कांवड़ यात्रा में लगी हुई है। शीघ्र ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

पति समेत ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गांव आलमनगर निवासी कोमल ने बताया कि उसकी शादी 4 मार्च 2017 को भरत निवासी निवासी गांव सलारपुर के साथ हुई थी। शादी होने बाद उसने दो बेटियों को जन्म दिया। लडकी होने पर सास लोकेश , ससुर पितम्बर व पति भरत और देवर गौरव व कल्लू नन्द रिना मारपीट करते रहे। पीड़ित ने बताया थाने में तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की। पुलजिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दलित किशोरी को शादी का झांसा देकर अपहरण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने पड़ोसी गांव निवासी दूसरे समुदाय के युवक पर बेटी को शादी का झांसा देकर अपहरण करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि गांव निवासी व्यक्ति ने दर्ज कराई रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि वह शनिवार को किसी कार्य से बाहर गया था। कुछ देर के बाद जब वह वापस आया तो देखा कि उसकी नाबालिक बेटी घर पर नहीं थी। पीड़ित ने बेटी को तलाश किया तो वह पड़ोसी गांव निवासी दुसरे समुदाय के युवक के घर पहुंचा तो देखा कि उसकी बेटी वहां पर रो रही थी। बेटी को देखकर उसने बेटी को वहां से लेकर थाने पहुंचा। बेटी ने बताया कि आरोपी उसको शादी का झांसा देकर घर से बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया हैं।

गिल के निशाने पर 19 साल पुराना रिकॉर्ड

● **मैनचेस्टर में मोहम्मद यूसुफ को छोड़ देंगे पीछे भारतीय टेस्ट कप्तान**

मैनचेस्टर, वार्ता। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू होने वाले मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एक तरफ भारतीय टीम की नजरें सीरीज में बराबरी हासिल करने पर टिकी होंगी, वहीं गिल के पास 19 साल पुराना एशियाई रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा।

गिल के पास इंग्लैंड में एक द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बनने का मौका है। गिल फिलहाल शानदार फार्म में चल रहे हैं और उनके पास यह रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा अवसर है। फिलहाल इंग्लैंड की धरती पर एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज का रिकॉर्ड मोहम्मद यूसुफ के नाम है जिन्होंने 2006 में पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे पर चार मैचों में 90.14 के औसत से 631 रन बनाए थे। गिल इस मामले में यूसुफ को पीछे छोड़ने से 25 रन दूर हैं। गिल ने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर गिल ने तीन मैचों में 101.16 के औसत से 607 रन बनाए हैं जिसमें बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 269 रन का स्कोर शामिल है।

गिल ने पहले दो मैचों में बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया था, लेकिन लाड्र्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में उनका बल्ला खामोश रहा और वह 16 तथा 6 रन की पारी ही खेल सके थे। भारत को लाड्र्स टेस्ट में 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा था और टीम फिलहाल पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई है। भारतीय टीम अब आठ दिनों के अंतराल के बाद बुधवार से इंग्लैंड का सामना करने उतरेगी।

चौथे टेस्ट से पहले अंशुल टीम में

● **इंडिया-ए में खेल चुके अंशुल कंबोज पेसर आकाश दीप और अर्शदीप के चोटिल होने के बाद हुआ बदलाव**

ओल्ड ट्रैफर्ड, वार्ता। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है। आकाश दीप कमर में दर्द से जूझ रहे हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में खेले थे, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। टेस्ट सीरीज से पहले खेले गए इंग्लैंड लायंस और इंडिया-ए सीरीज में कंबोज शामिल थे। आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है, जबकि अर्शदीप के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध होने की संभावना कम है। इसलिए सिलेक्टर्स ने कंबोज को टीम में शामिल करने का फैसला किया है। अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बालिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच टेन डोश्चेट ने बताया था कि बालिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टि प्रैक्टिस सेशन में यशस्वी जायसवाल को गेंदबाजी करने जाते अर्शदीप(हाथ में बाल)। अर्शदीप इसी दौरान चोटिल हुए थे।

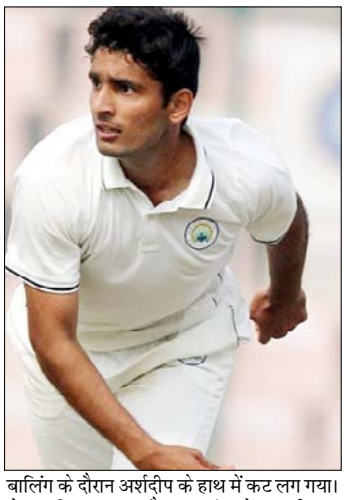

लाड्र्स में इंग्लैंड विमेंस ने भारत को हराया, सीरीज 1-1 से बराबरी पर

● **चेस्टर-ले-स्ट्रीट में होगा सीरीज का निर्णायक मुकाबला**

लाड्र्स, वार्ता। लाड्र्स में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड विमेंस टीम ने भारत को 8 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लिश टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

बारिश की वजह से मैच देर से शुरू हुआ और दोनों टीमों के लिए ओवर घटाकर 29-29 कर दिए गए। भारत ने निर्धारित 29 ओवर में 8 विकेट खोकर सिर्फ 143 रन बनाए। वहीं, बारिश की वजह से इंग्लैंड को 24 ओवर में 115 रन का टारगेट दिया गया। इंग्लैंड ने 21 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 116 रन बना कर टारगेट को हासिल कर लिया। भारत और इंग्लैंड विमेंस के बीच लाड्र्स में खेले गए दूसरे वनडे मैच बारिश की वजह से बाधित रहा। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी भारत की खराब शुरुआत टास हारकर बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। भारत का पहला विकेट 6 रन पर ही आउट हो गई। दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर एम अर्लाट ने प्रतीका रावल को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। रावल ने 10 गेंदों का सामना कर 3 रन बनाए।

उसके बाद स्मृति मंधाना और हरलीन देओल ने भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी हुई। इस पार्टनरशिप को 10वें ओवर में सोफी एकलेस्टोन ने तोड़ा। उन्होंने 46 के स्कोर पर देओल को अपनी ही गेंद पर कैच पकड़कर आउट किया। देओल ने 24 गेंदों का सामना कर 16 रन बनाए। इसके बाद कोई बड़ी साझेदारी नहीं हुई। हालांकि मंधाना एक छोर पर डटी रही लेकिन दूसरे छोर से एक्लेस्टोन ने हरलीन के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत (7) को भी चलता किया।

जेमिमा रोड्रिग्स (3) और रिचा घोष (2) भी जल्दी पवेलियन लौट गयी। जिससे भारतीय टीम का स्कोर एक विकेट पर 46 रन से पांच विकेट पर 72 रन हो गया। मंधाना ने 51 गेंदों पर 42 रन बनाए। उसके बाद दीप्ति शर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने इस दौरान अरुंधति रेढी (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 26 रन की साझेदारी की। दीप्ति ने 34 गेंदों पर नाबाद 30 रन की पारी खेल भारत का स्कोर 29 ओवर के बाद 8 विकेट के नुकसान पर 143 रन तक पहुंचाया। शुरुआत में इंग्लैंड को 29 ओवर में 144 रन का लक्ष्य प्राप्त करना था।

प्रिया मलिक ने फ्रीस्टाइल में जीता रजत पदक

● **फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया को ब्राजील की खिलाड़ी के खिलाफ 4-3 से मिली हार**

बुडापेस्ट, वार्ता। दो बार की वर्ल्ड कैडेट्स चैंपियन प्रिया मलिक ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 76 किग्रा फीस्टाइल कैटेगरी में रजत पदक जीता। हंगरी के बुडापेस्ट में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया मलिक को ब्राजील की थामिरेस मार्टिन्स माचाडो के खिलाफ 4-3 के बेहद करीबी अंतर से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय पहलवान ने टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टरफाइनल में रियो 2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कजाकिस्तान की एलमिरा सिजदिकोवा को 7-2 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में वैलेरिया ट्रिफोनोवा पर 11-1 की जबरदस्त जीत दर्ज की। हमवतन मनीषा ने 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। जहां कांस्य पदक मुकाबले में मनीषा ने क्रिस्टिना को 9-0 से पटखनी देकर जीत हासिल की। क्वार्टरफाइनल में मनीषा को अमीना टंडेलोवा से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा था,

लेकिन उन्होंने रेपचेज राउंड के जरिए वापसी करते हुए फ्रांस की ओलंपियन अमेलिन डोआरे को 8-2 से हराया। वहीं, नॉर्डिक सिस्टम के तहत 55 किग्रा वर्ग में खेल रहीं पुष्पा को अमेरिका की क्रिस्टेल नोएल रोड्रिगेज और कनाडा की वर्ल्ड चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता कार्ला गोडिनेज से हार का सामना करना पड़ा। ग्रीको-रोमन कुश्ती में करण कांबोज (87 किग्रा) क्वालिफिकेशन से, अंकित गुलिया (72 किग्रा) प्रीक्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। जीते गए पदकों के साथ भारत के पदकों की संख्या आठ हो गई है।

जिसमें तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

संक्षिप्त खेल समाचार

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत पाक मैच रद्द

बर्मिंघम, वार्ता। शिखर धवन सहित भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के कारण बर्मिंघम में रविवार को डब्ल्यूसीएल में भारत और पाक के बीच खेला जाने वाला वेटरन्स क्रिकेट मैच रद्द कर दिया गया है। धवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने बयान का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया जिसमें लिखा कि यह औपचारिक रूप से दोहराया जाता है कि श्री शिखर धवन आगामी डब्ल्यूसीएल में पाक टीम के खिलाफ किसी भी मैच में भाग नहीं लेंगे। यह चर्चा 11 मई 2025 को कॉल और व्हाट्सएप पर हमारी बातचीत के दौरान पहले ही हो चुकी थी। हमारी वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और भारत-पाक के बीच मौजूदा तनाव को देखते हुए, श्री धवन और उनकी टीम ने उचित विचार -विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है।

जिम्बाब्वे ने रग्बी विश्वकप 2027 के लिए क्वालीफाई किया

कंपाला, वार्ता। जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय 15एस रग्बी टीम, सैबल्स ने रग्बी अफ्रीका कप के रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी नामीबिया को 30-28 से हराकर रग्बी विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

कंपाला के मंडेला नेशनल स्टेडियम में कप्तान हिल्टन मुदा. रिकी की अगुवाई वाली जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन कर जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया।

क्रिकेट दुनिया के 23 देशों तक फैला

● **टेस्ट खेलने वाले केवल 12 31 लीग में भारत का कनेक्शन, भारत के बाद अमेरिका में सबसे ज्यादा लीग**

नई दिल्ली, वार्ता। फ्रेंचाइजी क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। यह दुनिया में कहीं भी खेला जा रहा हो, इसका भारत से कनेक्शन जरूर है। आईपीएल ने न सिर्फ सबसे सफल टूर्नामेंट के रूप में खुद को स्थापित किया है बल्कि अपनी सफलता से पूरी दुनिया की क्रिकेट अर्थव्यवस्था को नया रूप दिया है।

भारत के सक्रिय क्रिकेटर भले विदेशी लीग में खेलने से वंचित हैं, लेकिन भारतीय ब्रांड्स, कंपनियां, ब्राडकास्टर, पूर्व क्रिकेटर्स, अभिनेता बड़े पैमाने पर विदेशी लीग में किसी न किसी रूप में जुड़े हैं। किसी ने लीग में पैसा लगाया है, तो किसी ने टीमें खरीदी हैं। कोई ब्रांड एंबेसडर है तो कोई कमेंट्री कर रहा है। वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के अनुसार, दुनियाभर में 48 क्रिकेट लीग होती हैं। इनमें से 31 में भारत का कनेक्शन है। कुछ लीग में आईपीएल फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक है तो किसी लीग में भारत के पूर्व क्रिकेटर या फिर भारतीय मूल के क्रिकेटर खेल रहे हैं।

एक चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में क्रिकेट इतना लोकप्रिय नहीं है और शुरुआती स्तर पर है। लेकिन, वहां 11 क्रिकेट लीग खेली जाती हैं। इससे ज्यादा लीग सिर्फ भारत (21) में होती हैं। दुनिया की इन 31 लीग में भारतीयों की किसी न किसी रूप में भूमिका रही है।

खो-खो ने वैश्विक स्तर पर बढ़ाया कदम, सिंगापुर में किया पदार्पण

सिंगापुर, वार्ता। भारत के सबसे पुराने देसी खेलों में से एक, खो-खो को वैश्विक मंच पर ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, इस खेल ने आज सिंगापुर में अपना पदार्पण किया। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी मैच खेला गया जिसमें सिंगापुर की राष्ट्रीय टीम ने पहली बार हिस्सा लिया और उसका मुकाबला मलेशिया की टीम से हुआ, जो भारत में आयोजित खो-खो वर्ल्ड कप 2025 के उद्घाटन संस्करण में भी भाग ले चुकी है। यह ऐतिहासिक आयोजन एशियन खो-खो फेडरेशन (एकेकेएफ) द्वारा, खो-खो एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर (केकेएएस) के सहयोग से, जुरोंग वेस्ट सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया।

विराट कोहली-अनुष्का शर्मा को फिल्म महावतार नरसिम्हा दिखाने की जताई इच्छा

मुंबई, वार्ता। फिल्म निर्देशक अश्विन कुमार ने विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को अपनी आने वाली फिल्म महावतार नरसिम्हा दिखाने की इच्छा जतायी है।

फिल्म महावतार नरसिम्हा के निर्देशक अश्विन कुमार ने कहा है कि वह चाहते हैं विराट कोहली और अनुष्का शर्मा उनकी फिल्म महावतार नरसिम्हा जरूर देखें। उन्होंने दोनों को 'नए समय के प्रेरक' और आज के युवाओं के लिए मिसाल बताया है। अश्विनी कुमार ने कहा कि महावतार नरसिम्हा की टीम की तरफ से मैं सच में चाहूंगा कि विराट और अनुष्का भी यह फिल्म देखें, क्योंकि वे आज के समय के बड़े असरदार लोग हैं और अब भक्ति की राह से भी जुड़े हैं। उन्हें अब ईश्वरीय शक्ति की अहमियत का भी एहसास है, इसलिए वे आज के युवाओं के लिए एक बड़ी मिसाल बन सकते हैं।

अश्विनी कुमार ने कहा कि इस फिल्म का मकसद सिर्फ फिल्म बनाना नहीं है, बल्कि इसे ऐसा काम बनाना है जो युवाओं के दिल में भक्ति और समझ जगाए। उन्होंने यह भी बताया कि वह इसे पूज्य श्री प्रेमानंद महाराज जी को दिखाना चाहते हैं, जिनकी बातों से उन्हें इस फिल्म को बनाने का बड़ा हौसला मिला।उन्होंने कहा, यदि हम विराट-अनुष्का को यह फिल्म दिखा सकें और उन्हें बुला सकें, तो वह हमारे लिए बहुत बड़ी कृपा होगी।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आस्ति वसूली शाखा- गाजियाबाद
ई-52 बी, सेक्टर- 09, नोएडा- 201301,
फोन नं. 0121-3295465, ई-मेल- arb.ghaziabad@bankofindia.co.in

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना
परिशिष्ट- IV-A
नियम 8(6) एवं 9(1) के प्रावधानों के तहत

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) एवं नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की ई-नीलामी बिक्री

आम जनता को तथा विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां, जो बैंक ऑफ इंडिया के पास बंधक/ दृष्टिकोण/प्रभारित हैं, जिनका रचनात्मक/भौतिक कब्जा बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, उन्हें "जहां है जैसा है", "जो है जैसा है" तथा "जो कुछ भी है" के आधार पर **08.08.2025 को (समय 11:00 पूर्वाह्न से 5:00 अपराह्न तक)** बेचा जाएगा।
ईएमडी/दस्तावेजों को ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 08.07.2025 है। इच्छुक खरीदार को अपना नाम www.baanknet.com पोर्टल पर पंजीकृत करवाना होगा और ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी ऑनलाइन जमा करवाना होगा।
बेची जाने वाली संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है: वसूल की जाने वाली राशि (प्रतिभूत ऋण) और कब्जे का विवरण भी नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित है।

क्र. सं.	शाखा का नाम तथा खाता/कर्जदार का नाम	संपत्ति का विवरण और स्वामी	मांग सूचना की तिथि/ बकाया तथा कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य ईएमडी बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की तिथि तथा राशि	अधिकृत प्राधिकारी का नाम तथा मोबाइल नं.
1.	**मैसर्स जी.आर.डी. फूड्स** मिनी इंडस्ट्रियल इस्टेट, निकट नगर पंचायत कार्यालय जहानाबाद, तहसील-अमरिया, जिला-पीलीभीत, यू.पी- 262122. **2. श्री सतेंद्र कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय धर्मेंद्र नाथ गुप्ता** मकान नंबर 62, मोहल्ला डोरी लाल निकट रंगी लाल चौराहा पीलीभीत, यू.पी-262001 **3. श्री अवनीश कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश राजपूत** 70-कुंवर गढ़, बाग गुल शेर खां, दूधिया मंदिर रोड लेखराज चौराहा पीलीभीत, यू.पी 26200 **नोट: लॉट नंबर 1, लॉट नंबर 2 की बिक्री के बाद या दोनों को एक साथ बेचा जाएगा।**	**लॉट 1.** लीजहोल्ड प्लॉट नंबर- A1 से A8 और C1 से C9, मिनी औद्योगिक क्षेत्र, नगर पंचायत जहानाबाद, तहसील और जिला- पीलीभीत से सटे श्री सतेंद्र कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय धर्मेंद्र नाथ गुप्ता के नाम पर ईक्यूएम- **क्षेत्रफल-** 2288.58 वर्ग मीटर **(470.82+1817.76)** **सर्वे/प्लॉट संख्या A-1, B-2, C-8, C-9** सी/ओ मिनी इंडस्ट्रीज एस्टेट, नगर पंचायत कार्यालय के पीछे, जहानाबाद, पीलीभीत, माप- 470.82 वर्ग मीटर। **सर्वे नं./ प्लॉट सं.- A-1 और A-2:** पूर्व: प्लॉट नं. A-3, पश्चिम: पार्क उत्तर: मिनी इंडस्ट्रियल रोड, दक्षिण: नगर पंचायत कार्यालय की सीमा **सर्वे नं./ प्लॉट नं.- C-8 और C-9:** पूर्व: मिनी इंडस्ट्रीज एस्टेट रोड, पश्चिम: कच्चा तालाब, उत्तर: प्लॉट सं.- सी-7, दक्षिण: मिनी इंडस्ट्रीज एस्टेट रोड **सर्वे/प्लॉट सं. A-3 से A-8 और C-1 से C-7** सी/ओ मिनी इंडस्ट्रीज एस्टेट, नगर पंचायत कार्यालय के पीछे, जहानाबाद, पीलीभीत, माप- 1817.76 वर्ग मीटर पूर्व: मिनी इंडस्ट्रीज एस्टेट रोड, पश्चिम: कच्चा रोड, उत्तर: मिनी इंडस्ट्रीज एस्टेट रोड, दक्षिण: नगर पंचायत कार्यालय की सीमा	29.05.2014/ रू. 1,16,20,249.00 तिथि 29.05.2014 तक तथा भावी अप्रभारित ब्याज, लागत व्यय तथा अन्य आकस्मिक प्रभार आदि भौतिक कब्जा	रू. 86.92 लाख, रू. 8.70 लाख रू. 0.87 लाख	08.08.2025 सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक	कैलाश कुमार सागर 9506722936
		लॉट 2. प्लॉट नं. A-1, A-2, C-8, C-9 एवं A-3 से A-8 एवं C-1 से C7, मिनी औद्योगिक एस्टेट, नगर पंचायत कार्यालय के पीछे, जहानाबाद, पीलीभीत (उ.प्र) में स्थित प्लांट और मशीनरी का दृष्टिबंधन, जो मेसर्स जी.आर.डी. फूड्स के स्वामित्व में है।		रू. 12.45 लाख, रू. 1.25 लाख, रू. 0.13 लाख,		

नियम एवं शर्तें:
1. यह नीलामी बिक्री/बोली वेबसाइट https://baanknet.com/eauction-psb/bidder-registration के द्वारा"ऑन लाइन बोली प्रक्रिया के माध्यम से होगी।
2. ई-नीलामी की तिथि और समय **08.08.2025 (11.00 पूर्वाह्न से 05.00 अपराह्न तक,** 10 मिनट के ऑटो एक्सटेंशन के साथ) है। ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 07.08.2025 है।
3. नीलामी बैंक की वेबसाइट पर उल्लिखित आरक्षित मूल्य और पहले वृद्धि मूल्य पर शुरू होगी। बोलीदाताओं को संपत्ति के लिए उपरोक्त तालिका में उल्लिखित गुणकों/वृद्धि मूल्य में एक साथ अपने प्रस्तावों में सुधार करना होगा। संपत्तियां आरक्षित मूल्य और पहले वृद्धि मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएंगी।
4. इच्छुक बोलीदाताओं को www.baanknet.com पोर्टल पर अपना नाम पंजीकृत करवाना होगा और ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन ईएमडी जमा करना होगा और उसके बाद उन्हें उक्त पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नीलामी में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। खरीदार वेबसाइट पर अपने केवाईसी दस्तावेज, फोन नंबर और ईमेल आईडी जमा करवाएंगे।
5. संपत्ति को सभी मौजूदा या भविष्य के भार (यदि कोई हो) के साथ बेचा जाएगा। प्राधिकृत अधिकारी संपत्ति पर किसी तीसरे पक्ष के अधिकार/दावे या बकाया के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
6. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्ति पर कोई ऋणभार नहीं है। इच्छुक बोलीदाताओं को संपत्ति के भार/स्वामित्व, वैधानिक दायित्व/कर दायित्व/संपत्ति कर के बकाया आदि के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करनी चाहिए। www.baanknet.com वेबसाइट पर लॉग इन करके संपत्तियों को देखा जा सकता है। संपत्ति के भौतिक निरीक्षण के लिए बैंकिंग कार्य घंटों के दौरान अधिकृत अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।
7. सफल बोलीदाता/खरीदार को संपत्ति की खरीद पर देय बिक्री मूल्य के 1% की दर से टीडीएस सहित सभी करों का भुगतान करना होगा (यदि बिक्री मूल्य 50 लाख रुपये या उससे अधिक है) और ऑनलाइन बिक्री करने के लिए सेवा प्रदाता को देय करों का भुगतान करना होगा। इसके अलावा बिक्री प्रमाण पत्र के निष्पादन के लिए देय शुल्क जैसे स्टाम्प ड्यूटी, पंजीकरण शुल्क आदि का भुगतान भी सफल बोलीदाता को ही करना होगा।
8. असफल बोलीदाता ईएमडी की वापसी के लिए ई-बिक्रे/बैंकनेट से स्वयं संपर्क करेगा। अधिकृत अधिकारी ईएमडी की वापसी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
9. प्राधिकृत अधिकारी/बैंक उच्चतम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है और उसे किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने या ई-नीलामी को स्थगित/स्थगित/रद्द करने या किसी भी संपत्ति या उसके हिस्से को किसी भी स्तर पर बिना कोई कारण बताए नीलामी कार्यवाही से वापस लेने का पूर्ण अधिकार है।
10. बिक्री प्रमाण पत्र केवल क्रेता/ आवेदक के नाम पर जारी किया जाएगा तथा किसी अन्य नाम पर जारी नहीं किया जाएगा।
11. सफल बोलीदाता की बयाना राशि (ईएमडी) आंशिक बिक्री प्रतिफल के रूप में रखी जाएगी। धरोहर राशि पर कोई ब्याज नहीं दिया जायेगा। सफल बोलीदाताओं को प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकार किए जाने के तुरंत बाद/अगले कार्य दिवसों के अंत से पहले पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित बिक्री मूल्य का 25% तथा बिक्री मूल्य का शेष भाग बिक्री के 15वें दिन या उससे पहले जमा करना होगा। नीलामी बिक्री बैंक द्वारा पुष्टि के अधीन है। सफल बोलीदाताओं द्वारा राशि जमा करने में चूक करने पर पहले से जमा की गई पूरी राशि जब्त कर ली जाएगी तथा संपत्ति को फिर से नीलाम किया जाएगा तथा चूककर्ता बोलीदाताओं का संपत्ति/ राशि के संबंध में कोई दावा/अधिकार नहीं होगा।
इच्छुक बोलीदाता जो वेबसाइट पर पंजीकरण करवाना चाहते हैं और ईएमडी जमा करना चाहते हैं और लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-बोली प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आदि में सहायता चाहते हैं, वे ग्राहक सेवा से **8291220220** या support.baanknet@psballiance.com पर संपर्क कर सकते हैं और संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए अधिकृत अधिकारियों से उनके संबंधित फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। वेबसाइट में दिए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिकृत अधिकारियों द्वारा बिक्री की जाएगी।
नोट: सभी इच्छुक बोलीदाता **21-07-2025 से 07-08-2025** तक बैंक के कार्य समय के दौरान एओ/शाखा से संपर्क करने के बाद संपत्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का निरीक्षण कर सकते हैं/साइट का दौरा कर सकते हैं और उसके बाद या उल्लिखित तिथि से पहले साइट विजिट के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया **https://www.bankofindia.co.in / https://www.baanknet.com** में दिए गए लिंक को देखें।

दिनांक : 19.07.2025, स्थान : नोएडा — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 21 जुलाई 2025

अच्छी चर्चाओं की उम्मीद

सोमवार (आज) से संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। जैसीकि परंपरा हो चली है कि सत्र शुरू होने से पूर्व सर्वदलीय बैठक बुलाई जाती है। रविवार को भी बैठक बुलाई गई। जिसमें विभिन्न दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। यह बैठक बुलाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि संसद कार्यवाही सुचारू रूप से चले और जिन बातों पर मतभेद हो सकता है, उसको किसी हद तक पहले ही सुलझा लिया जाए। बैठक में विपक्षी दलों ने जिस तरह के तेवर दिखाए, उससे साफ है कि संसद में गर्मागर्म बहस देखने को मिल सकती है, क्योंकि लगभग सभी दलों के नेताओं का कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में देश को संबोधित करना चाहिए। इतना ही नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोप और बिहार में जिस तरह मतदाता सूची को लेकर काम हो रहा है, उस पर भी अपना वक्तव्य देना चाहिए। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा भी कि इस सत्र में हम पहलगाम पर बात करेंगे। वहीं सपा के रामगोपाल यादव का भी कहना था कि उन्होंने बैठक में पहलगाम आतंकी हमला और इसमें खुफिया विफलता, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रम्प के सैन्य कार्रवाई रोकने वाले बयान, पांच जेट गिराए जाने वाले बयान आदि का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विदेश नीति की विफलता के कारण ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के किसी देश ने हमारा साथ नहीं दिया। अन्नाद्रमुक व आप नेताओं ने भी इसी तरह की बातें कही। जहां तक बात सरकार की है, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जहां सर्वदलीय बैठक को सकारात्मक बताया, वहीं कहा कि यह सभी को सुनिश्चित करना चाहिए कि संसद सत्र का शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संचालन हो, क्योंकि यही सबसे महत्वपूर्ण है। रिजिजू ने कहा कि हम अलग-अलग दलों और विचारधाराओं से हो सकते हैं लेकिन संसद को सफलतापूर्वक चलाना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने विपक्षी दलों को विश्वास दिलाया कि सरकार सभी की बात को सुनेगी। उनका कहना था कि संसद चलाना जितनी सरकार की जिम्मेदारी है, उतना ही जिम्मेदार विपक्ष भी है। उन्होंने जो और एक अच्छी बात कही वह यह कि छोटे दलों का भी ध्यान रखा जाएगा, उनकी शिकायत रहती है कि उन्हें बेहद कम समय दिया जाता है। सरकार की कोशिश रहेगी कि उनको पर्याप्त समय मिले। उनका छोटे दलों से मतलब उन दलों से है जिनके पास एक-दो सदस्य हैं। वास्तव में ऐसा होता है तो यह एक अच्छी पहल होगी और किसी को शिकायत नहीं होगी, लेकिन देखने में आता है कि संसद सत्र शुरू होने से पूर्व बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में काफी मुद्दों पर सहमति होने की बात सामने आती है, लेकिन जब संसद सत्र शुरू हो जाता है तो सारा वातावरण ही बदल जाता है और जो संसद अच्छी चर्चाओं के लिए जानी जाती है वहां हंगामा और शोर-शराबा देखने को मिलता है। कई बार तो पूरा सत्र ही हंगामे की नजर हो जाता है। जबकि संसद सत्र की कार्रवाई में जनता का भारी भरकम पैसा खर्च होता है। सरकार को और तमाम विपक्षी दलों को इस ओर ध्यान देना होगा कि संसद को किसी तरह का अखाड़ा न बनाया जाए, जनता स्वस्थ देखना चाहती है।

पहली वफादारी देश के लिए, पार्टी के लिए नहीं

किसी भी राजनीतिक दल के नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं, पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं, अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा, इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए, जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं, यही सबसे बड़ी दिक्कत है, राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में देश के सभी दलों को एकजुट होना चाहिए।

-शशि थरूर, सांसद, कांग्रेस

संसद में प्राइवेट मेंबर बिल: गंभीरता की गिरती रेखा व लोकतंत्र की अनदेखी

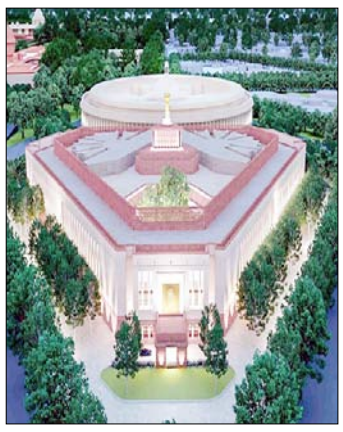

वीरेश तरार

भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था संसद का स्वरूप वर्षों में किस प्रकार बदला है, इसका सजीव उदाहरण हमें संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले विधेयकों के स्वरूप में देखने को मिलता है। संसद में दो प्रकार के विधेयक होते हैं एक वे जिन्हें सरकार स्वयं लाती है, जिन्हें सरकारी बिल कहा जाता है और दूसरे वे, जिन्हें किसी मंत्री के अतिरिक्त संसद का कोई भी सदस्य जिसे हम सांसद कहते हैं पेश करता है, जिसे प्राइवेट मेंबर बिल के नाम से जाना जाता है।

सरकारी बिल सरकार की नीतियों को लागू करने या किसी नए कानून को बनाने के लिए लाया जाता है। इसे सरकार का समर्थन प्राप्त होता है, इस कारण से संसद में बहुमत से पारित होने की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसके उलट प्राइवेट मेंबर बिल उस सांसद के व्यक्तिगत या क्षेत्रीय चिंताओं, किसी जनसमूह की पीड़ा, सामाजिक अन्याय या उपेक्षित वर्ग की समस्याओं को संसद के माध्यम से उजागर करने का माध्यम होते हैं। यह बिल इसलिए भी खास होते हैं क्योंकि इनके माध्यम से आम नागरिकों के जीवन से जुड़े मुद्दे संसद में उठते हैं परंतु विडंबना यह है कि ऐसे बिलों को संसद में वह स्थान या महत्व नहीं मिलता, जिसकी एक जीवंत लोकतंत्र में अपेक्षा की जाती है।

अगर हम भारत की स्वतंत्रता के बाद की संसदीय यात्रा पर दृष्टिपात करें, तो पाते हैं कि 1970 तक संसद में प्राइवेट मेंबर बिलों को विशेष गंभीरता से लिया जाता था। उस कालखंड में कुल तीन सौ सत्तर प्राइवेट मेंबर बिल संसद में प्रस्तुत किए गए और उनमें से चौदह बिल कानून बनकर जनता तक पहुंचे। यह संख्या न केवल सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी है कि उस समय संसद में हर सदस्य की बात को सुना जाता था, बहस होती थी और यदि जनहित में उचित पाया जाता था तो उसे कानून का रूप भी दिया जाता था। उस दौर के कुछ बिल तो इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुके हैं। बाल विवाह को समाप्त करने वाला ऐतिहासिक शारदा अधिनियम, महिलाओं को संपत्ति में अधिकार दिलाने वाला हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता लाने वाला मुस्लिम वक्फ अधिनियम जैसे अनेक उदाहरण इस बात को प्रमाणित करते हैं कि संसद तब केवल सरकार की आवाज नहीं थी, वह आमजन की आवाज का वास्तविक मंच थी। दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि 1970 के बाद से संसद का स्वरूप बदलता गया और संसद में प्राइवेट मेंबर बिल महज औपचारिकता बनकर रह गए।

आजादी के बाद का वह स्वर्णकाल एक विराम के साथ समाप्त हो गया। पिछले पचपन वर्षों में एक भी प्राइवेट मेंबर बिल कानून नहीं बन पाया है। न केवल कानून नहीं बना, बल्कि अनेक ऐसे बिल जिनमें समाज की धड़कनें थीं, जिनमें जनता की पीड़ा थी, उन पर बहस तक नहीं हो पाई। ऐसा लगता है कि संसद केवल सरकार के एजेंडे तक सीमित होकर रह गई है।

आज की 18वीं लोकसभा और राज्यसभा में प्राइवेट मेंबर बिलों की स्थिति अत्यंत निराशाजनक है। यदि हम मौजूदा लोकसभा की बात करें तो अब तक कुल चौसठ प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए जा चुके हैं। वहीं राज्यसभा में उनचास बिल प्रस्तुत किए गए हैं परंतु इन दोनों सदनों में इन बिलों पर गंभीर बहस की कोई मिसाल देखने को नहीं मिलती। कोई बिल चर्चा के लिए नहीं आता और बिना चर्चा के सूची से बाहर कर दिया जाता है। यह स्थिति यह संकेत देती है कि संसद के भीतर सत्ता पक्ष की सोच किस प्रकार एकपक्षीय होती जा रही है।

बीते वर्षों में अनेक ऐसे प्राइवेट मेंबर बिल लाए गए, जिनके समाज और राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते थे। भारतीय जनता पार्टी के युवा सांसद वरुण गांधी ने शहरी गरीबों के लिए एक ऐतिहासिक प्राइवेट मेंबर बिल संसद में प्रस्तुत किया था, जिसके माध्यम से शहरी क्षेत्रों में भी मनरेगा जैसी योजना लागू करने का सुझाव था। यदि यह बिल कानून बन जाता तो भारत के करोड़ों शहरी गरीबों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आ सकता था, लेकिन इस बिल को संसद में चर्चा का अवसर ही नहीं मिला। इसी प्रकार कांग्रेस की महिला नेता अलका लांबा ने महिलाओं के कार्यस्थल पर उत्पीड़न रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण बिल प्रस्तुत किया, परंतु इस बिल को भी गंभीरता से नहीं लिया गया और चर्चा तक नहीं हो सकी।

राज्यसभा में ओडिशा के युवा सांसद सुजीत कुमार द्वारा लाए गए सस्टेनेबल फैशन बिल और हेपेटाइटिस नियंत्रण विधेयक इस समय चर्चा में हैं। यदि इन विधेयकों को गंभीरता से लिया जाता तो भारत में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जवाबदेही और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में बड़ा सुधार संभव हो सकता था लेकिन अब तक के अनुभव यही कहते हैं कि संसद में ऐसी गंभीर पहलें हाशिए पर डाल दी जाती हैं। इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने स्थानीय स्वशासन को मजबूती देने के उद्देश्य से एक बड़ा प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किया है, जिसमें नगर निगम के मेयर के कार्यकाल को एक वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष करने और उनके प्रत्यक्ष चुनाव का प्रावधान है।

यदि यह बिल कानून बनता है तो नगरीय लोकतंत्र को नई ऊर्जा मिल सकती है, शहरी प्रशासन में स्थायित्व आ सकता है और जनता को सीधे अपने नेतृत्व को चुनने का अवसर प्राप्त हो सकता है। परंतु संसद में प्राइवेट मेंबर बिलों के हालात देखते हुए इस बिल के भी बहस में आने या कानून बनने की संभावना क्षीण प्रतीत होती है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि संसद अब वैसी नहीं रह गई जैसी वह अपने प्रारंभिक दशकों में थी। जनप्रतिनिधियों की आवाजें अब सत्ताधारी दलों के एजेंडे के नीचे दब जाती हैं। संसद में विपक्ष और स्वतंत्र सांसदों के सुझावों को गंभीरता से सुनने की परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। आज सरकार की प्राथमिकता केवल उन्हीं बिलों को पारित करना है जो उसके नीतिगत और राजनीतिक हितों के अनुकूल हों। प्राइवेट मेंबर बिलों पर बहस तक न होना यह सिद्ध करता है कि वर्तमान लोकतंत्र एकपक्षीय हो गया है। अब संसद का मानसून सत्र आरंभ होने जा रहा है। यह सत्र इतिहास बनाएगा या बीते पचपन वर्षों की परंपरा को ही दोहराएगा, यह देखना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। क्या संसद इस बार प्राइवेट मेंबर बिलों को गंभीरता से बहस का विषय बनाएगी? क्या जनप्रतिनिधियों की आवाजें संसद में गूंजेंगी या वे सत्ता के अहंकार में दब जाएंगी? यह सवाल संसद के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा का क्षण है। यदि इस सत्र में भी प्राइवेट मेंबर बिलों पर बहस नहीं होती और उन्हें कानून का दर्जा नहीं मिलता, तो यह स्पष्ट संकेत होगा कि संसद अब आमजन की आवाज नहीं, बल्कि सरकार का एजेंडा बनकर रह गई है, लेकिन यदि संसद इस परंपरा को तोड़ती है, तो यह लोकतंत्र के लिए एक नई उम्मीद की किरण होगी।

समाज और लोकतंत्र के सजग प्रहरी के नाते हमें इस सत्र पर पैनी दृष्टि रखनी होगी। यह जानना होगा कि संसद का यह मानसून सत्र मात्र औपचारिकता में बीतेगा या इतिहास रचेगा। क्या संसद की दीवारें फिर से जनहित की आवाजों से गूंजेंगी या वे सत्ता के आदेशों की गूंज बनकर रह जाएंगी? समय ही इसका उत्तर देगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विदेशी बाजार में तेजी से पकड़ बनाता प्रसार भारती

दूरदर्शन के वेव्स ओटीटी की सीधी टक्कर ओटीटी के बेताज बादशाह नेटफ्लिक्स से है। नेटफ्लिक्स 200 से ज्यादा देशों में देखा जाता है। यह हर देश के लिए अलग-अलग भाषा में कंटेंट और डबिंग तैयार करता है। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर 210 करोड़ की संजय लीला भंसाली की हीरा मंडी सिरीज 43 देशों में देखी गई और 10 ट्रेंडिंग लिस्ट में जगह बनाई। दूरदर्शन अब इसी स्तर की भव्यता के लिए मेगा कंटेंट्स पर काम कर रहा है। दूरदर्शन के लिए एक खास बात यह है कि उसके पास बजट की कमी नहीं है। इसके अलावा बना-बनाया इंफ्रास्ट्रक्चर है।

पवन सिंह

प्रसार भारती ने भारत से बसे करोड़ों प्रवासी भारतियों के लिए कई ऐसे कार्यक्रम ला रहा है जो देश की तमाम परंपराओं, रीति-रिवाजों के अलावा जिदंगी की जद्दोजहद से उनको रू-ब-रू कराएंगे।

यह मानवीय स्वभाव होता है कि जब आदमी अपनी सरजमीं से दूर होता है तो वह भावनात्मक रूप से अपनी माटी के ज्यादा करीब होता है। वह उन पलों को पर्दे पर ही देखकर अपने अतीत और वर्तमान को उनसे जोड़ लेता है। प्रसार भारती वेव्स सहित अपने अन्य इंटरटेनमेंट चौनलों को अब इसी कंटेंट से भरने की तैयारी कर चुका है। प्रसार भारती अपने प्रसार का दायरा तेजी से बढ़ा रहा है, नए चेयरमैन, सीईओ व डीजी के आने से भविष्य में बड़े मेगा सीरियल्स दिखेंगे। विदेशों में भारतीयों की संख्या लगभग 3154 करोड़ है, जिसमें अनिवासी भारतीय (एनआरआई) और भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) शामिल हैं। यह संख्या दुनिया की सबसे बड़ी प्रवासी आबादी में से एक है। वेव्स ओटीटी ने अब विदेशी ओटीटी प्लेटफार्मों को उनके ही घर में टक्कर देने की योजना बनाई है। भारतीय संस्कृति व परंपराएं, भारतीय परिवारों का सामाजिक ढांचा, पहनावा और खान-पान।

ये तमाम ऐसे विषय लंबे समय से विदेशी दर्शकों को आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन तमाम इंटरटेनमेंट चैनलों ने विगत 20-25 सालों में इसी भारतीय समाज की कहानियों को जिस विद्रूपता के साथ परोसा, उसने बहुत नुकसान किया है। आधुनिकता को अपनाए हुए और टूटती पारिवारिक मान्यताओं की एकता कपूर स्टाइल इंटरटेनमेंट से हुए नुकसान की भरपाई करने को दूरदर्शन खुद को तैयार कर चुका है। पाकिस्तान में भारतीय इंटरटेनमेंट चैनलों का एक विशाल दर्शक समूह है लेकिन जब भारतीय परिवारों को हर क्षेत्र में मान्यताओं को धूलधूसरित करने और महिला पात्रों को यत्र-तत्र-सर्वत्र मुंह मारते हुए दिखाया जाने लगा तो इनके देखने का विरोध हुआ। परिणामस्वरूप भारतीय इंटरटेनमेंट चैनलों की लोकप्रियता का ग्राफ गिरा। दूरदर्शन इस बीच उसी तरह से खरामा-खरामा चलता रहा जैसे 84-85 के दशक में था। जहां निजी इंटरटेनमेंट चैनल्स ने भव्यता सेट लगाकर और बड़े स्टार कास्ट व बंपर पब्लिसिटी का सहारा लिया वहीं दूरदर्शन हल्के-फुल्के सेट लगाकर काम चलाता रहा। अचानक दूरदर्शन गहरी नींद से जागा और खुद को अपने ही एक चर्चित विज्ञापन ईसीई बल्ब के एक ब्लैक एंड व्हाइट विज्ञापन की तरह जागा। पूरे घर के बदल डालूंगा। शीर्ष स्तर पर बदलाव हुए और चेयरमैन, सीईओ और डीजी की तिकड़ी ने खोया हुआ जनाधार आक्रामक तरीके से हासिल करने के लिए कमर कसी। बड़ा बजट, मेगा सिरियल्स, बड़े डायरेक्टर्स, बड़े स्टार्स के साथ मनोरंजन की गला काट प्रतियोगिता में यह तिकड़ी कूद चुकी है। अब मीडिया सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर अपने प्रोजेक्ट्स की पब्लिसिटी का खाका तैयार है। दूरदर्शन के सूत्र बताते हैं कि दर्शकों ने साफ-सुथरे व मीनिंगफुल कंटेंट्स को फिर से देखना शुरू किया है। मेरा पुराना दर्शक वापस लौट रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हर दिन बढ़ती बेरोजगारी देश के लिए विकट समस्या

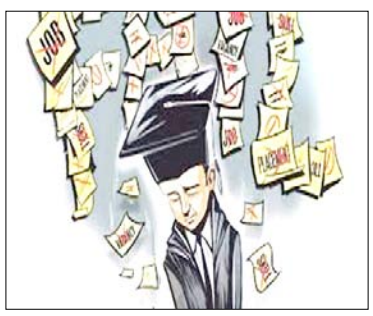

विनीत नारायण

पिछले दिनों खबर छपी कि उत्तर प्रदेश में 2 हजार पदों के लिए 29 लाख आवेदन प्राप्त हुए। इसी तरह एक बार ऐसी भी खबर आई थी कि आईआईटी से पास हुए 38 फीसदी युवाओं को रोजगार नहीं मिला। अक्सर यह देखा जाता है कि जब भी कभी कोई सरकारी पद पर भर्ती खुलती है तो कुछ हजार पदों के लिए लाखों आवेदन आ जाते हैं। फिर वो पद छोटा हो या बड़ा, उस पद की योग्यता से अधिक योग्य आवेदक अपना आवेदन देते हैं। बात बिहार की हो उत्तर प्रदेश की या देश में किसी अन्य राज्य की, जब भी एक पद पर उम्मीद से ज्यादा आवेदन आते हैं तो स्थिति अनियंत्रित हो जाती है।

आज के दौर में अगर मेनस्ट्रीम मीडिया किन्ही कारणों से ऐसे सवालों को जनता तक नहीं पहुंचाता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि जनता तक वह सवाल पहुंच नहीं पाएंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे सैकड़ों इंटरव्यू देखे जा सकते हैं जो बेरोजगारी की भयावय समस्या से जूझते युवाओं की हताशा दर्शाते हैं। जब यह युवा रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो इनके राज्यों की सरकारें पुलिस से इन पर डंडे बरसाती हैं। अगर युवाओं को सरकारी नौकरी मिलने की भी उम्मीद नहीं होगी तो हार कर उन्हें निजी क्षेत्र में जाना पड़ेगा और निजी क्षेत्र की मनमानी का सामना करना पड़ेगा। दिक्कत यह है कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं बहुत तेजी से घटती जा रही हैं। इससे और हताशा फैल रही है। नौकरी नहीं मिलती तो युवाओं की शादी नहीं होती और उनकी उम्र बढ़ती जाती है। समाज शास्त्रीय शोधकर्ताओं को इस विषय पर शोध करना चाहिए कि इन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की इस हताशा का समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

देश के आर्थिक और सामाजिक ढांचे को देखते हुए शहरों में अनौपचारिक रोजगार की मात्रा को क्रमशः घटा कर औपचारिक रोजगार के अवसर को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। देश की सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था के कारण बेरोजगारी खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। एक शोध के अनुसार भवन निर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत, व्यापार, होटेल व अन्य सेवाओं में 47 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में 39 प्रतिशत और खनन क्षेत्र में 23 प्रतिशत बेरोजगारी फैल चुकी है।

चिंता की बात यह है कि यह वो क्षेत्र हैं जो देश को सबसे ज्यादा रोजगार देते हैं। इसलिए उपरोक्त आंकड़ों का प्रभाव भयावह है। जिस तीव्र गति से यह क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं उससे तो और भी तेजी से बेरोजगारी बढ़ने की स्थितियां पैदा हो रही हैं। दो वक्त की रोटी का भी जुगाड़ न कर पाने की हालत में लाखों मजदूर व अन्य लोग जिस तरह लॉकडाउन शुरू होते ही पैदल ही अपने गांवों की ओर चल पड़े उससे इस स्थिति की भयावयता का पता चलता है।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण एशिया के देशों में अनौपचारिक रोजगार के मामले में भारत सबसे ऊपर है। जिसका मतलब हुआ कि हमारे देश में करोड़ों मजदूर कम मजदूरी पर, बेहद मुश्किल हालातों में काम करने पर मजबूर हैं, जहां इन्हें अपने बुनियादी हक भी प्राप्त नहीं हैं। इन्हें नौकरी देने वाले जब चाहे रखें, जब चाहें निकाल दें, क्योंकि इनका ट्रेड यूनीयनों में भी कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार भारत में 53.5 करोड़ मजदूरों में से 39.8 करोड़ मजदूर अत्यंत दयनीय अवस्था में काम करते हैं। जिनकी दैनिक आमदनी 200 रुपये से भी कम होती है। इसलिए मोदी सरकार के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहलीय शहरों में रोजगार के अवसर कैसे बढ़ाए जाएं, क्योंकि पिछले 7 वर्षों में बेरोजगारी का फीसदी लगातार बढ़ता गया है। दूसरा शहरी मजदूरों की आमदनी कैसे बढ़ाएं, जिससे उन्हें अमानवीय स्थित से बाहर निकाला जा सके।

इसके लिए तीन काम करने होंगे। भारत में शहरीकरण का विस्तार देखते हुए, शहरी रोजगार बढ़ाने के लिए स्थानीय सरकारों के साथ समन्वय करके नीतियां बनानी होंगी। इससे यह लाभ भी होगा कि शहरीकरण से जो बेतरतीब विकास और गंदी बस्तियों का सृजन होता है उसको रोका जा सकेगा। इसके लिए स्थानीय शासन को अधिक संसाधन देने होंगे। दूसरा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन वाली विकासात्मक नीतियां लागू करनी होंगी। तीसरा शहरी मूलभूत ढांचे पर ध्यान देना होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था भी सुधरे। चौथा देखा यह गया है कि विकास के लिए आवंटित धन का लाभ शहरी मजदूरों तक कभी नहीं पहुंच पाता और ऊपर के लोगों में अटक कर रह जाता है। इसलिए नगर पालिकाओं में विकास के नाम पर खरीदी जा रही भारी मशीनों की जगह अगर मानव श्रम आधारित शहरीकरण को प्रोत्साहित किया जाएगा तो शहरों में रोजगार बढ़ेगा। पांचवां शहरी रोजगार योजनाओं को स्वास्थ्य और सफाई जैसे क्षेत्र में तेजी से विकास करके बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आज यह हालत नहीं है कि वो प्रवासी मजदूरों को रोजगार दे सके। अगर होती तो वे गांव छोड़ कर शहर नहीं गए होते।

मौजूदा हालात में यह सोचना कि पढ़े-लिखे युवाओं के लिए एक ऐसी योजना लानी पड़ेगी जिससे इनको भी रोजगार मिल जाए, पर ऐसा करने से करोड़ों बेरोजगारों का एक छोटा सा अंश ही संभल पाएगा। जबकि बेरोजगारों में ज्यादा तादाद उन नौजवानों की है जो आज देश में बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर भी बेरोजगार हैं। उनका आक्रोश इतना बढ़ चुका है और सरकारी तंत्र द्वारा नौकरी के बजाए लाठियों ने आग में घी का काम किया है। कुछ वर्ष पहले सोशल मीडिया पर एक व्यापक अभियान चला कर देश के बेरोजगार नौजवानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को ही बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाया था। उस समय इसी कॉलम में मैंने कहा था कि यह एक खतरनाक शुरुआत है जिसे केवल वायदों से नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में शिक्षित रोजगार उपलब्ध कराकर ही रोका जा सकता है। मोदी जी ने 2014 के अपने चुनावी अभियान के दौरान प्रतिवर्ष 2 करोड़ नए रोजगार सृजन का अपना वायदा अगर निभाया होता तो आज ए हालात पैदा न होते।

यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि कोई भी राजनैतिक दल जो अपने चुनावी अभियान में बेरोजगारी दूर करने का सपना दिखता है, वो सत्ता में आने के बाद अपना वायदा पूरा नहीं करता। इसलिए सभी राजनैतिक दलों को मिल बैठ कर इस भयावय समस्या के निदान के लिए एक नई आर्थिक नीति पर सहमत होना पड़ेगा। जिसके माध्यम से देश की सम्पदा, चंद हाथों तक सीमित होने के बजाय उसका विवेकपूर्ण बंटवारा हो। छोटे और मंझले उद्योगों के तेजी से बंद होने की मजबूरी को दूर करना होगा और इन उद्योगों को अविलंब पुनः स्थापित करने की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इजरायल में युद्ध के खिलाफ फूटा गुस्सा, सड़कों पर उतरे हजारों

गाजा में बंधकों की वापसी के लिए ट्रम्प से हस्तक्षेप करने की मांग

तेल अवीव। इजरायल व हमास के बीच गाजा में करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध को रो. कने की मांग उठ रही है। समझौते की मांग को लेकर इजरायल की जनता सड़कों पर उतर आई है। लोगों ने युद्ध विराम को लेकर समझौता करने की मांग की। लोगों ने कहा कि युद्ध समाप्त किया जाए और गाजा में बंद सभी 50 जीवित और मृत बंदियों को वापस लाया जा सके।

साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को समझौते कराने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिस पर लिखा था कि ट्रम्प को बड़ा समझौता कराना चाहिए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका लगातार प्रयास कर रहा है कि गाजा में संघर्ष को

ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है

खत्म करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक टेबल पर लाया जा सके। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है और इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ेगा। अमेरिका यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि गाजा में मानवीय संकट न बढ़े। वहीं काउंसिल आन अमेरि. कन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने गाजा में भुखमरी के बावजूद कार्रवाई न करने के लिए वैश्विक समुदाय की निंदा की है। सीएआईआर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने हमारी अपनी सरकार की मिलीभगत से बेंजामिन नेतन्याहू की अति-दक्षिणपंथी सरकार द्वारा फलस्तीनी नागरिकों के नरसंहार को न केवल सहन किया है, बल्कि उसे सामान्य बना दिया है। ये दुर्घटनाएं नहीं हैं। ये अमेरिकी करदाताओं द्वारा दिए गए अरबों डालर के हथियारों और सहायता से समर्थित क्रूरता और दंडमुक्ति की प्रणाली के परिणाम हैं। हम इजरायल के हमले के लिए अमेरिका के सभी समर्थन को समाप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं। चुप्पी नरसंहार में सहभागिता है और नरसंहार को सामान्य बनाना मानवता के साथ विश्वासघात है।

ईरान और रूस में भूकंप के तेज झटके

काहिरा/मॉस्को। ईरान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जीएफजेड जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र ने बताया कि शनिवार को उत्तरी और मध्य ईरान में अंतर्राष्ट्रीय समय 21:37 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र 36.72 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 55.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था। केन्द्र ने बताया कि इसी समय पर उत्तर-पूर्वी ईरान के कर्नाबाद गांव से 31 किलोमीटर पूर्व में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र 36.84 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 54.94 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था। वहीं रूस के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 142 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण- पूर्व में रविवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि आज 06:28 बजे महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.0 आंकी गई।

ऑपरेशन सिंदूर से हुई क्षति की मरम्मत में जुटा पाक

सरकार ने मरम्मत के लिए 100 करोड़ दिए

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' छेड़ कर 7 मई की रात पाकिस्तान में आतंक की 9 फैक्ट्रियों को तबाह कर दिया था, लेकिन पाक ने इन ठिकानों की मरम्मत का ना-पाक काम फिर शुरू कर दिया। लगभग ढाई महीने बाद यहां मरम्मत कराई जा रही है।

लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की ओर से संचालित मदरसों में छात्र लौट आए हैं। इन ठिकानों में हुई तबाही की मरम्मत के लिए पाकिस्तानी आर्मी और शहबाज सरकार ने सरकारी खजाना खोल दिया है। पहले 50 करोड़ रुपये का फंड जारी हुआ था सूत्रों के मुताबिक, अब इन 9 आतंकी ठिकानों के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये का फंड रखा गया है। इस फंड को बढ़ाने के लिए पाक आर्मी

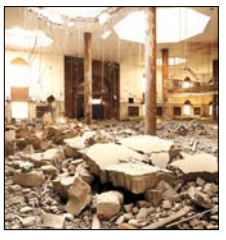

इस्लामाबाद ने चीन की कंपनी से किया संपर्क

चीफ आसिम मुनीर ने खुद पहल की। पता चला है कि मुनीर ने पाक आर्मी वेलफेयर और आर्मी हाउसिंग स्कीम से फंड को डायवर्ट करने के आदेश दिए हैं। ये राशि स्ट्राइक में मारे गए लोगों के परिवार वालों को दी जाने वाली सहायता राशि से अलग होगी। पाकिस्तान सरकार और आर्मी ने ऐसे 15 परिवारों को 10 करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का ऐलान किया हुआ है। पाक सरकार ने इन कंस्ट्रक्शन साइट पर काम के लिए चीन की गेझोउबा ग्रुप कंपनी से भी संपर्क किया है।

ये कंपनी पहले से पीओके में काम कर रही है। मुजफ्फराबाद, कोटली और भिंबर के कुछ स्थानों पर ये कंपनी मरम्मत का काम कर सकती है। पंजाब सूबे में भी काम के लिए चीन की कंपनी को तलाशा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार आर्मी चीफ आसिम मुनीर का झुकाव जैश के प्रति बढ़ रहा है। जैश के मुख्यालय बहावलपुर में सुभान अल्लाह मस्जिद की निगरानी रिपोर्ट सीधे उनके पास जाती है। जैश के सुप्रीमो मसूद अजहर को भी स्पेशल आईएसआई के सेफ हाउस में रखा गया है। पता चला है कि मसूद की लोकेशन हर पखवाड़े बदल दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

फलस्तीन राष्ट्रीय परिषद के चुनाव साल के अंत में

रामअल्लाह। फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने नई फलस्तीन राष्ट्रीय परिषद के चुनाव इस साल के अंत से पहले कराने के शनिवार को आदेश जारी कर दिए। फलस्तीन समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, यह फैसला फलस्तीन मुक्ति संगठन की कार्यकारी समिति ने गुरुवार को हुई बैठक में लिया। बैठक में तय किया गया कि साल 2025 के अंत से पहले चुनाव करा लिए जाएंगे। वाफा ने बताया कि चुनाव की तारीख कार्यकारी समिति के अध्यक्ष तय करेंगे। इस 350 सदस्य परिषद में दो-तिहाई सदस्य देश से चुने जाएंगे और शेष एक-तिहाई प्रवासी और विदेशों में रह रहे फलस्तीनी मूल के लोग होंगे।

सूडान ने यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की निंदा की

खार्तूम। सूडान ने शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की निंदा करते हुए कहा कि इनमें 'निष्पक्ष कानूनी मानकों' का अभाव है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सूडानी सशस्त्र बलों की 'गैरकानूनी विद्रोही सशस्त्र समूहों' के साथ तुलना करना संभव नहीं है। बयान में यूरोपीय संघ से सूडान की विशिष्ट राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया गया। यूरोपीय संघ ने शुक्रवार को एसएएफ और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) से संबद्ध दो व्यक्तियों और दो संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंध लगाए जिनमें संपत्ति जब्त करना, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से धन या आर्थिक संसाधनों के प्रावधान पर प्रतिबंध और यात्रा प्रतिबंध शामिल हैं।

वियतनाम में जहाज डूबने से 37 लोगों की मौत

हनोई। उत्तरी वियतनाम के हा लॉन्ग खाड़ी में शनिवार को एक यात्री जहाज के डूब जाने से 37 लोगों की मौत हो गई। वियतनाम समाचार एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि जहाज के मलबे को आज तड़के जांच के लिए किनारे पर लाया गया। दुर्घटना के समय जहाज पर 48 वियतनामी पर्यटक सवार थे। दस पर्यटकों को बचा लिया गया। सरकारी मीडिया के अनुसार जहाज में चालक दल के पांच सदस्य भी सवार थे। वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा के निर्देश पर क्वांग निन्ह प्रांत के अधिकारियों ने बचाव अभियान में सहायता के लिए चार बड़े जहाज और मुख्य बचाव बल तैनात किए।

मध्य गाजा को खाली करने का आदेश

संघर्ष विराम पर वार्ता थमी, तो इजरायल ने हमले तेज किए, लोगों को मुवासी जाने की दी सलाह

तेल अवीव। इजरायली सेना ने मध्य गाजा को खाली करने का आदेश जारी कर दिया है। मध्य गाजा उन इलाकों में शामिल है, जहां इजरायल के सैनिकों ने ज्यादा कार्रवाई नहीं की है। इससे दीर अल बलाह और राफा और खाना यूनिस के बीच संपर्क टूट गया है।

वहीं संघर्ष विराम बातचीत कई महीनों से थमी है, ऐसे में इजरायल हमले तेज करने की तैयारी कर रहा है। इजरायल और हमास, कतर में युद्धविराम को लेकर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों का कहना है कि फिलहाल कोई सफलता नहीं मिली है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि गाजा में इजरायली सैन्य अभियानों से हमास पर बातचीत करने का दबाव पड़ेगा। हालांकि अभी तक ऐसा नहीं हो सका है। गाजा के जिस इलाके में निकासी का आदेश दिया गया है, वहां

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह नेता की मौत

यरूशलम/बेरूत। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को हुए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह की योहमोर चौकी का प्रमुख अहमद मुहम्मद सलाह मारा गया। यह जानकारी इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को दी। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि सलाह योहमोर क्षेत्र में हिजबुल्लाह की सैन्य अवसंरचना को फिर से स्थापित करने की कोशिशों में शामिल था। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने इससे पहले कहा था कि नाबातीह जिले के योहमोर के शारबिक इलाके में एक मोटरसाइकिल पर हुए इजरायली ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी स्थित हैं जो लोगों को सहायता वितरित करने का प्रयास कर रहे हैं। संगठनों ने इजरायल की निकासी चेतावनियों पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। इजरायली सेना ने मध्य गाजा में रहने वाले लोगों को मुवासी क्षेत्र में जाने की अपील की है। मुवासी गाजा के दक्षिणी तट पर एक तंबू शिविर है, जिसे इजरायली सेना ने मानवीय शि. विर घोषित किया है।

इजरायली सेना ने चेतावनी दी है कि वे आतंकवादियों पर हमले तेज करने वाले हैं। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल में हमला किया, जिसने गाजा में युद्ध की शुरुआत की। हमास के हमले में इजरायल में 1200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 50 लोग बंधक हैं, जिनमें से आधे से भी कम जीवित बचे हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इसके बाद हुए इजरायली सेना के हमले में 58000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय ने ये नहीं बताया कि मृतकों में कितने आतंकवादी हैं, लेकिन मृतकों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं।

हसीना को कभी माफ नहीं किया जा सकता: बीएनपी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार को कहा कि अपदस्थ शेख हसीना को जुलाई के जन विद्रोह के दौरान हुई हत्याओं और क्रूरताओं के लिए कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने 'जन विद्रोह 2024-सदाबहार स्मृतियां' नामक एक कार्यक्रम को संबो. धित करते हुए कहा कि सुहसीना मानवता के लिए कलंक हैं, माताओं के लिए कलंक हैं। फख्रुल ने आंदोलन में अपने बेटे की मृत्यु के बारे में भावुक होकर बताया कि अपने बेटे के ज़रिए भविष्य का सपना देखा था। लेकिन उसे गोली मार दी गई, फिर दूसरों के साथ एक वैन में फेंक दिया गया। बाद में, शवों को आग लगा दी गई। ज़रा सोचिए कि हम एक आज़ाद देश के नागरिक हैं। यह कार्यक्रम बीएनपी संस्थापक ज़ियाउर रहमान की समाधि स्थल पर कार्यक्रम का आयोजित हुआ।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने किया शक्ति प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी जमात- ए-इस्लामी ने राजधानी ढाका में विशाल रैली कर अपनी राजनी. तिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों समर्थक जुटे। माना जा रहा है कि यह प्रदर्शन अगले साल होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

जमाते इस्लामी ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह 10 लाख लोगों को जुटाएगी। रात से ही हजारों समर्थक ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस में डटे रहे। शनिवार सुबह वे ऐतिहासिक सुवर्णवर्दी उद्यान के लिए रवाना हुए। यह वही जगह है जहां 16 दिसम्बर 1971 को भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। 66 वर्षीय पार्टी प्रमुख शफीकुर रहमान ने भाषण के दौरान दो बार बेहोश हो गए। उन्हें बाद में जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि 2024 का संघर्ष केवल

राजधानी ढाका में शक्ति प्रदर्शन किया, देश की यूनुस सरकार से निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की

फासीवाद के खिलाफ नहीं है, अब भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। हम युवा शक्ति को एकजुट कर इस लड़ाई को जीतेंगे।

पार्टी ने अंतरिम यूनुस सरकार के सामने 7 प्रमुख मांगें रखीं हैं। रैली में शामिल 40 वर्षीय इकबाल हुसैन ने कह हम एक ऐसे नए बांग्लादेश के लिए यहां हैं, जहां शासन इस्लाम के सिद्धांतों पर आधारित हो, ईमानदार लोग सत्ता में हों और भ्रष्टाचार न हो। जरूरत पड़ी तो जान भी देंगे। 20 वर्षीय छात्र मो. हिदुल मोर्सलीन सय्यम ने कहा हम कुरान के रास्ते पर चलते हैं, इसलिए जमात के राज में किसी से भेदभाव नहीं होगा। सभी को अधिकार मिलेंगे। यह पहला मौका है जब 1971 के बाद जमाते इस्लामी को सुवर्णवर्दी उद्यान में रैली की इजाजत मिली।

उत्तर प्रदेश। प्रयागराज में मानसून के मौसम में उफनती गंगा नदी के कारण जलमग्न हुए आस-पास के इलाके।

ट्रम्प प्रशासन स्पेसएक्स के साथ अनुबंध जारी रखेगा

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्पेसएक्स के साथ सरकारी अनुबंधों का मूल्यांकन करने के बाद ट्रम्प प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनमें से अधिकांश को बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि वे पेंटागन और नासा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रविवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के सूत्रों के अनुसार, जून की शुरुआत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह घोषणा की थी कि वह कुछ दिनों बाद एलन मस्क के साथ मौजूदा सरकारी अनुबंधों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे। इसी के मद्देनजर ट्रम्प प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की। स्पेसएक्स की अध्यक्ष ग्वेने शॉटवेल ने स्पेसएक्स अनुबंधों के मूल्यांकन के दौरान व्हाइट हाउस के अधिका. रियों से मुलाकात की। समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा कि स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है। समाचारपत्र ने कहा कि अनुबंधों का मूल्यांकन स्पेसएक्स का

ट्रम्प प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की

समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा: स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है

एक प्रमुख रॉकेट निर्माता के रूप में और विश्व के मुख्य उपग्रह इंटरनेट संचार प्रदाता की स्थिति को उजागर करता है। जून में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और अरबपति मस्क के बीच सार्वजनिक विवाद शुरू होने के बाद व्हाइट हाउस ने रक्षा विभाग और नासा को स्पेसएक्स के साथ बड़े अनुबंधों पर विस्तृत जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया था। ट्रम्प द्वारा स्पेसएक्स के साथ अनुबंध समाप्त करने की धमकी के बाद एलन मस्क ने कहा था कि वह ड्रैगन अंतरिक्ष यान उड़ाना बंद कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष एजेंसी यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने और वापस लाने की क्षमता खो सकती थी। एलन मस्क बाद में अपनी धमकी पर पीछे हट गए लेकिन उनकी घोषणा ने नासा अधिकारियों में चिंताए उत्पन्न कर दी जिन्होंने स्पेसएक्स पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने का भरोसा किया था और पेंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए उनकी कंपनी पर अधिक निर्भर है।

सऊदी अरब के राजकुमार का निधन

दोहा। सऊदी अरब के राजकुमार अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल (36) का शनिवार को निधन हो गया। बीस वर्ष पहले लंदन में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद वह कोमा में चले गए थे। शाही कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राजकुमार को सऊदी अरब में 'सोता हुआ राजकुमार' कहा जाता था। समय-समय पर ऐसी अफवाहें उड़ती रहीं कि वह ठीक हो रहे हैं, लेकिन कभी इसकी पुष्टि नहीं हुई। कार्यालय ने एक बयान में कहा कि 'राज. कुमार के अंतिम संस्कार के लिए आज रियाद स्थित इमाम तुर्की बिन अब्दुल्ला ग्रैंड मस्जिद में प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। राजकुमार के पिता खालिद बिन तलाल ने एक्स पर निधन की जानकारी दी। उन्होंने एक भावुक पोस्ट में कहा कि अल्लाह की मर्जी और नियति में विश्वास रखते हुए गहरे दुख के साथ हम अपने बेटे के निधन की सूचना दे रहे हैं, अल्लाह उन पर रहम करे। वह अस्पताल में अपने बेटे से मिलने के बाद नियमित रूप से सोशल नेटवर्क पर कई तस्वीरें पोस्ट करते थे।